CHILDLINE S O P U R

वार्षिक प्रतिवेदन

अप्रैल 2017 से मार्च 2018

In the midst of
Death life Persists
In the Midst of
Untruth Truth Persists
In the Midst of
Darkness light persists

MGSA

2017-2018

संचालित- महात्मा गाँधी सेवा आश्रम , श्योपुर

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय- वस्तु	पृष्ठ क्रमांक
1.	परियोजना का परिचय	03
2.	परियोजना का दृष्टिकोण	03
3.	परियोजना के उददेश्य	03-04
4.	सहयोगी संगठनो की भूमिका तथा कार्य	04
5.	केस स्टेटस	05-08
6.	विशेष जागरूकता कार्यक्रम / इवेन्ट	09-34
7.	बेटी बचाओं- बेटी पढाओं अभियान	35-39
8.	चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम	40-54
9.	ओपन हाउस प्रोग्राम	55-61
10.	जागरूकता कार्यक्रम	62-63
11.	केस स्टडी	64-70
12.	लाभान्वित बच्चों की सूची	70-78

परियोजना का परिचय:-

- *आई.पी.एस के माध्यम से महिला बाल विकास ने 11 वीं योजना में बाल संरक्षण के लिए एक विस्तृत और व्यापक रूपरेखा तथा बच्चो के लिए सशक्त संरक्षात्क परिवेश के सृजन हेतु एक नींव स्थापित करने की संकल्पना की है। भारत के प्रत्येक बच्चे को एक स्नेह करने वाले और पालन पोषण करने वाले परिवार की देखरेख पाने का, प्रतिष्ठा के साथ रहने का एवं बपने परिवार से अलग करने, हिंसा,दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण से संरक्षण पाने का अधिकार है।*
- *आई.पी.एस. द्वारा अनेक मौजूदा बाल संरक्षण कार्यक्रमों को एक साथ लाया गया है और कई नई पहल की गई है। जिसके अंतर्गत चाइल्डलाइन के माध्यम से आपातकालीन पहुंच सेवा स्थापित की है।*
-

1. चाइल्डलाइन के माध्यम से आपातकालीन पहुंच सेवा–

चाइल्डलाइन देखरेख और संरक्षण की जरूरत वाले बच्चो के लिए एक 24घंटे 7सातो दिन आपातकालीन राष्ट्रीय फोन/पहुंच सेवा हैं जो उन्हें आपतकालीन और दीर्घ अवधि देखरेख तथा पुनर्वास सेवाओ से जोड़ती है। कठिन परिस्थिति मे रहने वाला कोई भी बच्चा या उसकी और से कोई वयस्क इस सेवा तक 1098 डायल करके पहुंच सकता है।

भारतीय सरकार द्वारा 1999 मे इस सेवा को स्थापित किया गया था और वर्तमान मे यह देश के 281 शहरो तथा मध्य प्रदेश के 27 शहरो मे प्रचालनरत है। देख के सभी भागो मे बच्चो एक संरक्षात्मक परिवेश प्रदान करने के लिए आईसीपीएस मे सभी जिलों /शहरो तक चाइल्डलाइन सेवा के विस्तार की कल्पना की गई है। शहर के स्तर पर चाइल्डलाइन कार्यक्रम मे शहर स्तरीय सलाहकार बोर्ड एक नोडल संगठन एक सहयोगी संगठन शामिल होगा। चाइल्डलाइन की स्थापना जून 1996 मे हुई थी, जिसमें महिला एवं बालविकास, भारतीय सरकार, दूरभाष विभागो, स्थानीय युवा समूहो, अशाकीय संगठनो, निगमो तथा संगद्ध व्यक्तियों की सामूहिक व सक्रीय भागीदारी के माध्यम से बच्चो को सुरक्षित वातावरण प्रादन करने हेतु नेटवर्क तैयार किया जाता हे। चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन नोडल संस्था है जिसके माध्यम से देश के समस्त चाईल्डलाइन का संचालन किया जाता है।

परियोजना का द्रष्टिकोण(Vision)

“एक बाल हितेषी राष्ट्र जो सभी बच्चो के अधिकार और संरक्षण की गारंटी देता हो। ”

परियोजना के उद्देश्य

चाइल्डलाइन 0–18 वर्ष के बालक/बालिकाओं के देखरेख व संरक्षण हेतु कार्यरत निःशुल्क आपतकालीन दूरभाष तथा आउटरीच सेवा है। जिसके अंतर्गत आवश्यकतानुसार दीर्घकालीन सेवा भी प्रदान की जाती है चाइल्डलाइन 1098 पर कोई भी बालक अथवा संबंधित व्यस्क 24 घंटे (दिन या रात) कभी भी संपर्क कर सकता हैं। बालक/बालिकाओं के लिए सुरक्षित नेटवर्क का निर्माण कर सहज पहुॅच बनाना चाइल्डलाइन का प्रमुख उद्देश्य है। इसके अतिरिक्त भी कई उद्देश्य है जो निम्न है।

- *प्रत्येक 0 से 18 वर्ष के जरूरतमंद बच्चो की मदद करना।*
- *यदि कोई बच्चा बीमार हो अकेला हो तो उसकी सहायता करना।*
- *किसी बच्चे को आश्रय की जरूरत हो तो उसकी सहायता करना।*
- *कोई बच्चा छोड़ दिया गया हो या गुम हो गया हो तो उसकी सहायता करना।*
- *किसी बच्चे का शोषण हो रहा हो तो उसकी सहायता करना।*
- *14 वर्ष से आधिक उम्र के बच्चो से काम करवा कर बच्चे को मजदूरी नहीं दी गई हो तो उसकी सहायता करना।*
- *रास्ते पर किसी बच्चे का उत्पीड़न हो रहा हो तो उसकी सहायता करना।*

सहयोगी संगठन की भूमिका तथा कार्य:- (Collaborative Organization)

- *राष्ट्रीय टोल फ्री नम्बर 1098 पर आने वाली कॉलो का उत्तर देना और देखभाल और सरंक्षण की दृष्टि से जरूरतमंद बच्चों के लिए बचाव और आपातकालीन सेवा का प्रावधान करना।*
- *60 मिनट के अंदर बच्चें की मदद के लिये पहुंच बनाना।*
- *संबद्ध स्थानीय विभाग जैसे पुलिस, प्रशासन, श्रम, स्वास्थ्य रेलवे आदि की सहायता से बचाव तथा अन्य आउटरीच सेवाओ का समन्वय करना।*
- *देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए बच्चों को बाल कल्याण समिति (सीडब्लूसी) के समक्ष पेश करना।*
- *चाइल्ड हेल्पलाइन चाइल्डलाइनलाइन नम्बर 1098 के बारे मे जागरूकता फैलाना।*
- *उन उच्च जोखिम क्षेत्रो का पता लगाने के लिए शहर मानचित्रण जहां असुरक्षित बच्चे मिलते है।*
- *दैनिक आधार पर हस्तक्षेप तथा मामला अनुवर्तन*
- *दैनिक आधार पर समुदाय मे आउटरीच तथा जागरूकता*
- *नोडल संगठन को मासिक रिपोट का प्रस्तुतीकरण*
- *दैनिक आधार पर केसो के नियमित फॉलोअप देना।*

केस स्टेटस

- वर्ष अप्रेल 2017 से मार्च 2018 मे कुल केसों की संख्या 404 है जिसमे मेडीकल के कुल - 146 केस, स्पोंसरशिप के कुल - 153 केस, प्रोटेक्शन फ्रॉम अव्यूस के कुल - 22 केस, (चाइल्ड मेरिज - 03 केस, चाइल्ड बेगरी- 13 केस, फिजीकल व मेन्टल अव्यूस - 06 केस) शेल्टर के कुल - 52 केस, मिसिंग के कुल - 23 केस, डिड नोट फाइन्ड के कुल - 8 केस रजिस्टर हुये है।

  जिसे नीचे चार्ट मे स्पष्ट किया गया है।

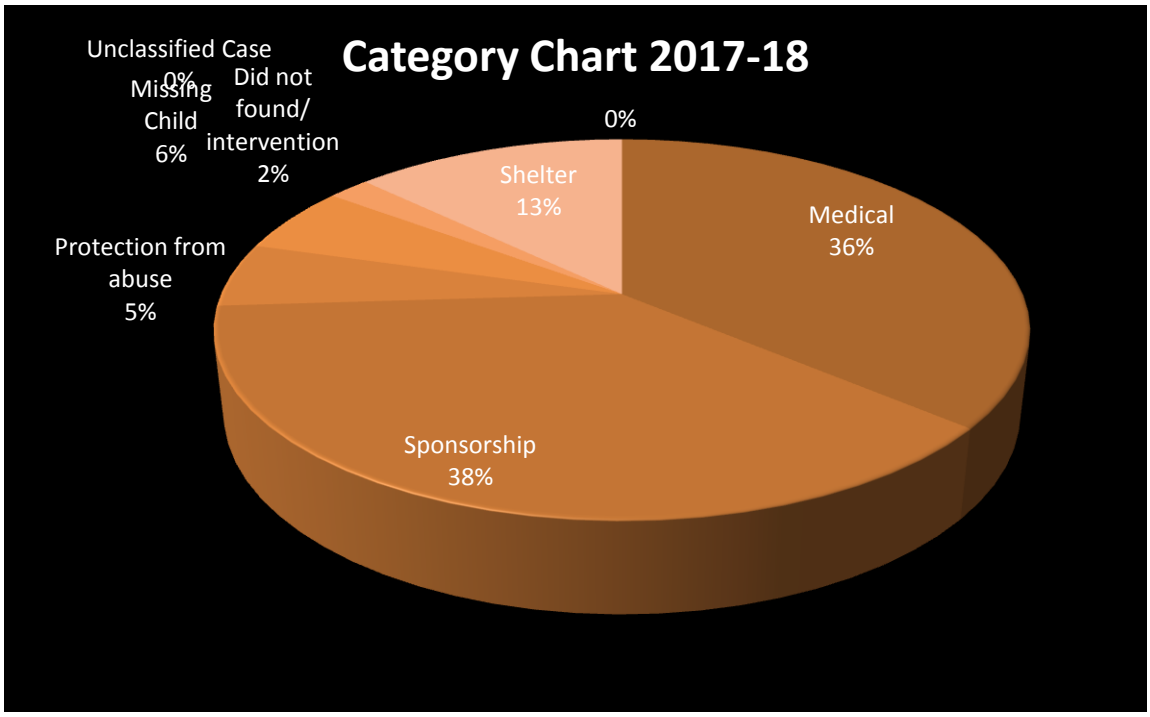

- वर्ष अप्रेल 2017 से मार्च 2018 मे कुल 404 केस दर्ज हुए है जिसमे अप्रेल माह मे- 33 केस, मई माह मे - 23 केस, जून माह मे- 31 केस, जुलाई माह मे- 40 केस, अगस्त माह मे- 36 केस, सितम्बर माह मे- 31 केस, अक्टूबर माह में- 36 केस, नवम्बर माह में- 39 केस, दिसम्बर माह मे- 31 केस, जनवरी माह मे- 32 केस, फरवरी माह मे - 34 केस, मार्च माह मे - 38 केस रजिस्टर हुए है।

  जिसे नीचे दिये चार्ट मे स्पष्ट किया गया है।

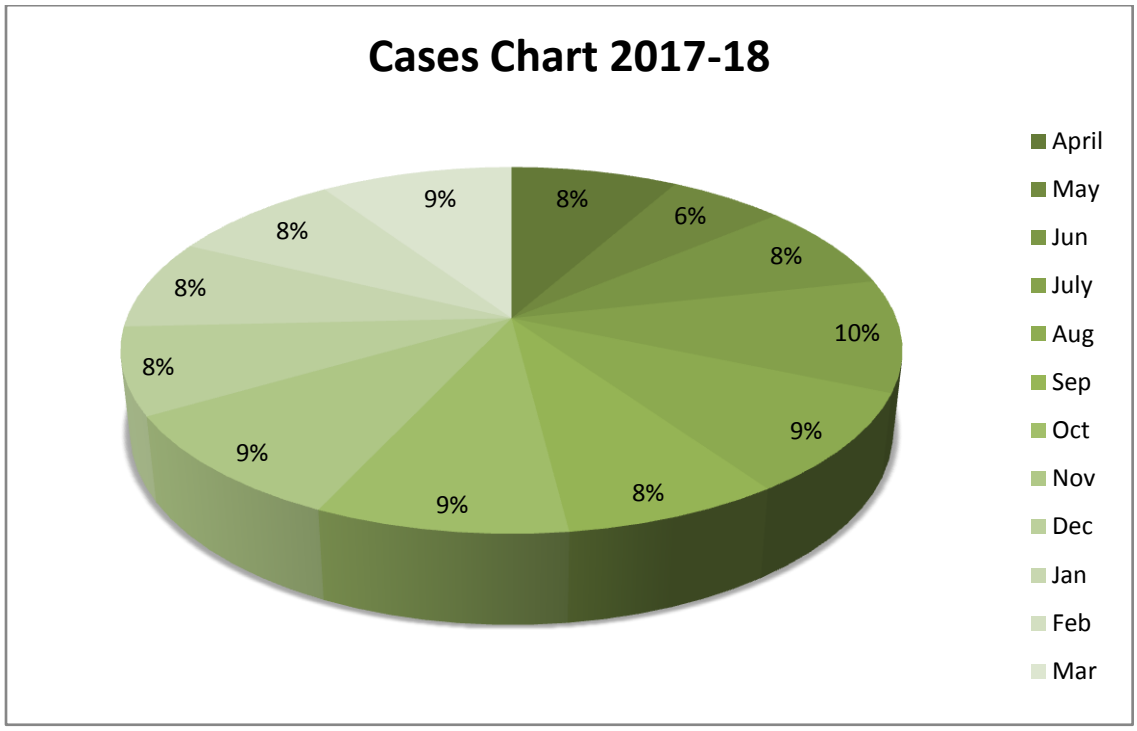

वार्षिक केस का विवरण महिने के अनुसार

- *वर्ष 2017-2018 में कई विभिन्न केटेगरी के कुल - 404 केस दर्ज हुए है। अतः प्रत्येक महिने मे किन-किन केटेगरी के केस दर्ज हुये वह नीचे दिये गये चार्ट के अनुसार स्पष्ट किया गया है।*

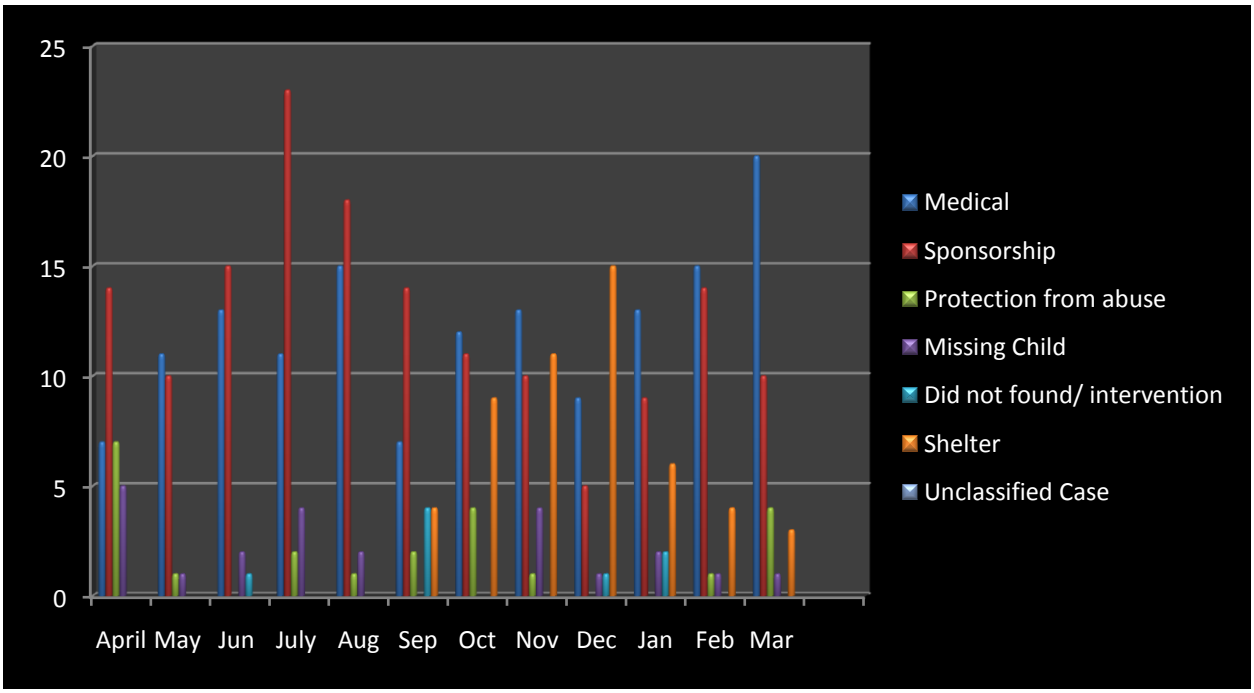

केसफॉलो-अप

- *वर्ष 2017-2018 मे टीम सदस्यो द्वारा 12 महिने मे **Childline Contact Center (CCC)** को कुल 984 केसो के फॉलो-अप दिये गये अतः कौन से महिने मे कितने प्रतिशत फॉलो-अप दिय गये वह नीचे दी गई चार्ट के अनुसार स्पष्ट है।*

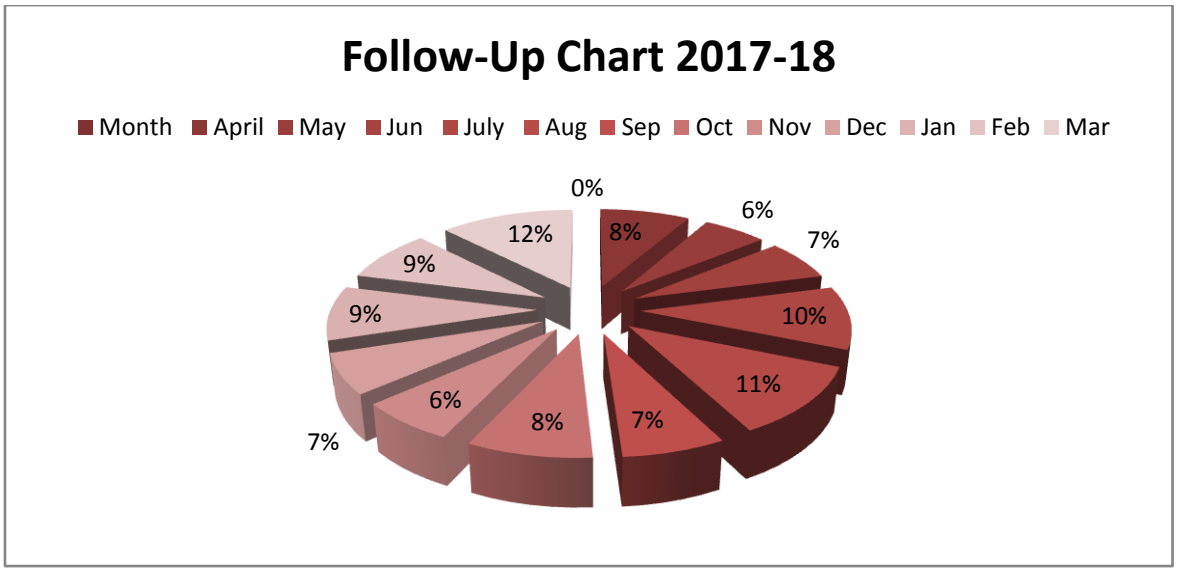

फोनटेस्टिंग

- *वर्ष 2017-2018 मे टीम सदस्यों द्वारा कुल 1795 फोन टेस्टिंग की गई अतः कौन से महिने मे कितने फॉलो-अप दिये गये वह नीचे दी गई सारणी के अनुसार स्पष्ट है।*

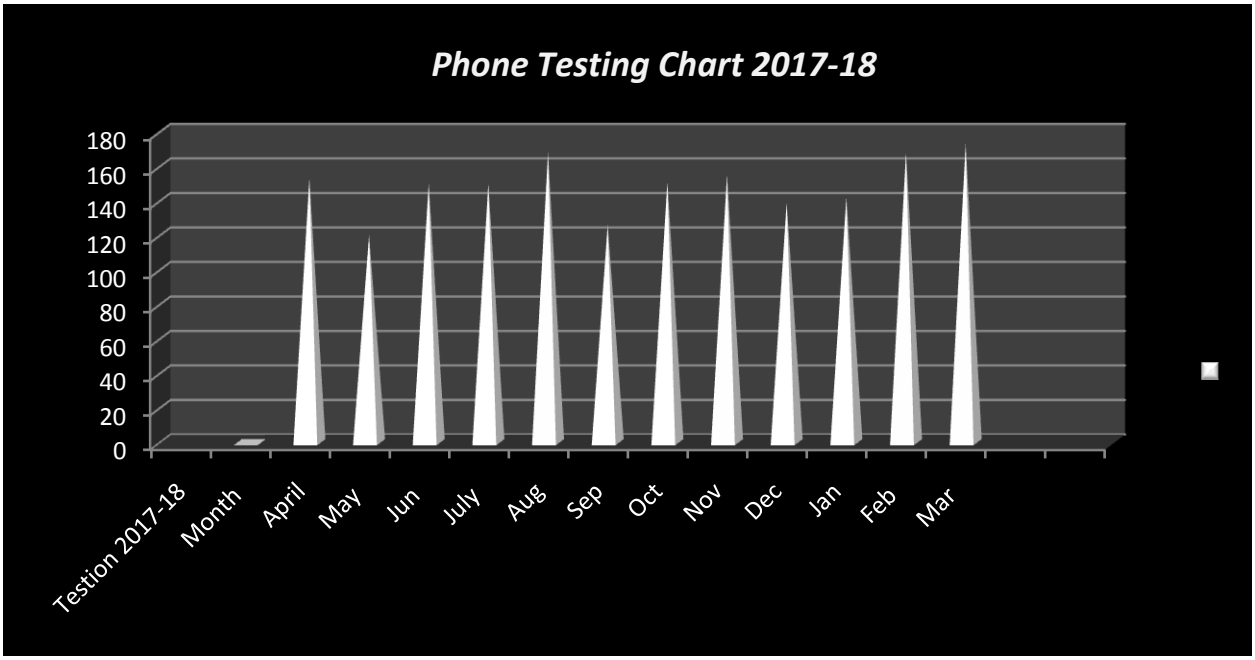

चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों और वयस्को के साथ आउटरीच

- *चाइल्डलाइन टीम द्वारा वर्ष 2017-18 मे चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा की गयी कुल आउटरीच की संख्या 1030 है जिसमे इन्डीविजुअल आउटरीच की संख्या- 910, स्मॉल ग्रुप आउटरीच की संख्या- 69, ग्रुप आउटरीच की संख्या- 22, नाइट आउटरीच की संख्या- 29 है, जो नीचे दिये चार्ट मे स्पष्ट है।*

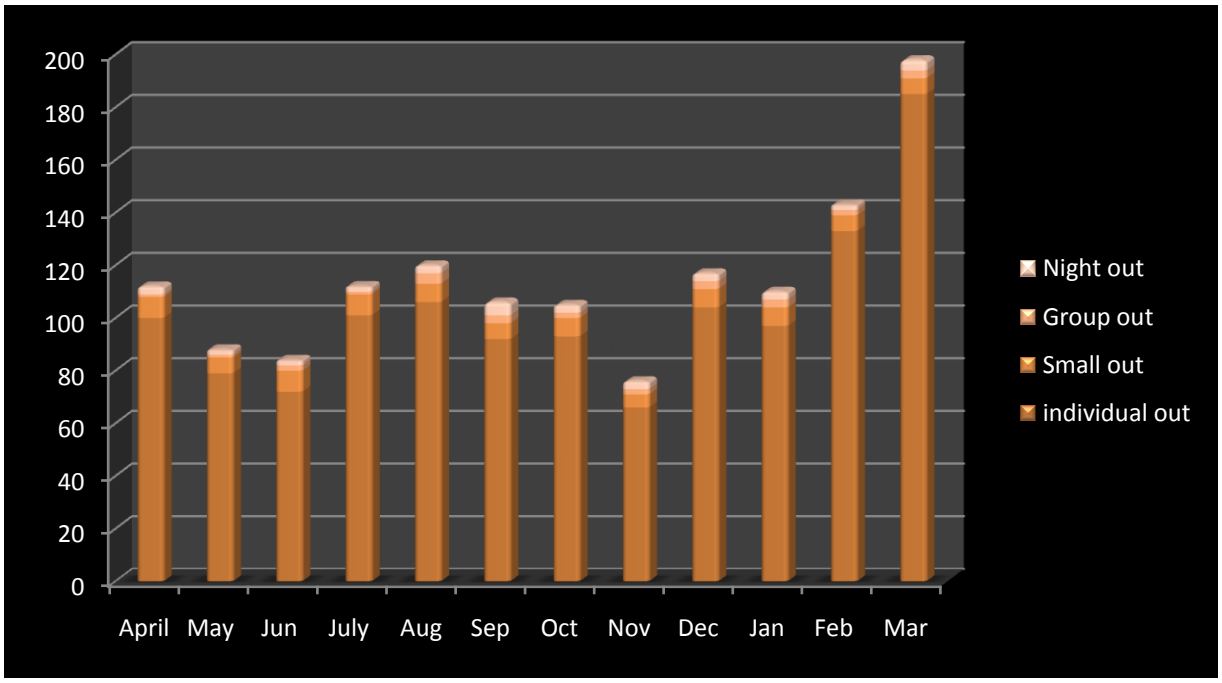

जागरूकता कार्यक्रम

- *चाइल्डलाइन टीम द्वारा जिले के गांवो, आदिवासी बस्तियो, स्कूलो, छात्रावासो, धार्मिक स्थल व शहर के सर्वजनिक स्थनो परखेल-खेल, प्रदर्शिदनी, हस्ताक्षर अभियान, रेली, बाल फिल्म, पेन्टींग व सामान्यज्ञान प्रतियोगिताओ के माध्यम से भी कई अवेयरनेस प्रोग्राम किये गये है।*
- *इस दौरान बच्चो व लोगो को चाइल्डलाइन 1098, बच्चो के अधिकारों, उनकी सुरक्षा, बाल योन शोषण, अच्छे-बुरे स्पर्श, बाल विवाह, बाल मजदूरी, भिक्षावृत्ति व योजनाओ के बारे मे जानकारी दी गयी है।*

- *अवेयरनेस प्रोग्राम (मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाएं)*

दिनांक- 29/04/2017

स्थान - टीन सेट, बाईपास रोड श्योपुर

दिनांक 29/04/2017 को चाइल्डलाइन टीम द्वारा अक्षयतृतीय के दिन विवाह सम्मेलन मे अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसका उददेश्य सम्मेलन मे उपस्थित लोगो को बाल विवाह न करने के बारे मे समझाना व चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देना था।

कार्यक्रम मे क्षेत्र के विधायक श्री दुर्गालाल विजय, नगरपालिका अध्यक्ष श्री दौलतराम गुप्ता, जिला कलेक्टर श्री अभिजीत अग्रवाल, एस.पी. साकेत पाण्डे, एडिशनल एस.पी. श्री मति सुमन गुर्जर, महिला एवं बाल विकास अधिकारी रतन सिंह गुंडिया, महिला सशक्तिकरण अधिकारी रिशु सुमन, थाना प्रभारी स्वदेश समन तथा नागरिक व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर श्री अभिजीत अग्रवाल के साथ सम्मेलन मे बच्चो की मदद करते चाइल्डलाइन टीम सदस्य

कार्यक्रम के प्रारंभ मे चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा बच्चो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी दी गयी उन्होने बताया कि चाइल्डलाइन 24 घंटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है, जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

इसके बाद कार्यक्रम मे टीम सदस्यो द्वारा उपस्थित लोगो को बाल विवाह से होने वाली हानियो के बारे मे जानकारी दी गयी, सम्मेलन मे शासकीय कार्यो मे भी मदद की गयी।

विवाह सम्मेलन मे उपस्थित लोगो को चाइल्डलाइन व बाल विवाह के बारे मे जानकारी देते हुए

बाल विवाह के बारे मे- टीम सदस्यो द्वारा बाल विवाह के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि यदि 18 वर्ष से कम्र उम्र की लडकी व 21 वर्ष से कम उम्र के लडके का विवाह किया जाता है तो वह विवाह बाल विवाह की श्रेणी मे आता है। बाल विवाह एक अपराध है। बाल विवाह करने वाले व उसका सहयोग करने वाले व्यक्ति को 2साल की सजा 1 लाख रूपये जुर्माना हो सकता है। इसके साथ ही उन्हे बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे मे जानकारी दी गयी तथा बताया कि यदि आपको बाल

विवाह की जानकारी मिले तो आप इसकी सूचना चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस प्रकार की सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाता है।

इसके अलावा उपस्थित लोगो को बताया गया कि- यदि किसी बच्चे के जबरदस्ती मजदूरी करवायी जा रही हो या किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा आनाथ व बेसहारा हो, या कोई बच्चा गुम हो गया हो, या कोई बच्चा कुपोषित हो, या किसी बच्चे के साथ कोई दुर्घटना हो गयी हो, या किसी बच्चे को स्कूल मे मारा पीटा गया हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकरी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुच जाती है।

इसी के साथ ही चाइल्डलाइन टीम पुलिस के साथ मिलकर लापता हुए बच्चो की मदद की गयी व उनको सुरक्षित परिवार तक पहुचाया गया।

- अवेयरनेस प्रोग्राम- समरकेम्प

दिनांक- 20/05/2017
स्थान - पी.जी कॉलेज श्योपुर

दिनांक 20/05/2017 को चाइल्डलाइन श्योपुर टीम ने खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित बच्चो के समर कैम्प मे उपस्थित खिलाडियो के साथ अवेयरनेस प्रोगाम किया गया। जिसका उददेश्य सभी को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकरी देना तथा मुसीबत के समय स्वयं की व अन्य जरूरत मंद बच्चो की मदद करने के बारे मे समझाना था।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा ने उपस्थित खिलाडियो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए - बताया कि चाइल्डलाइन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक परियोजना है जो कि 0 से 18वर्ष के बच्चो की मदद के लिये है।

समरकेम्प के दौरान बच्चो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते टीम समन्वयक

यदि कोई बच्चा लापता हो जाये, या कोई बच्चा अनाथ व अकेला हो, या यदि किसी बच्चे के साथ मार-पीट की गयी हो अथवा किसी बच्चे को स्कूल में फीस के लिये बार-बार परेशान किया जाता हो या किसी बालिकाओ के साथ स्कूल, कोचिंग, रास्ते पर किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार किया जाता हो अथवा रास्ते मे किसी बच्चे के साथ किसी प्रकार की दुर्घटना हो जाये तो आप बच्चे की मदद के लिये चाइल्डलाइन पर इस बात की जानकारी दे सकते है। सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर हमारी टीम उस बच्चे की मदद के लिये पहुंच जाती है।

योन शोषण के बारे- चाइल्डलाइन टीम द्वारा उस्थित बालिकाओ को बाल योन शोषण के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि यदि आपके साथ घर, स्कूल, कोचिंग मे किसी प्रकार का अभद्र व्यवहार किया जाता है तो आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर दे सकती है। चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस प्रकार के केसो मे बालिका का नाम गोपनीय रखा जाता है तथा इस प्रकार के प्रकरणों मे महिला टीम सदस्य द्वारा ही कार्यवाही की जाती है।

समरकेंप के दौरान चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों को खेल- खिलायें गयें

बाल मजदूरी-टीम सदस्यो द्वारा बच्चो को बाल मजदूरी के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि यदि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चो से काम करवाया जाता है तो वह बाल मजदूरी के अन्तर्गत आता है। बाल मजदूरी एक अपराध है एसा करने वाले व्यक्ति को 6माह से 2साल तक की सजा या 20,000 से 50,000रूपये तक का जुर्माना हो सकता है। यदि आपके आस-पास बालक से मजदूरी करवाई जा रही हो या किसी बालक से जबर्दस्ती काम करवाया जा रहा हो या उसे मजदूरी के पैसे नही दिये जा रहे हो तो आप उस बालक की मदद के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर इसकी जानकारी दे सकते है। हमारे द्वारा इस प्रकार की सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाता है।

1098 नम्बर का उपयोग-इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा बच्चो को 1098 नम्बर का उपयोग करना सिखाया गया तथ बताया कि यदि आप मुसीबत मे हों व आपके पास मोबइल नही हो तो आप किसी अन्य व्यक्ति से भी मोबाइल लेकर 1098 नम्बर पर अपने स्थान व समस्याओं की जानकारी दे सकते हैं। इस नम्बर का उपयोग पूरे देश मे 24घंटे किसी भी शहर या स्थान से किया जा सकता है इसी के साथ बताया गया कि वे किस प्रकार स्वयं की या अन्य जरुरत मंद बच्चो की मदद कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अन्त में चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा बच्चों से उनकी समस्याओ के बारे मे जानकारी ली गयी तथा बताया गया कि भविष्य मे किसी प्रकार की समस्या होने पर आप चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर इसकी जानकारी अवश्य दे।

श्योपुर जागरण — 14 — दैनिक जागरण — ग्वालियर, 21 मई 201

श्योपुर : खिलाड़ियों को जानकारी देते चाइल्डलाइन टीम के कार्यकर्ता।

समर कैम्प में चाइल्डलाइन की टीम ने दी खिलाड़ियों को जानकारी

श्योपुर ब्यूरो : चाइल्डलाइन की टीम ने खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित बच्चों के समर कैम्प मे सभी टीम के खिलाड़ियों को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए- बच्चों को सिखाया कि चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर की मदद से किस प्रकार से वह स्वयं की व अन्य मुसीबत में फंसे व जरूरत मंद की मदद कर सकते है। चाइल्डलाइन टीम की टीम ने उपस्थित बच्चों को बताया गया कि आप स्वयं के गुम होने पर चाइल्डलाइन की मदद से किस प्रकार से सुरक्षित घर पहुंच सकते है। यदि आपको स्कूल मे मार-पीट जाता है या फीस के लिये बार-बार परेशान किया जाता है या बालिकाओं के साथ स्कूल, कोचिंग, रास्ते पर किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार होता है या रास्ते मे आपके साथ किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर किस तरह से चाइल्डलाइन की मदद ली जा सकती है, के बारे मे समझाया गया। इस दौरान चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा, टीम सदस्य मनोज कुमार सोनी, गौरव आचार्य, सलमा खान, खेल युवा कल्याण विभाग से आशीष दुबे, जितेन्द्र अग्रवाल, बृजेश राठौर उपस्थित रहे।

ग्वालियर . रविवार 21.05.2017 — sunday — श्योपुरपत्रिका — 14 — पत्रिका patrika.com

चाइल्ड लाइन ने समर कैंप में बांटे पर्चे

समर कैंप में बच्चों को चाइल्ड लाइन ने बांटे पर्चे

श्योपुर. खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे समर कैंप में शनिवार को चाइल्ड लाइन की टीम पहुंची और खिलाड़ियों को चाइल्ड लाइन के बारे में जानकारी दी। टीम के सदस्यों ने अलग-अलग कैंपस में पहुंचकर बच्चों को चाइल्ड लाइन की हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में बताया कि किस प्रकार इस नंबर पर कॉल कर बच्चों की मदद लिए टीम बुलाई जा सकती है। इसके साथ ही टीम के सदस्यों ने बच्चों को पर्चे भी बांटे।

- *विश्व बाल श्रम निषेध दिवस कार्यक्रम-*

प्रदर्शनी एवंहस्ताक्षर अभियान।

दिनांक- 12/05/2017

स्थान- दीनदयाल बस स्टेंड, श्योपुर

बाल संरक्षण की दिशा मे कार्य कर रही महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर द्वारा विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर श्योपुर दीनदयाल बस स्टेण्ड पर बाल श्रम के बारे मे जानकारी देते वाली चित्र प्रदर्शनी लगाई गयी तथा बालश्रम के खिलाफ आवाज उठाने के लिये लोगो को हस्ताक्षर अभियान के द्वारा प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ मे महात्मा गांधी आश्रम के प्रबंधक व चाइल्डलाइन के डायरेक्टर जयसिंह जादोन ने वहां उपस्थित उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए बताया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चो से काम करवाना अपराध है।

बाल श्रम एक गभीरअपराध है एसा करने वाले व्यक्ति को सजा व जुर्माने का प्रावधान है। यदि इसके खिलाफ हम जागरूक हो जाये तो देश से बालश्रम जैसी बुराई को मिटाया जा सकता है। यदि इस प्रकार का प्रकरण आपको दिखाई दे तो आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर दै।

मजदूरो संग को चाइल्डलाइन व बाल मजदूरी के बारे मे जागरूक करते हुए

बाल श्रम को रोकने के लिये – हस्ताक्षर अभियान

यदि किसी 14 वर्ष से कम उम्र के बालक से बाल के मजदूरी करवायी जा रही हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप चाइल्डलाइन के 1098 पर जानकारी दे सकते है। हमारे द्वारा इस प्रकार की सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाता है।

इसी क्रम मे चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बताया कि चाइल्डलाइन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एक परियोजना है। जिसे श्योपुर जिले मे महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित किया जाता है। चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर के बारे मे लोगो को जानकारी देते हुए कहा कि यह एक टोल फ्री सेवा है। जो मोबाइल मे बैलेंस न होने पर भी लगेगा क्यो कि यह अपात कालीन सेवा है। 0 से 18 वर्ष के बच्चो के उपर किसी भी तरह का अन्याय, शोषण या अपराध होने पर या बच्चो को संरक्षण की आवश्कता होने पर आप चाइल्डलाइन के 1098 पर फोन कर मदद ले सकते है। हमारी टीम आपात कालीन प्रकरणो की सूचना मिलने पर 60 मिनिट के अन्दर उस की मदद के लिये पहुच जाती है।

चाइल्डलाइन के हस्ताक्षर अभियान मे भाग लेते मजदूर संग व बच्चे

हस्ताक्षर अभियान –इसके बादचाइल्डलाइन टीम द्वारा बाल मजदूरी के खिलाफ चलाये जा रहे हस्ताक्षर अभियान के अन्तर्गत लोगो से हस्ताक्षर करवाये गये।

• अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस- कार्यक्रम

दिनांक-21/05/2017
स्थान- महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जिला- श्योपुर

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उददेश्य उपस्थित लोगों व बच्चों को चाइल्डलाइन से जोडना व लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इस कार्यक्रम मे मानव अधिकार आयोग के जिला संयोजक श्री कैलाश पाराशर, नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयक विनोद चतुर्वेदी, शहर के योग गुरू ओमप्रकाश टकसाली बेटी पढाओ के टीम सदस्य, क्षेत्र के महिला, पुरूष व बच्चो ने भाग लिया।

सर्वप्रथम चाइल्डलाइन के डायरेक्टर जयसिंह जादौन द्वारा उपस्थित लोगों को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि चाइल्डलाइन बच्चों की मदद के लिये- 24 घंटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है, जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

यदि किसी बच्चे से जबर्दस्ती मजदूरी करवायी जा रही हो या बाल विवाह किया जा रहा हो या किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा आनाथ व बेसहारा हो, या कोई बच्चा गुम हो गया हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे।

इस कार्यक्रम मे उपस्थित चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा बताया गया कि चाइल्डलाइन 0 से 18 वर्ष के बच्चो की मदद के लिये महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एक परियोजना है।

योग के बारे लाभ के बारे मे जानकारी देते हुए

उन्होने कहा कि यदि कोई बच्चा अकेला व बीमार हो, किसी बच्चे से मजदूरी करवाई जा रही है, या बालविवाह सम्पन्न हो रहा हो, कोई बालक कुपोषित हो या किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस की सूचना चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर दे सकते है।

उन्होने आगे बताया कि चाइल्डलाइन टीम द्वारा कई लापता बच्चो को सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाया गया है। कई भीख मांगने वाले बच्चो व उनके माता पिता की काउन्सलिंग करके उन बच्चो का भीख मांगना बन्द करवाया है। कई कुपोषित बच्चो को एन.आर.सी. मे भर्ती करवाया गया है।, कई बच्चो के एडमिशन करवाये हैतथा जरूरत मंद बच्चो को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ से जुडवाया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग का अभ्यास करते हुए

शहर की योग समिति के सदस्य डॉ ओमप्रकाश टकसाली द्वारा वहा उपस्थित लोगो को कई योग आसन जैसे ताड आसन, सर्प आसन, वृक्ष आसन, सिंह आसन, अनलोम विलोम आसन आदि करवाया गये।

इसके साथ ही कई और योग आसनो के बारे मे जानकारी देते हुए उनसे होने वाले लाभ के बारे मे भी जानकारिया दी गयी।

- शिक्षा व बाल विवाह के बारे मे जगरूकता कार्यक्रम

दिनांक- 11/07/2017

स्थान- दलारना जिला- श्योपुर

दिनांक 11/07/2017 को चाइल्डलाइन टीम द्वारा गांव दलारना मे आंगनवाडी केन्द्र पर एक अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमे गांव के गरीब आदिवासी समुदाय की महिलाओं व बच्चों आंगनवाडी कार्यकर्ता उपस्थित रही कार्यक्रम का उददेश्य ग्रामीणों को चाइल्डलाइन व शिक्षा के अधिकार के बारे मे जागरूक करना, व बालविवाह न करने के बारे मे समझाना था।

सर्वप्रथम चाइल्डलाइन टीम सदस्य सलमा खान द्वारा क्षेत्र की महिलाओं एवं बच्चों को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि यह महिला बाल विकास की एक परियोजना है जो 0 से18 वर्ष तक के बच्चों की मदद के लिये है।

गांव की महिलाओ को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए -टीम सदस्य

उन्होने बताया कि यदि कोई बच्चा लापता हो जाये या कोई बालक अनाथ हो, या किसी बालिक बालिका का शोषण किया गया हो, किसी बच्चे से जबर्दस्ती बाल मजदूरी करवाई जा रही हो, बाल विवाह किया जा रहा हो, या किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा कुपोषित हो या किसी बच्चे को स्कूल मे परेशान किया जा रहा हो तो उस बच्चो की मदद के लिये आप चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर इसकी जानकारी दे सकते है। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुंच जाती है।

बाल विवाह व बालिका शिक्षा के बारे मे जागरूक करते हुए – चाइल्डलाइन टीम

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम सदस्य सुमनलता श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित लोगो को टीम द्वारा किये गये कार्य के बारे मे जानकारी दी गयी। बताया गया कि हमारे द्वारा कई लापता मिले बच्चो को उनके परिवार के बारे मे पता करके सुरक्षित घर पहुचाया गया है। कई भीख मांगने वाले बच्चो की व उनके माता पिता की काउन्सलिंग करके उन बच्चो का भीख मांगना बन्द करवाया है। कई बच्चो का स्कूल व कॉलेज मे एडमिशन करवाया गया है, कई कुपोषित बच्चो को एन.आर.सी मे भर्ती करवाया गया है। बाल विवाह की सूचना मिलने पर उचित कार्यवाही करते हुए बाल विवाह को रूकवाया है।

यदि आपके गांव मे कोई जारूरत मंद बालक हो तो आप उस बच्चे की मदद के लिये चाइल्डलाइन पर सूचना आवश्य दे।

बाल विवाह – चाइल्डलाइन टीम सदस्य राजेश मीणा द्वारा उपस्थित लोगो को बाल विवाह के बारे मे जानकारी देते हुए बताया नियम के अनुसार लडके का विवाह 21वर्ष की उम्र के बाद व लडकी का विवाह 18 वर्ष की उम्र के बाद की करवाये यदि इससे कम उम्र मे विवाह किया जाता है तो वह बाल विवाह की श्रेणी मे आता है जो कि एक अपराध है एसा करने वाले या उसकी मदद करने वाले व्यक्ति को इसके लिये 2 साल की सजा या एक लाख रूपये तक का जुर्माना हो सकता है।

यदि आपके गांव मे बाल विवाह किया जा रहा हो तो आप इस बात की सूचना चाइल्डलाइन 1098 नम्बर पर दे सकते है। चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस प्रकार की सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाता है।

1 बालक व 3 बालिकाओ को स्कूल मे भर्ती करवाते हुए – चाइल्डलाइन टीम

शिक्षा के अधिकार के बारे मे – चाइल्डलाइन टीम सदस्य मनोज सोनी द्वारा वहा उपस्थित आदिवासी समूह के लोगो को शिक्षा के आधिकार के बारे मे जानकारी देते हुए शिक्षा के महत्व के बारे मे समझाया गया तथा गांव के सभी बालक व बालिकाओ को स्कूल मे आवश्यक रूप से भर्ती करवाने के बारे मे कहा गया तथा बताया कि बच्चो को स्कूल जरूर भेजे जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो।

चाइल्डलाइन टीम के समझाने पर गांव के लोगो द्वारा चाइल्डलाइन टीम के साथ जाकर बालक व बालिकाओ को स्कूल मे भर्ती करवाया गया।

राज एक्सप्रेस

सच कहने का साहस और सलीका

ग्वालियर

www.rajexpress.in

चाइल्ड लाइन ने स्कूल में भर्ती करवाए चार बच्चे

मध्य स्वदेश

www.swadeshnews.in

बच्चों को स्कूल लेकर पहुंची चाइल्ड लाइन, कराया भर्ती

• स्वतंत्रता दिवस - कार्यक्रम

दिनांक- 15.08.2017

स्थान- गांधी पार्क एवं वीर सावरकर स्टेडियम, श्योपुर, गांव- मयापुर व दलारना।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चाइल्डलाइन टीम द्वारा शहर के मुख्य मार्गो, स्थानो स्टेडियम व गांव मे अवेरनेस प्रोग्राम किया गया जिसमे चाइल्डलाइन टीम द्वारा नगरपालिका अध्यक्ष, विधायक, कई वार्ड मेम्बर, कई सामाजिक संस्थाओ के सदस्य, शहर के माननीय नागरिकगणो, पुलिस कर्मियो, स्कूल टीचर, आंगनवाडी कार्यकताओ व स्कूल के बच्चो को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी दी गयी।

सर्वप्रथम कार्यक्रम मे चाइल्डलाइन टीम एवं नागरिक गणो द्वारा गांधी पार्क से एक रेली का आयोजन किया गया जो कि शहर के मुख्य मार्गो- मेनमार्केट, बोहरा बाजार, क्षारबाग, ब्राहमण पाडा, इमामबाडा, भोई मोहल्ला, टोडी बाजार, खरादी बाजार से होती हुई पुनः गांधी पार्क तक पहुंची, इस रैली मे चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा रैली के दौरान मिलने वाले लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए, चाइल्डलाइन के पर्चे बाटे गये।

ध्वजा रोहण कार्यक्रम-चाइल्डलाइन टीम द्वारा शहर के मुख्य स्थल गांधी पार्क मे ध्वजा रोहण कार्यक्रम मे भाग लिया जहा शहर के विधायक श्री दुर्गालाल विजयवर्गीय द्वारा ध्वजा रोहण कर अपने विचार प्रकाट किये गये।

ध्वजा रोहण कार्यक्रम - गांधी पार्क व महात्मा गांधी सेवा आश्रम, श्योपुर

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा महात्मा गांधी सेवा आश्रम मे आयोजित ध्वजा रोहण कार्यक्रम मे भाग लिया गया। जिसमे मुख्य अतिथि रहे मानव अधिकार आयोग के जिला संयोजक कैलाश पाराशर द्वारा ध्वजा रोहण किया गया, इसके बाद चाइल्डलाइन डायरेक्टर व कैलाश पाराशर द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर अपने विचार प्रकट किये गये।

चाइल्डलाइन टीम द्वारा गांव के बच्चों के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम –

बालिका शिक्षा व चाइल्डलाइन के बारे मे जागरुता रैली

शिक्षा के अधिकार के बारे मे जागरुकता कार्यक्रम व रैली –चाइल्डलाइन टीम द्वारा गांव मयापुर के बेटी पढाओ केन्द्र पर बालिकाओ को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए उनको 1098 नम्बर का उपयोग करना सिखाया। इसके साथ ही ग्रामीण जनो को चाइल्डलाइन व शिक्षा के बारे मे जागरुक करने के लिये चाइल्डलाइन टीम द्वाराबालिकाओ के साथ गांव के मार्गो से रैली निकाली गयी।

बाल योन शोषण व कुपोषण के बारे मे जागरुकता कार्यक्रम –चाइल्डलाइन टीम द्वारा गांव दलारना के आंगनवाडी केन्द्र पर गांव के बच्चो व महिलाओ के साथ स्वतंत्रता दिवास के अवसर पर ध्वजा रोहण किया गया। चाइल्डलाइन की महिला टीम सदस्य सुमनलता श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित बालिकाओ व माताओ को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी दी गयी।

गांव दलारना मे बालिकाओ को बाल योनशोषण व गुड-बेड टच के बारे मे जानकारी देते हुए- चाइल्डलाइन टीम एवं सहयोगी सदस्य

महिला टीम सदस्य द्वारा बालिकाओ को बाल योन शोषण के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि यदि आपके साथ कोई अभद्र व्यवहार करता है तो आप इस की सूचना चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर अवश्य दे इस प्रकार के प्रकरण मे महिला टीम सदस्य द्वारा मदद की जाती है। इसके साथ ही बालिकाओ को गुड टच व बेड टच के बारे मे बताया गया।

स्टेडियम प्रोग्राम–स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरानचाइल्डलाइन टीम द्वारावीर सावरकर स्टेडियम मे स्कूल के बच्चों, पुलिस कर्मियो, टीचरों व उपस्थित लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकरी देते हुए बताया कि–

विभिन्न स्कूल के छात्र एवं छात्राओं को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकरी देते हुए – चाइल्डलाइन टीम

चाइल्डलाइन बच्चो की मदद के लिये- 24 घंटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है, जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।
यदि किसी बच्चे से जबरदस्ती मजदूरी करवायी जा रही हो या बाल विवाह किया जा रहा हो या किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा अनाथ व बेसहारा हो, या कोई बच्चा गुम हो गया हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुच जाती है।

चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा बताया गया कि-चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा कई लापता बच्चे, अनाथ बच्चो, भीख मांगने वाले बच्चे, विकलांग बच्चे व कुपोषित बच्चो की मदद की है तथा कई बच्चो को योजना से जुडवाया है।

चाइल्डलाइन टीम समन्वयक द्वारा बालिकाओ को जानकारी देते हुये बताया कि यदि आपके साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार या छेडछाड की जाती हो तो आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर दे। इस प्रकार के केसो मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिका का नाम गोपनीय रखा जाता है व बलिका की मदद महिला टीम सदस्य द्वारा की जाती है।
इसी के साथ स्कूल से सम्बधित परेशानी जैसे स्कूल मे भर्ती करवाना, बच्चो को फीस के लिये परेशान करना या बच्चो के साथ मार-पीट होने पर भी आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर अवश्य दे।

स्वच्छता अभियान-

देश मे चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गांव के लोगो व बच्चो को स्वच्छ भारत आभियान के बारे मे जानकरी देते हुए बताया कि- हमे स्वस्थ रहने के लिये अपने घर, स्कूल, मोहल्ले व शहर मे सफाई रखना चाहिये।

खुले स्थान पर शौच न करते हुए शौचालय मे जाना चाहिये जिससे गंदगी व बीमारियां न फैलें। प्रतिदिन नहाना व ब्रश करना चाहिये तथा नहाने के बाद साफ सुथरे कपडे पहनना चाहिये, जिससे आपका शरीर स्वस्थ रहे। घर के आस-पास कूडा कचरा न फैकंते हुए कचरे को कूडादान मे डालना चाहिये। पीने के पानी कोढक कर रखना चाहिये, खाने से पहले एवं बाद में अच्छे से हाथ धोना चाहिये।

अवेयरनेस प्रोग्राम

(भिक्षावृत्ति, बाल योनशोषण व बाल विवाह के बारे में)

दिनांक- 24.08.2017

स्थान- ककरधा, तहसील- कराहल, जिला-श्योपुर

दिनांक 24.08.2017 को चाइल्डलाइन टीम व महिला सशक्तिकरण विभाग द्वारा गांव ककरधा मे अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसका उददेश्य उपस्थित बच्चों, महिलाओं पुरूषों को बाल विवाह व भिक्षावृत्ति न करने के बारे मे समझाना व बाल योनशोषण व चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी देना था।

कार्यक्रम मे सर्वप्रथम चाइल्डलाइन टीम समन्वयक द्वारा उपस्थित लोगो को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे समझाते हुए बताया कि- चाइल्डलाइन 24घंटे चलने वाली महिला एंव बाल विकास मंत्रालय की परियोजना है जो कि 0 से 18 वर्ष के जरूरत मंद बच्चो की मदद के लिये है।

गांव की महिलाओ को बाल विवाह व बाल योन शोषण के बारे मे जगरूक करते हुए- चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा

यदि किसी कोई बच्चा बीमार व अकेला हो, किसी बच्चे को आश्रय की जरुरत हो, कोई बच्चो गुम हो गया हो या छोड दिया गया हो, बच्चे के जबरदस्ती मजदूरी करवायी जा रही हो, उसका शोषण किया जा रहा हो, या स्कूल से सम्बधित कोई समस्या हो, तो उस बालक व बालिका की मदद के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर सूचना अवश्य दे।

इसी के साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा उपस्थित लोगो को विशेष रूप से बाल विवाह, भिक्षावृत्ति व बाल योन शोषण के बारे मे समझाया गया।

बच्चो को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी देते हुए -चाइल्डलाइन टीम

बाल विवाह के बारे मे -बाल विवाह के बारे मे जानकारी देते हुए समझाया गया कि -बाल विवाह एक अपराध है यदि किसी लडकी का 18 वर्ष से पहले व लडके का 21वर्ष से पहले विवाह किया जाता है तो यह गैर कानूनी माना जाता है। एसा करने वाले व्यक्ति या उस विवाह मे सहयोग करने वाले सभी लोगो को सजा भी हो सकती है। कम उम्र मे विवाह करने पर बालिका के शारीरिक रूप से भी हानि होती है तथा विवाह के उपरान्त होने वाली सन्तान भी पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नही होती है।

इसके बाद टीम सदस्य द्वारा ग्रामिणो को बाल विवाह के विरोद्व मे शपत दिलवयी गयी तथा बाल विवाह की जानकारी मिलने पर इसकी सूचना चाइल्डलाइन के 1098 पर देने को कहा गया तथा बताया गया कि चाइल्डलाइन पर इस प्रकार की सूचना देने वाले का नाम चाइल्डलाइन टीम द्वारा गोपनीय रखा जाता है।

भिक्षावृत्ति के बारे मे समझाते हुए– बताया कि बच्चों से भीख मंगवाना गैर कानूनी है, यदि आपको भीख मांगते हुए बच्चें मिले या फिर कोई भी व्यक्ति बच्चो से भीख मंगवा रहा हो इस बात की जानकारी हो तो आप उस बच्चे की मदद के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर सूचना आवश्य दे।

बच्चों से उनकी समस्याओं के बारे मे जानकारी लेते हुए

*बाल योनशोषण –*इस के साथ ही चाइल्डलाइन की महिला टीम सदस्य सुमनलता श्रीवास्वत द्वारा वहा उपस्थित बालिकाओ व महिलाओ को बाल योन शोषण के बारे मे समझाया गया तथा बालिकाओं को बताया गया कि यदि आपके साथ किसी प्रकार का अभद्र व्यवहार किया जाता है तो आप इसकी सूचना चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर अवश्य दे। हमारे द्वारा बालिका का नाम गोपनीय रखा जाता है।

इसके साथ बालिकाओ को कहानी के माध्यम से अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे मे समझाया गया।

बच्चों को गुड टच व बैड टच का फर्क बताया

भास्कर संवाददाता | कराहल

चाइल्ड लाइन व महिला सशक्तिकरण विभाग द्वारा आदिवासी समुदाय के बालिकाओं व महिलाओं को बाल यौन शोषण से बचाने के लिए शुक्रवार को ग्राम ककरधा में अवेयरनेस कैंप लगाया। जिसमें उपस्थित बालक-बालिकाओं को गुड टच और बैड टच में फर्क बताया।

ककरधा पहुंची चाइल्ड लाइन की टीम ने सहराना बस्ती में अवेयरनेस कैंप लगाया। जिसमें टीम के सदस्यों ने चाइल्ड लाइन के कामकाज की जानकारी दी। टीम के सदस्यों ने बताया कि यदि गांव के किसी बच्चे को मदद की जरूरत हो तो आप इसकी सूचना चाइल्ड लाइन के 1098 नंबर पर दें। चाइल्ड लाइन टीम द्वारा लापता बच्चे, भीख मांगने वाले बच्चे, अनाथ बच्चे,विकलांग बच्चे, कुपोषित व बीमार बच्चों को जरूरी मदद उपलब्ध कराई जाती है। उपस्थित महिलाओं को शिक्षा के अधिकार के बारे में जानकारी दी गई। बच्चियों को प्रतिदिन स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। महिला कार्यकर्ताओं ने उपस्थित बालिकाओं को यौन शोषण के प्रति सचेत करते हुए बताया कि यदि कोई व्यक्ति आपके साथ अभद्र व्यवहार करता है तो इसकी सूचना तुरंत चाइल्ड लाइन को दें। इस दौरान महिला हेल्पलाइन,पुलिस एवं एम्बुलेंस सेवा की जानकारी भी ग्रामीणों को दी। इस अवसर पर चाइल्ड लाइन समन्वयक विप्लव शर्मा,मनोज सोनी, गौरव आचार्य, लक्ष्मी रावत, सत्येंद्र सिंह,सुमनलता के साथ शिक्षक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

• आवेयरनेस प्रोग्राम
(कानून के बारे मे)

दिनांक – 31.08.2017

स्थान– बालिका छात्रावास, तहसील कराहल, जिला– श्योपुर

चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिकाओ को चाइल्डलाइन एवं बाल अधिकारो के बारे मे जानकारी देने के लिये तहसील कराहल, के बालिका छात्रावासों मे बाल कल्याण समिति व महिला सशक्तिकरण विभाग के साथ अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया। जिसमे कराहल तहसील के कई छात्रावासों के वार्डन, शिक्षक, छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे चाइल्डलाइन के टीम सदस्य सुमनलता श्रीवास्तव द्वारा बच्चो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि चाइल्डलाइन 24 घटे चलने वाली मुफ्त आपातआलीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।
इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा किये गये कार्यों के बारे मे जानकारी दी गयी।

बालिकाओं को चाइल्डलाइन व उनके अधिकारों के बारे मे जानकारी देते हुए

बाल अधिकार –

उपस्थित बालिकाओ को बाल अधिकारो के बारे मे जानकारी देते हुए उनको
1.जीने के अधिकार 2.सुरक्षा के अधिकार, 3.विकास का अधिकार, 4. सहभागिता के अधिकार के बारे मे बताया गया।

विशेष सत्र – कानून के बारे मे जानकारी–

अनिवार्य मुफत बाल शिक्षा अधिनियम 2009 – प्राथमिक शिक्षा एक ऐसा आधार है जिस पर देश एवं प्रत्येक नागरिक का विकास निर्भर करता है। भारत में 14 वर्ष तक बच्चो को निशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।
वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित किया गया जिसके अंतर्गत 06 से 14 वर्ष तक के सभी बालक एवं बालिकाओं को निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है।

बच्चों को कानून के बारे मे जानकारी देते हुए– चाइल्डलाइन टीम

बाल श्रम अधिनियम 1986– इस अधिनियम के अन्तर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे से किसी भी प्रकार की मजदूरी नही करवाई जा सकती है। यदि कोई व्यक्ति एसा करता है तो यह अपराध माना जाता है।

जे.जे. एक्ट 1992 – इस अधिनियम के अन्तर्गत अगर कोई बाल चोरी करता हुआ पकडा गया और उसी उम्र 6 वर्ष से कम है हो उस बालक को पुलिस स्टेशन मे बन्द नही किया जा सकता है।

लैगिंक अपराधो से संरक्षण 2012 – चाइल्डलाइन टीम द्वारा लैगिंक अपराधो के संरक्षण एक्ट के बारे मे जानकारी दी गयी तथा बताया कि इस प्रकार के केसो सुनवाई के लिये विशेष न्यायालयो की स्थापना का उपबन्ध किया गया है

जिसमे बालक हित को सर्वोपरि रखा गया है तथा विशेष न्यायालय को एक वर्ष के भीतर, जहां तक संभव हो परीक्षण को पूर्ण करना होगा।

छात्र व छात्राओ को गुड टच व बैड टच के बारे मे जानकारी दी गयी व बताया गया कि यदि आपके साथ किसी प्रकार का अभद्र व्यवहार किया जाये या आपको रास्ते मे परेशान किया जाये या आपके साथ किसी प्रकार की छेडछाड हो तो आप इस बात की जानकारी 1098 पर अवश्य दे, चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस प्रकार के केसो मे बालिकाओ का नाम गोपनीय रखा जाता है।

मैरिज एक्ट 2006- इस अधिनियम के अनुसार विवाह के समय कम से कम लडके की उम्र- 21 वर्ष व लडकी की उम्र- 18 वर्ष होना अवश्यक है यदि इससे कम उम्र विवाह किया जाता है तो व अपराध माना जाता है जिसके लिये विवाह करने वाले तथा उस विवाह मे भाग लेने वाले सभी व्यक्तियो को भी सजा हो सकती है। इस अधिनियम के अनुसार इस प्रकार का अपराध करने वाले व्यक्ति को 2 साल का कारावास और एक लाख रूपय तक अर्थदण्ड दिया जा सकता है।

- अवेयरनेस प्रोग्राम – नशा मुक्ति अभियान

दिनांक – 10/09/2017
स्थान – गांधी पार्क, श्योपुर

दिनांक 10.09.2017 को चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो मे नशे की आदत को रोकने के लिये शहर के मुख्य स्थल मांधी पार्क मे मानव श्रृंखला बनाकर नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। जिसमे शहर के सामाज सेवी व गायत्री परिवार संस्था ने भी सहयोग किया।

कार्यक्रम के दौरान श्योपुर क्षेत्र के पूर्व विधायक सत्यभानु चौहान ने नशे को समाज के लिये खतरा बताते हुए, बच्चो को नशे की आदत से दूर रहने को प्रेरित किया जाये व बच्चो की समय-समय पर काउन्सलिंग करके इस विषय मे उन्हे जागरूक बनाया जाये।

चाइल्डलाइन के डायरेक्टर जयसिंह जादौन द्वारा बताया गया कि बच्चें देश का भविष्य है तथा उनमे नशे की प्रवृत्ति बढ रही है। जिससे बच्चो का शारीरिक व मानसिक विकास रूक जाता है। हम बच्चों में फैल रही इस आदत को रोकने के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर की भी मदद ले करते है चाइल्डलाइन द्वारा बच्चो की काउन्सलिंग करके उन्हे इस बुराई से दूर रहने को प्रेरित किया जाता है।

पूर्व विधायक श्री सत्यभानु चौहान नशामुक्ति अभियान के बारे मे लोगो को जागरूक करते हुए।

इसके बाद सभी समाज सेवियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर नशे की आदत को रोकने के लिये जन समूह को प्रेरित किया गया साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा नशे से होने वाले घातक परिणामो को प्रदर्शित करने वाले चित्रो की प्रदर्शनी लगाकर लोगो को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे मे जागरूक किया गया।

नशामुक्ति अभियान के दौरान शहर के वरिष्ट समाज सेवी - मानव श्रंखला बनाते हुए।

इस कार्यक्रम मे शहर के वरिष्ट समाज सेवी सत्यभानु चौहान, मानव अधिकार आयोग संयोजक कैलाश पाराशर, चाइल्डलाइन के डायरेक्टर जयसिंह जादौन, गायत्री परिवार के ट्रस्टी आदित्य चौहान, मुक्तिबोध युवक मंडल के अध्यक्ष गिर्राज शर्मा व नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे

- आवेयरनेस प्रोग्राम

(दशहरा मैदान- प्रदर्शिनी प्रोग्राम)

चाइल्डलाइन टीम द्वारा दशहरा पर्व के दिन दशहरा मैदान मे चाइल्डलाइन द्वारा प्रदर्शनी एवं जनसुविधा हेतु पानी की प्याऊ लगायी गयी।प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगो को चाइल्डलाइन, बालअधिकारो व बाल योनशोषण के बारे मे समझाना था।

प्रदर्शनी का उदघाटन जिले के एस.डी.एम. श्री सिडोस्कर व तहसीलदार आर.एस. सेमिल द्वारा किया गया,इस अवसर पर चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा उनको शहर मे चाइल्डलाइन द्वारा किये जा रहे कार्यो के बारे मे जानकारी दी गयी।

इस प्रदर्शनी को 500 से अधिक लोगो द्वारा देखा गया।

एस.डी.एम. सिलडोस्कर जी व तहसीलदार आर.एस. सेमिल प्रदर्शनी का उदघटन करते हुए।

एस.डी.एम. सिलडोस्कर जी व तहसीलदार आर.एस. सेमिल चाइल्डलाइन की प्रदर्शनी देखते हुए

दशहरा मैदान पर लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए

इल्डलाइन के बारे मे जानकारी देने के साथ-साथ दशहरा प्रोंग्राम में आने-जाने वाले लोगो एवं विशेषकर छोटे बालक एवं बालिकाओं के लिये पेयजल व्यवस्था की गई जहां सभी टीम सदस्यो द्वारा बारी-बारी से सभी को जल पिलवाया गया।

बच्चो व लोगो की पेय जल की व्यवस्था करते टीम सदस्य

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से चाइल्डलाइन के प्रबंधक जयसिंह जादौन, मानव अधिकार आयोग जिला संयोजक कैलाश पाराशर, गायत्री परिवार से आदित्य चौहान, चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा, काउन्सलर अनामिका पाराशर, टीम सदस्य मनोज, गौरव आचार्य, सत्येन्द्र सिंह, राजेश मीणा, सुमनलता श्रीवास्तव, प्रेमचन्द्र आदि सदस्य उपस्थित रहे।

अवेयरनेस प्रोग्राम- गांधी जयंती

दिनांक- 02.10.2017

स्थान - गांधी पार्क, गांव- बगवाज व मयापुर।

महात्मां गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर शहर के गणमान नागरिको एवं चाइल्डलाइन टीम द्वारा प्रभात फेरी (रेली) का आयोजन किया गया जो कि गांधी पार्क से होते हुये मुख्य चौराहा, बोहरा बाजार, छारबाग, ब्राह्मण पाडा, भोई मोहल्ले, खरादी बाजार गणेश बाजार से होती हुई वापस गांधी पार्क पहुॅची।

जागरूकता रेली के दौरान लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए

रेली के दौरान चाइल्डलाइन के टीम सदस्य द्वारा रास्तो मे मौजूद लोगो को चाइल्डलाइन एवं 1098 के बारे में जागरुक किया, जिसमें उपस्थित लोगो को बताया गया कि चाइल्डलाइन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की परियोजना है जो कि 0 से 18 वर्ष तक के बच्चो की मदद के लिये है।

इस कार्यक्रम मे शहर के विधायक श्री दुर्गालाल विजयवर्गीय, नगर पालिका के अध्यक्ष श्री दौलतराम गुप्ता, पूर्व विधायक सत्यभानु जी चौहान व ब्रजराज सिंह चौहान, महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रबंधक व चाइल्डलाइन के डायरेक्टर श्री जयसिहं जादौन, वरिष्ठ समाजसेवी व मानव अधिकार आयोग मित्र श्री कैलाश पाराशर तथा गायत्री परिवार के प्रबंधक श्री आदित्य चौहान, एवं विभिन्न समाज सेवी सस्थाए तथा शहर के वरिष्ठ समाज सेवी, गणमान्य नागरिक व स्कूल के बच्चे शामिल हुए।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संघ व समाज सेवीयो के साथ मिलकर गरीब आदिवासी बच्चो व लोगो को वस्त्र व फल वितरण किये गये

प्रार्थना सभा–इसके उपरान्त महात्मा गॉधी सेवा आश्रम के प्रबंधक व चाइल्डलाइन डारेक्टर श्री जयसिहं जादौन ने सर्वधर्म प्रार्थनाकरवाई जिसमें गांधी जी के प्रिय भजनो का गायन किया गया तथा टीम सदस्य द्वारा उपस्थित लोगो व बच्चो को चाइल्डलाइन के बारे मे बताया व चाइल्डलाइन के पर्चे बाटे गये।

वस्त्र व फल वितरण कार्यक्रम–चाइल्डलाइन टीम द्वारा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संघ के साथ मिलकर गांव बगवाज, तहसील कराहल के लोगो को चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर व बाल विवाह के बारे मे जानकारी देते हुए व उपस्थित गरीब व आदिवासी बच्चो/लोगो को वस्त्र व फल वितरीत किये गये।

जागरूता रैली –इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा गांव मयापुर मे लोगो व बच्चो को चाइल्डलाइन के 1098 व बालिका के शिक्षा के बारे मे जानकारी दी गयी इसके साथ ही गांव मे जागरूता रैली का आयोजन किया गया। जिसमे लोगो व बच्चो की मदद के लिये 1098 नम्बर के बारे मे बताया गया।

चाइल्डलाइन व बालिका शिक्षा के बारे मे – जागरूता रैली

6:54 AM

चाइल्ड लाइन ने आदिवासी अंचल में फैलाई जागरूकता

रैली में बाल अधिकारों के संरक्षण के नारे लगाते बच्चे।

भास्कर संवाददाता | कराहल

चाइल्ड लाइन की टीम आदिवासी अंचल में नियमित भ्रमण कर रही है। चाइल्ड लाइन ने ग्राम साबड़ी में अवेयरनेस प्रोग्राम किया। सहराना बस्तियों में इस कार्यक्रम के जरिए ग्रामीणों को बाल अधिकारों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा ने बताया कि पारिवारिक उपेक्षा, शोषण और मुसीबत से घिरे किसी भी बच्चे के बारे में तुरंत जानकारी चाइल्ड लाइन को टोल फ्री नंबर 1098 पर दी जाए। चाइल्ड की टीम देशभर में 24 घंटे सक्रिय रहकर बच्चों की मदद करती है। आदिवासी अंचल में भ्रमण पर पहुंची चाइल्ड लाइन की इस टीम में विप्लव शर्मा, गौरव आचार्य, सत्येन्द्र सिंह, राजेश मीणा, सुमनलता श्रीवास्तव एवं शुभम शर्मा शामिल थे।

दिनांक 17.10.2017 को ग्राम आजनोई तहसील– कराहल मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा दिवाली के त्योहार पर कार्यक्रम किया गया जिसमे गांव की बस्तियो–सहराने मे रहने वाले बच्चो व लोगो को वस्त्र व मिठाईयां बांटकर, बच्चो के साथ दिपावली का त्यौहार मनाया गया कार्यक्रम का उददेश्य बच्चो व लोगो को बाल अधिकार व चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर के प्रति जागरूक करना था।

जिसका उददेश्य सेहरिया व आदिवासी समुदाय के लोगो व बच्चो को चाइल्डलाइन व बाल अधिकारो के प्रति जागरूक करना था इस कार्यक्रम मे आदिवासी समाज के लोगो, महिलाओ व बच्चो के बडी संख्या मे भाग लिया।

आदिवासी समुदाय के लोगों व बच्चों के साथ दीवाली का त्यौहार मनाते हुए गांधी आश्रम के कार्यकर्ता

चाइल्डलाइन डायरेक्टर– जयसिंह जादौन द्वाराः– चाइल्डलाइन के बारे में जानकारी देते हुये बताया गया कि चाइल्डलाइन गुमशुदा बच्चे, शोषित बच्चे, घर से भागे हुये बच्चे, जिन्हे ईलाज की जरूरत है और ऐसे बच्चे जिन्हे देखभाल एवं सुरक्षा की जरूरत है उन बच्चो तक पहुचकर उनको मदद करती है और विशेषकर ऐसे बालक एवं बालिकाये जिनके साथ किसी भी प्रकार का उत्पीड़न हो रहा हो तो उन बच्चो को चाइल्डलाइन टीम द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है।

बच्चों व लोगों को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए– चाइल्डलाइन डायरेक्टर जयसिंह जादौन

चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा – ने कहा कि बच्चो को अपने अधिकारो की पूर्ण जानकारी होना आवश्यक है जिससे वह समाज में होने वाले अपने अधिकारो के हनन को रोक सके। इसी के साथ अधिकारो से अवगत् कराते हुये कुछ विशेष अधिकारो के बारे में बताया गया कि–

- बच्चो को जीवन जीने का अधिकार है
- शिक्षा का अधिकार है
- सहभागीता का अधिकार है
- विकास का अधिकार

इसी के साथ ही बच्चो को स्वच्छता के बारे मे जानकारी दी व बताया कि स्वस्थ्य रहने के लिये अपने आस–पास की सफाई रखना आवश्यक है।

वस्त्र व मिठाई वितरण कार्यक्रम– इसके पश्चात जागरूकता कार्यक्रम के अंत में चाइल्डलाइन डायरेक्टर जयसिंह जादौन, वरिष्ठ समाज सेवी कैलाश पाराशर चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो को वस्त्र वितरित किये एवं गांव में मिठाई बांटी बच्चो को गुब्बारे भी दिये गयें। इससे पूरे गांव में खुशी का वातावरण छा गया ग्रामीणों का कहना था कि यह पहला अवसर है जब हमने यह जाना कि दीवाली पर खुशी क्या होती है कार्यक्रम के पहले फटे पुराने वस्त्रो में घूमते बच्चे नये वस्त्र एवं मिठाई पाकर खुशी में डूब गये।

बच्चों व लोगों को वस्त्र व मिठाईयां वितरण करते हुए- महात्मा गांधी सेवा आश्रम के कार्यकर्ता

चाइल्डलाइन डारेक्टर श्री जादौन व समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा ने इस अवसर पर ग्रामवासियों को चाइल्डलाइन टीम की ओर से दीपावली की शुभकामनाऐं दी गयी व बच्चो को भविष्य मे भी चाइल्डलाइन से जुडे रहे के बारे मे कहा गया।

इस दौरान पूर्व विधायक सत्यभानु सिंह चौहान, मानव आधिकार अयोग संयोजक व वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश पाराशर, व अन्य संस्था के सदस्यो का कहना था कि महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन का यह कदम प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक सत्यभानु सिंह चौहान, मानवआधिकार आयोग मित्र कैलाश पाराशर, गायत्री परिवार के सदस्य आदित्य चौहान, चौहान, नशामुक्ति समिति से जुगलकिशोर शर्मा, चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा, काउंसलर अनामिका पाराशर, टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, सुमनलता, राजेश मीणा, सेक्टर सुपरवाइजर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रही।

अवेयरनेस प्रोग्राम –

बालिका/ महिला अधिकार व सुरक्षा कार्यशाला/ सेमीनार

दिनांक 26.12.2017

स्थान- पुलिस लाइन, श्योपुर

दिनांक 26.12.2017 को महिला/बालिका अधिकारो व सुरक्षा के प्रति जागरूता बडाने के लिये पुलिस विभाग द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे चाइल्डलाइन टीम द्वारा सहयोग किया गया। ।

इस दौरान जिले के एस.पी. डॉ. शिवदयाल सिहं, एस.डी.ओपी. महेन्द्र शर्मा, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य रामप्रसाद पारेता, कविता आचार्य, मानव आधिकार आयोग मित्र हनुमान तिवारी, एफ.एस.एल. अधिकारी डॉ. मनीष पाण्डे, बडोदा के एस.डी.ओपी. बी.एस. रघुवंशी, महिला सशक्तिकरण विभाग, बाल कल्याण समिति, चाइल्डलाइन टीम व पुलिस विभाग के कई अधिकारियो ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जिले के एस.पी. डॉ. शिवदयाल सिंह द्वारा बालिका/महिला सुरक्षा के बारे मे जानकारी देते हुए, सभी पुलिस कार्मीयो को और अधिक संवेदन शील व थानो मे भी महिलाओ के लिये अच्छा वातावरण निर्मित करने की बात कही। जिससे की बालिका/महिलाए बिना किसी संकोच के अपनी परेशानी पुलिस को बता सके। इसके के साथ ही बालिका/ महिलाओ को शीघ्र न्याय दिलाने के बारे मे कहा गया।

बालिका/ महिला सुरक्षा के बारे मे जानकारी देते हुए- एस.पी. श्री डॉ. शिवदयाल सिहं

इसके बाद चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी व समितियो को प्रोजेक्टर मे माध्यम से बालिका सुरक्षा व चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी दी गयी तथा बताया कि किस प्रकार से हम आपस मे एक दूसरे के सहयोग से ओर अधिक बालिकाओ/महिलाओ के अधिकारो व उनकी सुरक्षा कर सकते है।

उपस्थित पुलिस विभाग के अधिकारियों को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी देते हुए- चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम समन्वयक द्वारा श्योपुर जिले मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा पुलिस व अन्यविभाग व संस्था की मदद से किये गये केसो के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि- चाइल्डलाइन टीम द्वारा कई लापता बच्चो को पुलिस की मदद से सुरक्षित उनके परिवार तक पहुचाया है, कई अनाथ बच्चो की महिला सशक्तिकरण व बाल कल्याण समिति की मदद से छात्रावास मे रहने की व्यवस्था की गयी है, कई थेलिसीमिया की बीमारी से पीडित बच्चो के लिये रक्त उपलब्ध करवाया गया है, कई कुपोषित व बिमार बच्चो को अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है, कई भीख मांगने वाले बच्चो को पुलिस व बाल कल्याण समिति के साथ मिलकर भिक्षावृत्ति से मुक्त करवाया गया है, कई बच्चो को योजनाओ से जुडवाया गया है।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा खेल-खेल, प्रदर्शिदनी, हस्ताक्षर अभियान, रेली, बाल फिल्म, पेन्टींग व सामान्यज्ञान प्रतियोगिताओ के माध्यम से भी कई अवेयरने प्रोग्राम किये गये है। इस दौरान बच्चो व लोगो को चाइल्डलाइन 1098, उनके के अधिकारों उनकी सुरक्षा, अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे मे जानकारी दी गयी है।

इसके साथ ही बच्चो की समस्याओ के बारे मे जानकारी प्राप्त करने के लिये जिले के गांव, आदिवासी बस्तियों, स्कूलो, छात्रावासो, धार्मिक स्थल व शहर के सर्वजनिक स्थानो पर कई ओपनहाउस प्रोग्राम किये गये है।

इसके बाद चाइल्डलाइन समन्वयक द्वारा उपस्थित सभी विभाग के अधिकारी व संस्थाओ से ओर आधिक से अधिक सहयोग करने के बारे मे कहा, जिससे की हम बालिकाओ/ महिलाओ के लिये सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करा सके।

श्योपुर पत्रिका
sheopur patrika
WEDNESDAY
ग्वालियर, बुधवार 27 दिसंबर 2017
कराहल . विजयपुर . बड़ौदा . वीरपुर

सेमिनार

'थानों में महिलाओं के लिए अच्छा माहौल निर्मित करें'

महिला अपराध शाखा की सेमिनार में बोले पुलिस कप्तान

महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने की बताई जरूरत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

सेमिनार में मंचासीन पुलिस अफसर व अन्य अतिथि।

नईदुनिया सिटी
करैरा—बदरवास—कराहल—विजयपुर
ग्वालियर, बुधवार 27 दिसंबर 2017

पहल | महिला सशक्तिकरण व पुलिस प्रशासन की कार्यशाला में बोले एसपी

महिलाओं के सम्मान के लिए ऑफ ड्यूटी करें काम

श्योपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

बैठक में मौजूद अतिथि।

राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम

दिनांक 24.01.2018 को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चाइल्डलाइन टीम द्वारा पुलिस थाना मानपुर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उददेश्य बालिकाओं को उनके अधिकारो के साथ-साथ सुरक्षा, स्वास्थ्य व चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देना था। इस दौरान चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिकाओंको बाल फिल्म दिखाई गयी। इस कार्यक्रम में गांव के सरपंच- हेमचन्द्र, थाना प्रभारी- डी.के. पाण्डे, ए.एस.आई.- पी.सी.दण्डोतिया, आंगनवाडीसुपरवाईजर- साधना राठोर, व अन्य पुलिस कर्मी व शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में चाइल्डलाइन के सदस्य मनोज सोनी द्वारा बालिकाओं को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया गया कि चाइल्डलाइन 24 घंटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।
इसके साथ ही उपस्थित ग्रामीणों व बालिकाओं को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी दी गयी।

ग्रामीणों को गुड-बेड टच के बारे मे जानकारी देते हुए चाइल्डलाइन टीम सदस्य

बाल फिल्म प्रोग्राम-चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिकाओं को बाल योनशोषण व अच्छे व बुरे स्पर्श को समझाने के लिये बाल फिल्मे दिखवाई गयी तथा फिल्म के दोरान समय-समय पर चाइल्डलाइन टीम सदस्य राजेश मीणा द्वारा अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे समझाया गया व बताया गया कि इस प्रकार की समस्या होने पर आप किस प्रकार से स्वयं को सुरक्षित रख सकते है व चाइल्डलाइन एवं पुलिस को सूचना देकर उनकी मदद ले सकते है।

हेल्पलाइन नम्बर के बारे में-

चाइल्डलाइन टीम सदस्य मनोज सोनी द्वारा बालिकाओं एवं ग्रामीणों को चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर का उपयोग कब व कैसे करना है इस बारे में समझाया गया इसके साथ ही अन्य हेल्पलाइन नम्बर जैसे -पुलिस हेल्पलाइन नम्बर- 100, महिला हेल्पलाइन नम्बर- 1090/1091, एम्बुलेंस हेल्पलाइन नम्बर- 108, फायरब्रिगेड नम्बर 101, के बारे मे जानकारी दी गयी तथा इनको किस प्रकार से और कब उपयोग करना है इसके बारे मे बताया गया।

बाल अधिकारों के बारे मे-

इसके साथ ही बालिकाओंको उनके अधिकारों 1. जीने के अधिकार, 2. सुरक्षा के अधिकार, 3. विकास के अधिकार, 4. सहभागिता के अधिकार के बारे मे जानकारी दी गयी तथा बताया गया कि यदि आपके किसी भी अधिकार का हनन होता है तो आप इसकी सूचना चाइल्डलाइन या पुलिस को जरूर दे।

विशेष सत्र – कानून के बारे मे जानकारी–

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम सदस्य गौरव आचार्य द्वाराबालिकाओ को एक्ट व सुरक्षा के बारे मे जानकारी दी गयी।

1. लैगिंक अपराधो से संरक्षण 2012–गौरव आचार्य ने कानून संम्बधित जानकारी देते हुए बताया कि लैगिंक अपराधो से संरक्षण के लिये से लैगिंक अपराध संरक्षण एक्ट 2012 बनाया गया है। इस के साथ ही छात्र व छात्राओ को गुड टच व बैड टच के बारे मे जानकारी दी गयी व बताया गया कि यदि आपके साथ किसी प्रकार का अभद्र व्यवहार किया जाये या आपको रास्ते मे परेशान किया जाये या आपके साथ किसी प्रकार की छेडछाड हो तो आप इस बात की जानकारी टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे, चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस प्रकार के केसों में बालिकाओं का नाम गोपनीय रखा जाता है तथा महिला टीम सदस्य द्वारा ही आपकी मदद की जायेगी।

ग्रामीणों को बाल अधिकार व कानून के बारे मे जागरूक करते हुए चाइल्डलाइन टीम

2. बाल विवाह अधिनियम– इस अधिनियम के अनुसार विवाह के समय कम से कम लडके की उम्र– 21 वर्ष व लडकी की उम्र– 18 वर्ष होना आवश्यक है यदि इससे कम उम्र में विवाह किया जाता है तो वह अपराध की श्रेणी मे आता है। जिसके लिये विवाह करने वाले तथा उस विवाह मे भाग लेने वाले व्यक्तियो को सजा हो सकती है।

3. किशोर न्याय अधिनियम एक्ट 1992– इस अधिनियम के अन्तर्गत अगर कोई बालक अपराध करते हुए पकडा जाये और उसकी उम्र 7 वर्ष से कम हो तो पुलिस द्वारा उस बालक को पुलिस स्टेशन मे बन्द नही किये जाने का प्रबधान है।

4. बाल श्रम अधिनियम 1986– इस अधिनियम के अन्तर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे से किसी भी प्रकार की मजदूरी नही करवाई जा सकती है। यदि कोई व्यक्ति एसा करता है तो यह अपराध की श्रेणी में आता है इसके लिये इस एक्ट में सजा का प्रबधान है।

इसके पश्चात थाना प्रभारी श्री डी.के. पाण्डे द्वारा बालिकओं को स्वयं की सुरक्षा किस प्रकार से करना चाहिये इस बारे मे जानकारी दी गयी।

दिनांक- 26.01.2018

स्थान- वीर सावरकर स्टेडियम एवं महात्मा गांधी सेवा आश्रम श्योपुर।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर चाइल्डलाइन टीम द्वारा महात्मा गांधी सेवा आश्रम मे ध्वजा रोहण कार्यक्रम किया गया एवं वीर सावरकर स्टेडियम मेंगणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया जिसमे चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा, शहर के गणमान्य नगरिकों, पुलिस कर्मियों, शिक्षको, आंगनवाडी कार्यकताओं व स्कूल के बच्चों को चाइल्डलाइन के उपयोग व कार्यो के बारे मे जानकारी दी गयी।

ध्वजा रोहण कार्यक्रम-

कार्यक्रम की शुरुवआत मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा महात्मा गांधी सेवा आश्रम मे ध्वजा रोहण कार्यक्रम किया गया जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री सत्यभानु चौहान द्वारा ध्वजा रोहण किया एवं उदबोधन दिया इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण व संस्था के वरिष्ठ सदस्यों- संस्था सचिव रनसिह परमार, मानव आधिकार आयोग के जिला संयोजक कैलाश पाराशर, चाइल्डलाइन के डायरेक्टर एवं गांधी आश्रम के प्रबंधक जयसिंह जादौन, एकता परिषद के संभागीय समन्वयक रामदत्त तोमर द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य मे अपने-अपने विचार प्रकट किये गये।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम में ध्वजा रोहण करते हुए

इस दौरान बेटी पढाओ केन्द्र के जिला समन्वयक पुनीत शर्मा, खादय सुरक्षा एवं पोषण विविधता कार्यक्रम की समन्वयक शबनम अफगानी, महात्मा गांधी सेवा आश्रम के कार्यकर्ता व शहर के गणमान्य लोगो ने भी भाग लिया।

स्टेडियम प्रोग्राम-

चाइल्डलाइन टीम द्वारा जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के अवसर पर वीर सावरकर स्टेढियम मे पहुचकर वहां उपस्थित जनसमुदाय के साथ-साथ शासकीय कर्मचारियों , अधिकारियों, शिक्षको एवं विद्यार्थियो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी दी गयी उन्हे बताया गया कि -

प्रदर्शनी मे उपस्थित बच्चों को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी देते हुए

चाइल्डलाइन बच्चो की मदद के लिये- 24 घंटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन राष्ट्रीय फोन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है, जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

यदि किसी बच्चे से जबरदस्ती मजदूरी करवायी जा रही हो या बालविवाह किया जा रहा हो अथवा किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा आनाथ व बेसहारा हो, या गुम हो गया हो तो इस प्रकार के बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर दे सकते है। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुंच जाती है।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम मे उपस्थित बच्चों को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी दी गयी।

चाइल्डलाइन टीम सदस्य मनोज सोनी ने चाइल्डलाइन टीम द्वारा किये गये कार्यो की जानकारी देते हुए बताया कि टीम द्वाराकई लापता बच्चों, अनाथ एवं भीख मांगने वाले बच्चों के साथ-साथ विकलांग व कुपोषित बच्चों की मदद की है तथा कई बच्चो को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुडवाया है।

चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा उपस्थित बालिकाओं को बताया कि यदि आपके साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार या छेडछाड की जाती हो तो आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर दे। इस प्रकार के केसो मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिका का नाम गोपनीय रखा जाता है व बलिका की मदद महिला टीम सदस्य द्वारा की जाती है। इसके साथ ही उन्होने बालिकाओ को गुड टच व बैड टच के बारे मे भी जानकारी दी।

उन्होने बताया कि स्कूल से सम्बधित परेशानी जैसे स्कूल मे भर्ती करवाने मे होन वाली परेशानी, बच्चो को फीस के लिये परेशान करना या बच्चों के साथ मार-पीट होने पर भी आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर अवश्य दे।

अवेयरनेस प्रोग्राम

दिनांक - 30/01/2018

स्थान - गांधी पार्क श्योपुर,

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि, शहीद दिवस के अवसर पर गांधी पार्क से प्रारंभ होने वाली प्रभात फेरी मे चाइल्डलाइन टीम सदस्यों ने भाग लिया तथा रैली के दौरान चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए पेम्पलेट बाटे गये एवं लोगों को नशामुक्ति के लिये जागरूक किया गया।

रैली का समापन गांधी पार्क पर हुआ जहां सर्वधर्म प्रार्थना की गयी तथा गांधी जी के भजनों का गायन किया गया इस अवसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम मे प्रबंधक जयसिंह जादौन ने लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए उसके द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्यो की भी जानकारी दी गयी तथा उपस्थित लोगों के इस कार्यो के मदद का आग्रह किया इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिको के साथ-साथ महात्मा गांधी सेवा आश्रम मे वरिष्ट सदस्य श्री सत्यभानु सिंह चौहान पूर्व विधायक, वरिष्ट समाज सेवी एवं मानव अधिकारी आयोग के जिला संयोजक श्री कैलाश पाराशर, चाइल्डलाइन डायरेक्टर जयसिंह जादौन, चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा एवं टीम सदस्य उपस्थित रहें।

शरह के गणमान नागरिको के साथ मिलकर प्रभात फेरी निकाली गयी रैली के दौरान लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए पम्पलेट बाटे गये।

महिला एवं बाल विकास की योजना – बेटी बचाओ व बेटी पढाओ

उददेश्य –लडकियों के लिंगानुपात मे जारी गिरावट , कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, लडकियो के प्रति होने वाले भेदभाव को दूर करने, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह जैसी सामजिक बुराईयो के प्रति बालिकाओ को शिक्षित करने हेतु

अवेयनेस प्रोग्राम–

बेटी बचाओ व बेटी पढाओ

दिनांक 09/10/2017 को महिलासशक्तिकरण, महिला बाल विकास व चाइल्डलाइन टीम द्वारा सशक्त बालिका समर्थ भारत कार्यक्रम के तहत बेटी बचाओं व बेटी पढाओं का संदेश देने के लिये एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उददेश्य बालिकाओ को शिक्षा से जोडकर बालिकाओं का सर्वांगीण विकास करना तथा समाज मे फैली हुई बुराई बालविवाह व दहेज प्रथा का विरोध करना था।

कार्यक्रम में श्योपुर क्षेत्र के विधायक श्री दुर्गालाल विजय, जिला कलेक्टर श्री पन्नालाल सोलंकी, जिला पंचायत की अध्यक्ष, कविता मीणा, एस.पी. शिवदयाल सिंह गुर्जर, महिला सशक्तिकरण अधिकारी, महिला एवं बालविकास अधिकारी, बाल कल्याण समिति, चाइल्डलाइन टीम सदस्य, आंगनवाडी सुपरवाइजर व गणमान्य नागरिको ने भाग लिया।

इस अवसर पर विधायक श्री दुर्गालाल विजय ने आपने सम्बोधन मे कहा कि गांव मे अक्सर लोग बालिकाओ को पढाने मे विश्वास नही करते है हमें इस सम्बध मे लोगो को जागरूक करना चाहिये कि बालक एवं बालिकाओ मे कोई भेद नही है हमे बालिकाओ को भी पढाई का अवसर देना चाहिये ताकि वहा भी देश के विकास मे योगदान दे सके। बालिका के पढने से दो परिवारो का निर्माण होता है।

जिला पंचायात की अध्यक्ष कविता मीणा–बेटी बचाओ बेटी पढाओं का संदेश देते हुए

जिला के कलेक्टर श्री पन्नालाल सोलंकी ने कहा कि अक्सर बचपन में बालिका को पोषण आहार नही दिया जाता है जिसके कारण उनमे खून की कमी हो जाती है अतः हमारी यह जिम्मेदारी है कि उन्हे बचपन मे उत्तम आहार दिया जाये ताकि वह स्वस्थ्य रहे बालिकाओं को योग–व्याम भी करना चाहिये।

विधायक श्री दुर्गालाल विजय – बालिका सुरक्षा को लेकर शपत दिलवाई गयी।

एस.पी. शिवदयाल सिहं गुर्जर द्वारा अपने विचार प्रकट करते हुए बालिकाओ की सुरक्षा के बारे मे जानकारी दी तथा वहा उपस्थित लोगो से बालिकाओ की सुरक्षा के लिये पुलिस का सहयोग करने के लिये आनुरोध किया गया तथा लोगो से अपने आस–पास बालिकाओ के साथ किसी प्रकार का अपराध घटित होने या किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर पुलिस को सूचना अवश्य दे, पुलिस आपकी हर सम्भव मदद करेगी।

इसके साथ ही वहा उपस्थित आतिथियो ने भी अपने-अपने विचार प्रकट किये, व बालिकाओ के हित व विकास के लिये सहयोग की बात कही।

शपत गृहण समारोह-

इसके बाद शपत ग्रहण कार्यक्रम मे विधायक श्री दुर्गालाल विजय ने बालिका सुरक्षा को लेकर उपस्थित जनो को शपत दिलाई जिसमे बालिकाओं के साथ किसी भी प्रकार के अभद्र व्यवहार पर मदद की बात कही गयी।

हस्ताक्षर अभियान -

इसके बाद बालिका की सुरक्षा के लिये हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिमसे बडी संख्या मे लोगो ने भाग लिया।

बालिका सुरक्षा के लिये हस्ताक्षर अभियान मे भाग लेते चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा

अवेयरनेस प्रोग्राम

बेटी बचाओ व बेटी पढाओं

दिनांक- 10/10/2017

स्थान - हीरामन सहराना, श्योपुर

दिनांक 10.10.2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा आदिवासी बस्ती व स्कूल मे गांव के लोगो के साथ मिलकर चाइल्डलाइन, बालिका शिक्षा व बेटी बचाओ व बेटी पढाओ के बारे मे जागरुक करने के लिये अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया। जिसमे गांव के समाजिक कार्यकर्ताओ, टीचर एवं बच्चो के भाग लिया।

बच्चों को चाइल्डलाइन व बेटी बचाओं-बेटी पढाओं के बारे मे जानकरी देते हुए

प्रोग्राम मे सर्वप्रथम चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की परियोजना है जो 0 से 18 वर्ष तक के बच्चो की मदद के लिये है। यदि -

1. कोई बच्चा बीमार है एवं अकेला है
2. किसी बच्चे को आश्रय की जरूरत है
3. कोई बच्चा गुम हो गया हो या छोड़ दिया गया हों।
4. किसी बच्चे से बाल मजदूरी करवाई जा रही हों
5. बच्चे का उत्पीड़न हो रहा हो।
6. भीख मंगवाई जा रही हो।
7. कोई बच्चा कुपोषित या विकलांग हो।
8. कोई बच्चा पिट रहा हो या उसका शोषण हो रहा हों या 14 वर्ष से आधिक उम्र के बालक से काम करवाकर बच्चे को मजदूरी नहीं दी गई हो तो ऐसी स्थिति में आप चाइल्डलाइन को सूचित करें।

जब भी आप लोग किसी भी बच्चे को मुसीबत में देखे तो तुरंत चाइल्डलाइन के नम्बर 1098 पर इसकी सूचना दें हमारी टीम द्वारा तुरंत उस जरूरतमंद बच्चे की मदद की जायेगी।

बालिका का जन्म दिवस कार्यक्रम मनाते हुए- चाइल्डलाइन टीम

बेटी बचाओ- बेटी पढाओ कार्यक्रम –

इसके साथ ही बेटी बचाओ – बेटी पढाओ सप्ताह के बारे मे जानकारी देते हुए बालिकाओ को अधिक से अधिक शिक्षा से जोडने व बच्चियों को भी स्कूल भेजने के बारे मे लोगो को समझाया गया तथा कम उम्र मे बालिका के विवाह न करने के बारे मे कहा गया तथा बताया यदि बाल विवाह होता है तो आप इसकी सूचना चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर जरूर दे।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बालिका के हित के लिये चल रही योजनाए जैसे-लाडली लक्ष्मी, सुकन्या योजना आदि के बारे मे जानकारी दी गयी।

जन्म दिवस कार्यक्रम- *चाइल्डलाइन टीम द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढओ के सप्ताह के अन्तर्गत उस क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक विद्यालय मे बालिकाओ को मनोरंज करने के लिये उनको कहानी सुनाई गयी तथा बालिका का जन्म उत्सव मनाया गया।*

कार्यक्रम | बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ सप्ताह के तहत बगवाज प्राइमरी स्कूल में हुआ कार्यक्रम

परिवार व समाज दोनों की जिम्मेदारी बाल विवाह रोकना

भास्कर संवाददाता | कराहल

बाल विवाह जैसी कुरीति से बेटियों का बचपन खो जाता है। कम उम्र में शादी होने के कारण बेटियों को जीवनभर शारीरिक, मानसिक और पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। किसी भी बेटी को बाल विवाह जैसे अंधेरे कुएं में गिरने से बचाने की जिम्मेदारी परिवार के साथ ही समाज की भी है।

यह बात महिला सशक्तिकरण विभाग एवं चाइल्ड लाइन की साझा पहल पर चलाए जा रहे बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ सप्ताह के तहत ग्राम बगवाज स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चाइल्ड लाइन समन्वयक विप्लव शर्मा ने कही। इस अवसर पर अभिभावकों की मौजूदगी में केक काटकर कई बालिकाओं का जन्म उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार के साथ उपस्थितजनों ने बेटी बचाने और बेटी को पढ़ाने की प्रतिज्ञा ली। कराहल विकास खंड के पंचायत मुख्यालय ग्राम बगवाज स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सप्ताह के तहत आयोजित बालिका जन्मोत्सव कार्यक्रम में स्कूली बालिकाओं के साथ हीरामन सहराना और बगवाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर चाइल्ड लाइन समन्वयक विप्लव शर्मा ने कहा कि खुशी की बात है कि बेटियों के प्रति लोगों का नजरिया तेजी से बदल रहा है। बेटी बचाने और बेटी पढ़ाने की दिशा में ग्रामीणों में जागरूकता आ रही है। सामाजिक और प्रशासनिक प्रयासों की बदौलत बहुतायत में होने वाले बाल विवाह के मामलों में हर साल कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि देवउठनी के बाद शुरू होने वाले सहालग के सीजन के दौरान जिले में कहीं पर भी बाल विवाह होने का अंदेशा होने पर लोग 1098 नंबर पर निशुल्क कॉल करके सूचना दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने ग्रामीणों को शासन द्वारा चलाई जा रही लाडली लक्ष्मी योजना के बारे जानकारी दी। वहीं ग्रामीणों को डाक विभाग की सुकन्या समृद्धि योजना में बेटियों के खाते खुलवाने के लिए प्रेरित किया। अंत में उपस्थितजनों ने अपने दो हाथ उठाकर बालिकाओं की सुरक्षा और उन्हें शिक्षित बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य रामवतार वैष्णव, चाइल्ड लाइन सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, सुमनलता श्रीवास्तव, शुभम शर्मा, शिक्षक धर्मेंद्र शर्मा, गजानंद दुरैया सहित महिला सशक्तिकरण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सप्ताह में 18 तक चलेंगे कार्यक्रम

बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ सप्ताह 18 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस दौरान के तहत महिला सशक्तिकरण विभाग और चाइल्ड लाइन द्वारा बेटियों की सुरक्षा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महात्मा गांधी सेवा आश्रम के प्रबंधक जयसिंह जादौन ने बताया कि बेटियों की सुरक्षा एवं बेहतर भविष्य के लिए मनाए जा रहे सप्ताह के तहत ग्रामीणों में जनजागृति लाई जाएगी।

राज एक्सप्रेस

श्योपुर एक्सप्रेस

ग्वालियर | बुधवार, 11 अक्टूबर, 2017

स्कूल में मनाया बच्ची का जन्मदिन

श्योपुर। बेटी बचाओ बेटी पढाओ सप्ताह के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण विभाग एवं चाइल्ड लाइन टीम ने सप्ताह के दूसरे दिन ग्राम बगवाज के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में बालिका जन्म उत्सव मनाया। इस दौरान टीम ने हीरामन सहराने में बच्चों के माता पिता व शिक्षकों को बालिका सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बालिकाओं के हितों के लिए चल रही योजनाओं लाडली लक्ष्मी, सुकन्या समृद्धि योजना आदि के बारे में जानकारी दी। इस दौरान चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा, स्कूल के प्राचार्य रामवतार वैष्णव, चाइल्ड लाइन के सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, सुमनलता श्रीवास्तव, शुभम शर्मा, महिला सशक्तिकरण विभाग के सदस्य, विद्यालय के शिक्षकगण धर्मेन्द्र शर्मा, गजानन्द दुरेया आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम- बेटी बचाओ- बेटी पढाओं
(समान्य ज्ञान व खेल प्रतियोगिता)

दिनांक 11.10.2017 चाइल्डलाइन टीम द्वारा सलापुरा के शा. हजारेश्वर माध्यमिक विद्यायल श्योपुर मे छात्र-छात्राओ एवं शिक्षको के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उददेश्य छात्र व छात्राओ को चाइल्डलाइन व बालिका सुरक्षा व शिक्षा के प्रतिजागरुक करना था। इस दौरान चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा छात्र-छात्राओ के साथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता व खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बच्चो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि चाइल्डलाइन 24 घटे चलने वाली मुफ्त आपातआलीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है, जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

यदि किसी बच्चे के जबरदस्ती मजदूरी कावायी जा रही हो या बाल विवाह किया जा रहा हो या किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा आनाथ व बेसहारा हो, या कोई बच्चा गुम हो गया हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुच जाती है।

छात्र-छात्राओं को चाइल्डलाइन के नम्बर 1098 का उपयोग करना सिखाया गया।

इसके साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओ को 1098 नम्बर का उपयोग करना सिखाया गया।

बेटी बचाओ- बेटी पढाओ -इसके साथ ही बेटी बचाओ - बेटी पढाओ सप्ताह के बारे मे जानकारी देते हुए बालिकाओ को अधिक से अधिक शिक्षा से जोडने व बच्चीयो को भी स्कूल भेजने के बारे मे लोगो को समझाया गया तथा इसके साथ ही बालिकाओ बालयोन शोषण के बारे मे जानकारी देते हुए बताया गया कि यदि आपके साथ किसी प्रकार का अभद्र व्यवहार हो तो आप इस की सूचना चाइल्डलाइन के 1098 पर भी दे सकते है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता -

चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बच्चो के साथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे टीम सदस्य द्वारा छात्र-छात्राओ के कुछ ग्रुप बनाये गये तथा सभी छात्र-छात्राओ के ग्रुप से बारी- बारी से शहर, प्रदेश, देश, खेल, मनोरंजन व बच्चो के अधिकार से सम्बधित प्रश्न पूछे गये तथा इस प्रतियोगिता मे सर्वधिक सही जबाब देने वाले ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चेयर रेस प्रतियोगिता–

इसके पश्चात स्कूल के बच्चो को चेयर रेस प्रतियोगिता करवाई गई जिसमे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्रओ को पुरस्कृत कर छात्रा–छात्राओ का उत्साहवर्धन किया गया।

बेटी बचाओ– बेटी पढाओ सप्ताह के आन्तर्गत छात्र–छात्राओ के खेल खिलवाये गये।

खेल के माध्यम से दी सुरक्षा की जानकारी

श्योपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

चाइल्ड लाइन की पहल

चाइल्ड लाइन टीम द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सप्ताह के तीसरे दिन सलापुरा में स्थित शासकीय श्री हजारेश्वर माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालय में बालिकाओं को खेल के मध्यम से स्वयं की सुरक्षा व स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। साथ ही चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर के बारे में बताया। इसके साथ ही महिला टीम सदस्य द्वारा बालिकाओं को अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे में समझाया तथा बताया कि यदि आपके साथ कोई अभद्र व्यवहार करे तो आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर दे सकती हैं। हमारे द्वारा बलिका का नाम गोपनीय रखा जाता है। इस दौरान चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा, प्राचार्य सनमान सिंह सिकरवार, मिथलेश सिकरवार, टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, राजेश मीणा, सुमनलता श्रीवास्तव, शुभम शर्मा, शिक्षका हेमलता पाराशर, आराधना सिकरवार, पवन चौहान, मीना पवार, शशि सिकरवार, भुवनेश्रवर दयाल गौतम का सहयोग रहा।

श्योपुर पत्रिका

sheopur patrika

ग्वालियर, गुरुवार 12 अक्टूबर 2017

खोखो खेलती बेटियां।

बालिकाओं को खिलाए खेल, दी सुरक्षा की जानकारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

श्योपुर. इन दिनों चल रहे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सप्ताह के तहत बुधवार को चाइल्ड लाइन श्योपुर की टीम ने शहर के हजारेश्वर माध्यमिक और प्राथमिक विद्यालय में पहुंचकर बालिकाओं को खेल खिलाए। साथ ही सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। वहीं चाइल्ड लाइन के 1098 नंबर के बारे में बताया गया। महिला टीम सदस्य द्वारा बालिकाओं को अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे में समझाया गया। बताया कि यदि कोई अभद्र व्यवहार करे तो आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नंबर पर दे सकती है।

दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम

चाइल्डलाइन टीम द्वारा प्रतिवर्ष नवम्बर माह मे चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम मनाया जाता है। जिसका उददेश्य बच्चो, नागरिको, सरकारी विभागों व गैरसरकारी संस्थाओ व समाजिक कार्यकर्ताओं को बच्चों की मदद के लिये चाइल्डलाइन से जोडना है। जिससे इस सभी लोगो की मदद से बेबस व बेसहारा बच्चो को लाभ दिलाया जा सके।

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह - प्रोग्राम

दिनांक - 14.11.2017

स्थान - गांव प्यारीपुरा

उददेश्य - बाल अधिकार व बालिका शिक्षा के बारे मे विशेष सत्र

दिनांक 14.11.2017 को चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम का शुभारम्भ चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा गांव प्यारीपुरा मे किया गया। जिसका उददेश्य बच्चो व गांव के लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जागरूक करना व ग्रामीणों को बच्चो की मदद के लिये चाइल्डलाइन से जोडना था।

चाइल्डलाइन के बारे मे ग्रामीणों को जानकारी देते हुए

कार्यक्रम की शुरूआत मे चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा ने चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते बताया कि चाइल्डलाइन 24घंटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन राष्ट्रीय फोन सेवा है, यह कि महिला एवं बालविकास मंत्रालय की एक परियोजना है जो कि उन बच्चो के लिये है जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

यदि किसी कोई बच्चा बीमार व अकेला हो, किसी बच्चे को आश्रय की जरूरत हो, कोई बच्चा गुम हो गया हो या छोड दिया गया हो, बच्चे के जबरदस्ती मजदूरी करवायी जा रही हो, उसका शोषण किया जा रहा हो, किसी बच्चे से भीख मंगवायी जा रही हो, बाल विवाह किया जा रहा है तो उस बालक व बालिका की मदद के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर सूचना अवश्य दे। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुचती है।

चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह के बारे मे जानकारी देते हुए, चाइल्डलाइन सदस्य मनोज

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह - *इसी के साथ उन्होने बच्चो को चाइल्डलाइन के दोस्ती सप्ताह के बारे मे जानकारी दी तथा बताया कि यह चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह 14 नवम्बर से 21 नवम्बर तक मनाया जाता है जिसमे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो व बाल संरक्षण के लिये काम कर रहे सरकारी विभागो व गैर सरकारी संस्थाओं के सभी अधिकारियो व कार्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षको, छात्र-छात्राओ तथा नागरिको को भी चाइल्डलाइन से जोडा जाता है। जिससे कि चाइल्डलाइन से जुडकर बच्चो की ज्यादा से ज्यादा मदद कर सके।*

ग्रामीणों को शिक्षा के अधिकार के बारे मे जानकारी देते हुए- डायरेक्टर जयसिंह जादौन

विशेष शिक्षण सत्र-

गांव मे बच्चो की शैक्षणिक स्थिति सुधार ने व शिक्षा के बारे मे जागरुक करने के लिये चाइल्डलाइन टीम द्वारा विशेष शिक्षण सत्र लगाया गया जिसमे गांव के शिक्षको व बालिका शिक्षा पर काम कर रहे बेटी पढाओ केन्द्र के समन्वयक अशोक कुमार ने भाग लिया।

इस दौरान आशोक कुमार जी ने गांव के लोगो को बालिका शिक्षा के महत्व के बारे मे जानकारी दी तथा बालिका शिक्षा से सम्बधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मदद करने के बारे मे कहा गया। इसके साथ ही अशोक कुमार जी ने उपस्थित लोगो को बच्चो की मदद के लिये चाइल्डलाइन से जुडने को प्रेरित किया।

चाइल्डलाइन टीम द्वारा वहा उपस्थित लोगो व बच्चो को शिक्षा के अधिकार के बारे मे जागरुक किया गया व लोगो को बालक व बालिकाओ को स्कूल भेजने के बारे मे समझाया गया तथा बताया कि यदि किसी बच्चे को स्कूल के एडमिशन या अन्य किसी भी प्रकार की समस्या आये तो आप 1098 नम्बर पर कॉल करके चाइल्डलाइन टीम की मदद ले सकते है।

इसके साथ ही कार्यक्रम मे उपस्थित चाइल्डलाइन के डॉयरेक्टर जायसिंह जादोन द्वारा लोगो को कहानी व कई उदाहरणो के माध्यम से बालिका शिक्षा के लिये प्रेरित किया गया व बालक/बालिकाओ को पढाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लेने के बारे मे समझाया गया।

कार्यक्रम मे विदेश से आये हुए मेहमानो ने भी भाग लिया तथा बच्चो को मुसीबत की स्थिति मे अधिक से अधिक 1098 नम्बर पर कॉल करने के लिये समझाया गया।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

चाइल्ड लाइन टीम का आयोजन

श्योपुर : दोस्ती सप्ताह का नजारा।

श्योपुर ब्यूरो : चाइल्ड लाइन श्योपुर टीम द्वारा बाल दिवस के अवसर पर चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम की शुरुआत की गई, जिसमें महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित बेटी पढाओ केन्द्र की टीम, गांव के बच्चों व लोगों के साथ मिलकर चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गांव के लोगों को बच्चों की मदद के लिये चाइल्डलाइन से जोड़ना व बालिका शिक्षा के बारे मे जागरूक करना था। इस कार्यक्रम के दौरान चाइल्डलाइन के डॉयरेक्टर जयसिंह जादौन द्वारा लोगों को बालिका शिक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बालक-बालिकाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेने के बारे में समझाया। कार्यक्रम में विदेश से आए हुए मेहमानों ने भी भाग लिया तथा मुसीबत में फंसे बच्चों की मदद के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर कॉल करने के बारे में कहा। इस दौरान बेटी पढाओ केन्द्र के समन्वयक अशोक कुमार, चाइल्ड लाइन टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, शुभम शर्मा, सुपरवाइजर अशोक जाटव व विदेशी मेहमान उपस्थित रहे।

राज एक्सप्रेस

सिटी एक्सप्रेस

ग्वालियर बुधवार, 15 नवम्बर, 2017

दोस्ती सप्ताह में बच्चों को किया जागरूक

श्योपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

दिवस के अवसर पर चाइल्ड लाइन श्योपुर टीम द्वारा चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम की शुरुआत की गई, जिसमें महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित बेटी पढाओ केन्द्र की टीम, गांव के बच्चों व लोगों के साथ मिलकर चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गांव के लोगों को बच्चों की मदद के लिये चाइल्डलाइन से जोड़ना व बालिका शिक्षा के बारे मे जागरूक करना था। इस कार्यक्रम के दौरान चाइल्डलाइन के डॉयरेक्टर जयसिंह जादोन द्वारा लोगों को बालिका शिक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बालक-बालिकाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेने के बारे में समझाया। कार्यक्रम में विदेश से आए हुए मेहमानों ने भी भाग लिया तथा मुसीबत में फंसे बच्चों की मदद के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर कॉल करने के बारे में कहा। इस दौरान बेटी पढाओ केन्द्र के समन्वयक अशोक कुमार, चाइल्ड लाइन टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, शुभम शर्मा, सुपरवाइजर अशोक जाटव व विदेशी मेहमान उपस्थित रहे।

चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम

दिनांक – 15.11.2017
स्थान – बालिका छात्रावास, श्योपुर
उददेश्य – बाल फिल्म के माध्यम से बाल योन शोषण व अच्छे एवं बुरे स्पर्श के बारे में जानकारी

चाइल्डलाइन टीम द्वारा चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के प्रोग्राम के दूसरे दिन पर बालिका छात्रावास श्योपुर मे बालिका एवं शिक्षको के साथ चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। जिसका उददेश्य बालिकाओ को चाइल्डलाइन से जोडना था। इस अवसर पर चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा बाल फिल्म दिखाई गयी साथ ही उन्हे भोजन भी करवाया गया तथा बालिकाओ को गुड टच व बैड टच के बारे मे जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा बालिकाओ को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि चाइल्डलाइन 24 घटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

उन्होनें बताया कि यदि किसी बच्चे के जबरदस्ती मजदूरी करवाई जा रही हो या बाल विवाह किया जा रहा हो या किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा अनाथ व बेसहारा हो, या कोई बच्चा गुम हो गया हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुच जाती है।

बालिकाओं को फिल्म के माध्यम से योन शोषण के बारे मे जानकारी दी गयी।

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह –

इसी के साथ बच्चो को चाइल्डलाइन के दोस्ती सप्ताह के बारे मे जानकारी दी तथा बताया कि यह चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम 14 नवम्बर से 20 नवम्बर तक मनाया जाता है जिसमे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो व बच्चो के लिये काम कर रहे सरकारी विभागों व गैर सरकारी संस्थाओं के सभी अधिकारियों व कार्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षको, छात्र–छात्राओ तथा आम नागरिको को भी चाइल्डलाइन से जोडा जाता है। जिससे कि सभी चाइल्डलाइन से जुडकर बच्चो की ज्यादा से ज्यादा मदद कर सके।

हेल्पलाइन नम्बर के बारे मे –

बालिकाओ को चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर–1098, पुलिस हेल्पलाइन नम्बर– 100, महिला हेल्पलाइन नम्बर– 1090/1091, एम्बुलेंस हेल्पलाइन नम्बर– 108, फायरबिगेड 101, के बारे मे जानकारी दी गयी तथा इनको किस प्रकार से और कब उपयोग करना है इसके बारे मे बताया गया।

बाल फिल्म प्रोग्राम– बालिकाओ को बाल योनशोषण के बारे मे व अच्छे व बुरे टच को समझाने के लिये बाल फिल्म दिखाई गयी तथा फिल्म के दौरान समय–समय पर चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा समझाया गया कि इस प्रकार की समस्या होने पर आप किस प्रकार से स्वयं को सुरक्षित रख सकते है व चाइल्डलाइन को सूचना देकर स्वयं की भी मदद ले सकते है।

भोजन कार्यक्रम–

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा शहर की गरीब बस्ती मे रहने वाली बालिकाओ के साथ भी चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह मनाया गया इस दौरान बालिकाओ को दीनदयाल रसोई मे भोजन करवाया गया व साथ साथ उनको गुड टच व बैड टच के बारे मे जानकारी दी गई –

बालिकाओ को दीनदयाल रसोई मे भोजन करवाया गया तथा उन्हे गुड टच व बैड टच के बारे मे जानकारी दी गयी।

चाइल्डलाइन टीम काउंसलर अनामिका पाराशर– आज–कल बालिकाओ के साथ बढ़ते हुये अपराधो को देखते हुये चाइल्डलाइन टीम द्वारा गरीब आदिवासी बस्ती मे रहने वाली बालिकाओ की सुरक्षा के लिये बालिकाओ को गुड टच व बैड टच के बारे मे जानकारी देते हुए हुए श्रीमति पाराशर ने बताया कि हमारे शरीर में कुछ निजी अंग होते है जैसे कि–छाती, होंठ, कमर के नीचे का अंग यह हमारे निजी अंग होते है जिन्हे कोई दूसरा व्यक्ति हमारी इजाजत के बिना न देख सकता है और न छू सकता है। यदि छू सकती है तो सिर्फ हमारी माता वो भी जब हमें नहलाती हो या कभी हमें उन निजी अंग पर चोट लग जाती है तब डॉक्टर भी ईलाज करते समय छू सकता है। इसके अलावा कोई भी दूसरा अन्य व्यक्ति हमें नहीं छू सकता है।

यदि कोई व्यक्ति आपको गलत नीयत से छूने की कोशिश करे और अगर आपको ये अच्छा नही लगता है। तो आपको जोर जोर से चिल्लाना चाहिये एवं वहा से भाग जाना चाहिये। इसके बारे में अपने माता–पिता या जिन पर आप को सबसे ज्यादा भरोसा हो उन्हे बताना चाहिये। और साथ ही चाइल्डलाइन 1098 पर इस बात की शिकायत करनी चाहिये।

इसी के साथ बालिकाओ को बालयोन शोषण के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि यदि आपके साथ स्कूल, रास्ते या घर के आपस पास किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार या छेडछाड की जाये तो आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर मे अवश्य दे, इस प्रकार के केसो मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिका का नाम गोपनीय रखा जाता है।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

7 मैं रोबोट नहीं, मुझे भी आराम की जरूरत : विराट

श्योपुर : कार्यक्रम में आदिवासी बालिकाओं को भोजन कराते कार्यकर्ता।

बालिकाओं को दोस्ती सप्ताह के तहत दीनदयाल रसोई में कराया भोजन

श्योपुर ब्यूरो : महात्मा गांधी सेवा आश्रम की ओर से संचालित चाइल्ड लाइन द्वारा बुधवार को दोस्ती सप्ताह मनाया गया। इस मौके पर बालिकाओं को दीनदयाल रसोई में भोजन कराया गया। दोस्ती सप्ताह के तहत हुए कार्यक्रम में बालिकाओं को चाइल्ड लाइन की सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। टीम के सदस्यों ने बताया कि मुसीबत पड़ने पर कोई भी बालक–बालिका की खबर चाइल्ड लाइन को टोल फ्री नंबर 1098 पर दी जा सकती है। ताकि बालक–बालिकाओं की त्वरित मदद की जा सके। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस मौके पर विप्लव शर्मा, मनोज सोनी, गौरव आचार्य, सत्येन्द्र सिंह, शुभम शर्मा, अनामिका पाराशर आदि मौजूद रहे।

श्योपुर पत्रिका

sheopur patrika

ग्वालियर, गुरुवार 16 नवंबर 2017

कराहल . विजयपुर . बड़ौदा . वीरपुर

दीनदयाल रसोई में कराया भोजन, दी जानकारी

[illegible]

दिनांक–16.11.2017

दिनांक 16.11.2017 को चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो की मदद करने वाले व चाइल्डलाइन का सहयोग करने वाले सभी विभागों के अधिकारियो व कर्मचारियो के साथ चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। जिसमे सभी विभाग प्रमुख व कर्मचारियों के फ्रेंडशिप बेंड बांधे गये तथा बच्चों के हितो के लिये साथ मे मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया।

पुलिस विभाग –

चाइल्डलाइन टीम द्वारा जिले के एस.पी. डॉ. शिवदयाल सिंह गुर्जर व एडिशनल एस.पी. सुमन गुर्जर से मिलकर कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रोग्राम 14 से 20 नवम्बर तक मनाया जा रहा है जिसमे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो व बच्चो के लिये काम कर रहे सरकारी विभागों गैर सरकारी संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियो,समाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों तथा नागरिको को चाइल्डलाइन से जोडा जाता है जिससे कि सभी मिलकर चाइल्डलाइन से जुडकर बच्चो की ज्यादा से ज्यादा मदद कर सके।

एस.पी. डॉ. शिवदयाल सिंह गुर्जर को चाइल्डलाइन टीम की मदद करने के लिये धन्यवाद देते हुए टीम समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा फ्रेंडशिप बेंड बांधा गया।

एडिशनल एस.पी. सुमन गुर्जर को चाइल्डलाइन टीम का सहयोग करने के लिये फ्रेंडशिप बेंड बांधते हुए – चाइल्डलाइन टीम सदस्य

इसके साथ ही टीम समन्वयक श्री विप्लव शर्मा द्वारा शहर मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा किये गये कार्यो के बारे मे जानकारी दी गयी व भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चे व लापता बच्चों के लिये और अधिक सहयोग व साथ मिलकर मदद करने के बारे मे निवेदन किया गया।

जिस पर पुलिस अधीक्षक श्री डॉ. शिवदयाल सिंह द्वारा चाइल्डलाइन टीम के कार्यो की सहराना की गयी तथा भविष्य मे बच्चो से सम्बधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मदद करने के बारे मे आश्वासन दिया गया।

चाइल्डलाइन टीम ने पूर्व मे पुलिस विभाग द्वारा की गयी मदद के लिये उन्हे धन्यवाद दिया तथा पुलिस अधीक्षक श्री डॉ. शिवदयाल सिंह, एडिशनल एस.पी. सुमन गुर्जर, थाना प्रभारी सुधाकर शर्मा तथा पुलिस विभाग के कॉन्सटेबलो व कर्मचारियों के फ्रेन्डशिप बेन्ड बाधें गये।

पुलिस विभाग के साथ चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह मनाते हुए चाइल्डलाइन टीम सदस्य

महिला सशक्तिकरण विभाग –चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह के अर्न्तगत चाइल्डलाइन टीम द्वारा जिले की महिला सशक्तिकरण टीम के साथ दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम मनाया गया जिसमे चाइल्डलाइन के नम्बर 1098 के प्रचार –प्रसार के बारे मे भी बात की गयी तथा चाइल्डलाइन के नम्बर को शहर के सार्वजनिक स्थानो पर अंकित करवाने की बात की गयी तथा चाइल्डलाइन टीम के सहयोग करने के लिये उपस्थित सभी महिला सशाक्तिकरण के टीम सदस्यों को फ्रेन्डशिप बेंड बाधें गये।

चाइल्डलाइन द्वारा किये गये कार्यो की प्रशंसा करते हुए महिला सशक्तिकरण अधिकारी श्री रिशु सुमन को द्वारा चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा को फ्रेन्डशिप ब्रेड बांधा गया।

इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण के अधिकारी रिशु सुमन द्वारा जिले मे चाइल्डलाइन टीम द्वारा किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा की गयी तथा भविष्य मे भी चाइल्डलाइन टीम को मदद करने के लिये आश्वासन दिया इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण अधिकारी द्वारा चाइल्डलाइन टीम के साथ मिलकर बच्चों की मदद के लिये चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा को फ्रेन्डशिप बेंड बाधा गया।

श्रम अधिकारी –चाइल्डलाइन टीम द्वारा श्रम विभाग की टीम के साथ चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम मनाया गया चाइल्डलाइन टीम समन्वयक श्री विप्लव शर्मा द्वारा मजदूरी करने वाले बच्चो की मदद के लिये साथ मे मिलकर काम करने व बाल मजदूरी को रोकने के लिये जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया। इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा श्रम अधिकारी व श्रम निरीक्षक तथा अन्य कर्मचारियों को फ्रेन्डशिप बेंड बाधें गये।

श्रम विभाग के अधिकारी व श्रम निरीक्षक से बच्चो की मदद के लिये सहयोग करने के उददेश्य से फ्रेडशिप बेडं बांधे गये।

बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष संगीता आग्रवाल को चाइल्डलाइन टीम का सहयोग करने के लिये धन्यवाद दिया व फ्रेडशिप बेंड बांधे गये।

बाल कल्याण समिति – चाइल्डलाइन टीम द्वारा चाइल्डलाइन से दोस्ती कार्यक्रम के अन्तर्गत चाइल्डलाइन टीम का सहयोग करने वाले बाल कल्याण समिति के सदस्य व किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यो के साथ चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह मनाया इसके साथ ही बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चो से सम्बधित केसों मे की गयी मदद के लिये धन्यवाद दिया गया। समिति की अध्यक्ष संगीता अग्रवाल द्वारा भी चाइल्डलाइन द्वारा बच्चो की मदद के लिये किये कार्यो की प्रशंसा की गयी तथा चाइल्डलाइन व बाल कल्याण समिति के आपसी ताल मेल व सहयोग को बाल संरक्षण की दिशा मे अच्छा कदम बताया गया।

किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य – चाइल्डलाइन टीम द्वारा किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य को भी चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम के बारे मे जानकारी दी गयी तथा उनको फ्रेन्डशिप बेन्ड बाधे गये।

बोर्ड के सदस्य श्रीमान रामप्रसाद पारेता जी द्वारा बताया गया कि जिले मे चाइल्डालाइन टीम द्वारा कई बच्चो की मदद की जा रही है तथा बच्चो को उनके अधिकारो के बारे मे जागरूक किया जा रहा है। इसके बात की जानकारी सोशल मीडिया, अखबारो व लोगो के माध्यम से लगातार मिलती रहती है। बच्चो की मदद के लिये हम हमेशा चाइल्डलाइन टीम की मदद करेगे।

चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह– प्रोग्राम
(पेन्टिंग व सामान्यज्ञान प्रतियोगिता)

चाइल्डलाइन टीम द्वारा चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम रायपुरा के शा.मा.विद्यालय मे बच्चो एवं शिक्षको के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चाइल्डलाइन व दोस्ती सप्ताह के बारे मे जानकारी देते हुए– टीम सदस्य

जिसका उददेश्य गांव के बच्चो व शिक्षको को चाइल्डलाइन से जोडना था। इस अवसर पर जिसमे चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा पेन्टिंग व सामान्यज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूल के सभी बालक व बालिकाओ ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा बच्चो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि चाइल्डलाइन 24 घटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

यदि किसी बच्चे के जबरदस्ती मजदूरी कावायी जा रही हो या बाल विवाह किया जा रहा हो अथवा किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा आनाथ व बेसहारा हो, या कोई बच्चा गुम हो गया हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुच जाती है।

चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम –

इसी के साथ बच्चो को चाइल्डलाइन के दोस्ती सप्ताह के बारे मे जानकारी दी तथा बताया कि यह चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम 14 नवम्बर से 20 नवम्बर तक मनाया जाता है जिसमे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो व बच्चो के लिये काम कर रहे सरकारी विभाग व गैर सरकारी संस्थाओं के सभी अधिकारियो व कर्मचारियों, कई सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षको तथा आम जन को भी चाइल्डलाइन से जोडा जाता है। ताकि चाइल्डलाइन के साथ मिलकर, चाइल्डलाइन से जुडकर बच्चो की ज्यादा से ज्यादा मदद कर सके।

पेंटिग प्रतियोगिताः– इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा छात्रा– छात्राओ के साथ पेटिंग व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे सभी कक्षाओ के छात्र–छात्राओ ने भाग लिया इस दौरान चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो को ग्रुप मे बैठाया गया तथा बच्चो द्वारा विभिन्न प्रकार के चित्र बनाकर उसमे रंग भरे गये। इसके बाद स्कूल मे प्राचार्य व शिक्षको द्वारा बच्चो के चित्रो की जांच की गयी व जिसमे बालिका सोनल प्रथम स्थान पर रही।

छात्र –छात्राएं पेन्टिगं प्रतियोगिता के भाग लेते हुए

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता –

चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बच्चो के लिये सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे टीम सदस्य द्वारा छात्र व छात्राओ के कुछ ग्रुप बनाये गये तथा सभी छात्र छात्राओ के ग्रुप से बारी– बारी से सामान्यज्ञान से सम्बधित से सम्बधित प्रश्न पूछे गये तथा प्रतियोगिता मे सर्वाधिक सही जबाब देने वाले ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान लाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरूस्कार वितरण करते हुए

विजेता बालक एवं बालिका को किया पुरूस्कृत :-

इसके पश्चात चाइल्डलाइन टीम द्वारा चित्रकला एवं सामान्यज्ञान प्रतियोगिता के पश्चात विजेताओ को चाइल्डलाइन टीम द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। पुरस्कार विद्यालय के प्राचार्य ओ.पी. भाटिया प्रदान किये गये।
प्रचार्य श्री भाटिया ने चाइल्डलाइन द्वारा बालसंरक्षण की दिशा में किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा करते हुए इन कार्यो मे मदद करने का आश्वासन दिया।

श्योपुर भास्कर

शनिवार 18 नवंबर, 2017 मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष अमावस्या, 2074

विजयपुर > कराहल > रघुनाथपुर > वीरपुर > मानपुर > दांतरदा

बच्चों ने चित्रों के जरिए चाइल्ड लाइन से किया दोस्ती का इजहार

भास्कर संवाददाता | सोईकलां

चाइल्ड लाइन द्वारा चलाए जा रहे दोस्ती सप्ताह के तहत शुक्रवार को ग्राम रायपुरा में शासकीय माध्यमिक विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें बच्चों ने कूची के जरिए अपनी कल्पनाओं में रंग भरते हुए आकर्षक चित्रकारी की। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी पेंटिंग निर्णायक मंडल को दिखाई। विजेता बाल चित्रकार आशीष प्रजापति, सुलोचना प्रजापति, नीलम बैरवा, संजना बैरवा, महिमा जाट, साक्षी शर्मा को चाइल्ड लाइन टीम द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा ने चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रमों के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए मुसीबत और शोषण के शिकार बच्चों के बारे में सूचना चाइल्ड लाइन को देकर उनके मददगार बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य ओपी भाटिया, चाइल्ड लाइन टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, राजेश मीणा, शुभम शर्मा, सुमनलता श्रीवास्तव, सत्येंद्र सिंह एवं शिक्षक चंद्रप्रकाश गुप्ता, सुग्रीव लाल जाटव, दुर्गा प्रसाद माहौर, टीचर नसीम बानो उपस्थित रहीं।

नव भारत

ग्वालियर | शनिवार | 18 नवंबर, 2017 | वर्ष 22 | अंक 285 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 3.00 | www.navabharat.net

स्कूली छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए बताए नियम

बड़ौदा, 17 नवंबर. आज शा. उ. मा. विद्यालय बड़ौदा मे थाना प्रभारी सुधाकर तोमर और उनकी पूरी टीम ने स्कूल की बालिकाओं को कानून का पाठ पढ़ाया और सतर्क कैसे रहा जाये और सोशल मिडिया के प्रति अलर्ट हो कर उसे करने के लिये समझाया और 1090 महिला हैल्प लाईन और 100 डायल नम्बर व चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 की जानकारी दी.

बच्चों को समझाया की समाज क्या कहेगा उस डर से किसी की प्रताड़ना या छेड़छाड़ या और कोई परेशानी को सहने की जरुरत नही है पुलिस आप के साथ है हमेशा आप की मदद के लिये त्यार है बस आप लोग अलर्ट रहे और कई बच्चो ने कई तरह के सवाल पूछे पुलिस कैसे मदद करती है इन सब की जानकारी बड़ौदा थाना प्रभारी सुधाकर जी तोमर ने दी.

रायपुरा मे दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम आयोजित

चाइल्ड लाइन श्योपुर द्वारा ग्राम रायपुरा मे दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम के तहत शासकीय माध्यमिक विद्यालय रायपुरा मे कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस दौरान बच्चो को जहाँ मुसीबत की स्थिति निर्मित होने पर चाइल्ड लाइन के नंबर 1098 सहित अन्य मददगार नंबरों को फोन कर सूचना देने के सम्बन्ध में बताया गया। वही बच्चो के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे विद्यालय के बच्चो द्वारा बढ चढकर भागीदारी की गई। कार्यक्रम के अंत मे विजयी प्रतिभागी आशीष प्रजापति, सुलोचना प्रजापति, नीलम बैरवा, संजना बैरवा, महिमा जाट, साक्षी शर्मा को चाइल्ड लाइन टीम द्वारा पुरस्कृत भी किया गया. कार्यक्रम मे चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा, स्कूल के प्राचार्य ओ.पी. भाटिया, चाइल्ड लाइन टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, राजेश मीणा, शुभम शर्मा, सुमनलता श्रीवास्तव, सत्येंद्र सिंह एवं शिक्षक चंद्रप्रकाश गुप्ता, सुग्रीव लाल जाटव, दुर्गा प्रसाद माहौर व शिक्षिका श्रीमति नसीम बानो उपस्थित रही।

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह- प्रोग्राम
(कानून एवं एक्ट से सम्बधित जानकारी व जन्मदिवस)

चाइल्डलाइन टीम द्वारा चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत बालिका छात्रावास में बालिकाओ को कानून एवं बालअधिकारो के बारे मे जानकारी दी गई व बालिका का जन्म उत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा बच्चो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि चाइल्डलाइन 24 घटे चलने वाली मुफ्त आपातकालीन सेवा है। यह महिला एवं बालविकास मंत्रालय की परियोजना है। जो कि 0 से 18 वर्ष तक के उन बच्चो के लिये है जिन्हे देखभाल व सुरक्षा की जरूरत है।

उन्होने बताया कि यदि किसी बच्चे से जबर्दस्ती मजदूरी करवायी जा रही हो या बाल विवाह किया जा रहा हो अथवा किसी बच्चे से भीख मंगवाई जा रही हो या कोई बच्चा अनाथ व बेसहारा हो, या कोई बच्चा गुम हो गया हो तो उस बच्चे की मदद के लिये आप इस बात की जानकारी चाइल्डलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर अवश्य दे। हमारी टीम सूचना मिलने के 60 मिनिट के अन्दर उस बच्चे की मदद के लिये पहुच जाती है।

छात्राओ को दोस्ती सप्ताह व चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे जानकारी देते हुए

दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम -

इसी के साथ बच्चो को चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम के बारे मे जानकारी दी तथा बताया कि यह चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम 14 नवम्बर से 20 नवम्बर तक मनाया जाता है जिसमे चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो व बच्चो के लिये काम कर रहे सरकारी विभागों व गैर सरकारी सस्थाओं के सभी अधिकारियों व कार्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, छात्र-छात्राओ तथा आम जन को भी चाइल्डलाइन से जोडा जाता है। जिससे सभी चाइल्डलाइन से जुडकर बच्चो की ज्यादा से ज्यादा मदद कर सके।

बालिका का जन्म उत्सव कार्यकम मनाते हुए

जन्म दिवस कार्यक्रम-

चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिकाओ के उत्साहवर्धन व उनको चाइल्डलाइन से जोडने के लिये बलिका का जन्म दिवस कार्यक्रम मनाया गया इसके साथ ही उनको बालिकाओ को स्वयं को सुरक्षित करने के तरीको के बारे मे जानकारी दी गयी।

विशेष सत्र - कानून के बारे मे जानकारी-

टीम सदस्य श्रीमति सुमनलता सुमन द्वारा बालिकाओ को उनके अधिकारो व एक्ट के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि उन्हे उनको बाल अधिकारो 1.जीने का अधिकार, 2.सुरक्षा का अधिकार, 3.विकास का अधिकार, 4. सहभागिता का अधिकार प्राप्त है।

लैगिंक अपराधो से संरक्षण 2012 – चाइल्डलाइन टीम द्वारा लैंगिक अपराधो के संरक्षण एक्ट के बारे मे जानकारी देते हुए छात्र व छात्राओ को गुड टच व बैड टच के बारे मे जानकारी दी गयी व बताया गया कि यदि आपके साथ किसी प्रकार का अभद्र व्यवहार किया जाये या आपको रास्ते मे परेशान किया जाये या आपके साथ किसी प्रकार की छेडछाड हो तो आप इस बात की जानकारी 1098 पर अवश्य दे, चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस प्रकार के केसो मे बालिकाओ का नाम गोपनीय रखा जाता है।

छात्राओ को गुड टच- बेड टच के बारे मे जानकारी दी गयी।

मैरिज एक्ट- इस अधिनियम के अनुसार विवाह के समय कम से कम लडके की उम्र- 21 वर्ष व लडकी की उम्र- 18 वर्ष होना आवश्यक है यदि इससे कम उम्र में विवाह किया जाता है तो वह अपराध माना जाता है जिसके लिये विवाह करने वाले तथा उस विवाह मे भाग लेने वाले सभी व्यक्तियो को सजा हो सकती है।

अनिवार्य मुफ्त बाल शिक्षा अधिनियम 2009 – प्राथमिक शिक्षा एक ऐसा आधार है जिस पर देश एवं प्रत्येक नागरिक का विकास निर्भर करता है भारत में 14 वर्ष तक बच्चो को निशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित किया गया है जिसके अंतर्गत 06 से 14 वर्ष तक के सभी बालक एवं बालिकाओं को निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है।

जे.जे. एक्ट 1992 – इस अधिनियम के अन्तर्गत अगर कोई बालक अपराध करता हुआ पकडा गया और उसकी उम्र 7 वर्ष से कम हो तोउस बालक को पुलिस स्टेशन मे बन्द नही किया जा सकता है।

बाल श्रम अधिनियम 1986- इस अधिनियम के अन्तर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे से किसी भी प्रकार की मजदूरी नही करवाई जा सकती है। यदि कोई व्यक्ति एसा करता है तो यह अपराध माना जाता है।

इन अधिकारो के सम्बध में बच्चो को जानकारी दी गई एवं बताया गया कि यदि आप के इन अधिकारो मे से किसी आधिकार का अधिकारो का हनन् हो रहा हो तो आप तुरंत चाइल्डलाइन के 1098 हेल्पलाइन पर किसी भी समय कॉल कर सकते है।

चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह- प्रोग्राम

प्रदर्शनी व हस्ताक्षर अभियान

दिनांक- 19.11.2017

स्थान – गांधी पार्क गुलम्बर, श्योपुर

चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह के अन्तर्गत चाइल्डलाइन श्योपुर व महिला सशक्तिकरण की टीम द्वारा गांधी पार्क श्योपुर पर चाइल्डलाइन, बाल श्रम, बाल यौन शोषण, बेटी पढाओ से सम्बधित प्रदर्शनी लगायी गयी। जिसे बडी संख्या में नागरिको ने देखा तथा इसकी प्रशंसा की।

इसके साथ ही हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगो से बाल श्रम, भिक्षावृत्ति, बाल योनशोषण से पीडित बच्चो की मदद करने मदद करने के लिये चाइल्डलाइन से जुडने के बारे मे कहा गया।

इस कार्यक्रम मे जिला पंचायात की अध्यक्ष श्रीमति कविता मीणा, महिला सशक्तिकरण अधिकारी रिशु सुमन, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष संगीता अग्रवाल व सदस्य, थाना प्रभारी सुनील खेमरिया, सब ईस्पेक्टर अंजली शर्मा, चाइल्डलाइन के डॉयरेक्टर जयसिंह जादौन व शहर के कई समाज सेवी उपस्थित रहे।

चाइल्डलाइन की प्रदर्शनी का उदघाटन करते हुए जिला पंचायत की अध्यक्ष कविता मीणा

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित जिला पंचायत की अध्यक्ष कविता मीणा ने रिबिन काट कर किया तथा उपस्थित सभी अतिथि व नगरिको द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया। तत्य पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमाति कविता मीणा जी द्वारा वहां उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि छोटी उम्र मे बच्चो से काम करवाना, कम उम्र मे विवाह करना या बच्चो से भिक्षावृत्ति करवाना अपराध है तथा मै भी संकल्प लेती हू कि जहां भी एसे बच्चे मिलेंगे मै 1098 पर इसकी जानकारी दूंगी।

जिला पंचायत की अध्यक्ष, महिला सशक्तिकरण अधिकारी व बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष चाइल्डलाइन की प्रदर्शनी को देखते हुए

उन्होने आगे कहा कि चाइल्डलाइन टीम द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूकता का कार्य किया जा रहा है वह सराहनीय है एवं आज के दिन हम सभी को संकल्प लेकर बाल श्रम, भिक्षावृत्ति, बाल विवाह व बाल योन शोषण के खिलाफ आवाज उठाने का दृढसंकल्प लेना होगा। उन्होने इस अवसर पर लोगो को चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह दिवस के अवसर पर लोगो को चाइल्डलाइन, बाल श्रम, बाल विवाह न करने से संबन्धित पेम्पलेट दिये।

चाइल्डलाइन के डायरेक्टर जयसिंह जादौन ने वहा उपस्थित लोगो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए चाइल्डलाइन द्वारा जिले मे किये गये कार्यो के बारे मे अवगत कराया।

महिला सशक्तिकरण अधिकारी – श्री रिशुसुमन नेबाल योन शोषण के बारे मे जानकारी देते हुए बच्चो के लिये चल रही शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा बताया कि आप चाइल्डलाइन टीम की मदद से भी अपने बच्चो को इस योजनाओ का लाभ दिलवा सकते है।

बाल कल्याण समिति– वहा उपस्थित बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमति संगीता अग्रवाल ने द्वारा लोगो को बाल योन शोषण से के बारे मे जानकारी देते हुए पोस्को एक्ट के बारे मे जानकारी दी गयी। किसी भी प्रकार का शोषण होने पर इस की सूचना चाइल्डलाइन के टोलफ्री नम्बर 1098 पर देने को कहा गया।

चाइल्डलाइन की प्रदर्शनी व हस्ताक्षर अभियान मे भाग लेते हुए थाना प्रभारी श्री सुनील खेमरिया

थाना प्रभारी– *प्रदर्शनी मे उपस्थित नगर निरीक्षक थाना प्रभारी सुनील खेमरिया ने उपस्थित लोगो को बच्चो की सुरक्षा के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की मुसीबत मे होने पर चाइल्डलाइन 1098 व पुलिस का 100 नम्बर पर जानकारी प्रदान कर उन्होने चाइल्डलाइन टीम के साथ मिलकर बच्चो की मदद करने के बारे मे भी लोगों से आग्राह किया।*

हस्ताक्षर आभियान –इसके के साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा भिक्षावृत्ति, बाल योन शोषण, बाल श्रम से पीडित बच्चो की मदद के लिये हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमे उपस्थित सभी अतिथियो, समाजसेवी कार्यकर्ता, व बच्चो ने हस्ताक्षर कर अभियान मे सहयोग का अश्वासन दिया।

बच्चों की मदद के लिये चलाये जा रहे हस्ताक्षर अभियान मे भाग लेते हुए – जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमति कविता मीणा, महिला सशक्तिकरण अधिकारी, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष, चाइल्डलाइन डॉयरेक्टर व नगरिकगण।

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम

दिनांक– 20.11.2017

स्थान– रेलवेस्टेशन, ऑटो स्टेण्ड, बस स्टेण्ड

कार्यक्रम– चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम (रेलवे स्टेशन, बस व ओटो पर पेम्पलेट, पोस्टर व बैनर लगाये गये।)

चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत शहर के रेलवे स्टेशन, ऑटो स्टेण्ड, बस स्टेण्ड व सार्वजनिक स्थानो मे लोगो को चाइल्डलाइन के प्रति जागरूक करने व बच्चो की मदद के लिये लोगो को चाइल्डलाइन से जोडने के उददेश्य से रेल, ऑटो एवं बसो पर चाइल्डलाइन के पंम्पलेट्स व बेनर चिपकाये गये एवं लोगो को चाइल्डलाइन के बारे में जागरूक किया गया।

रेलवे स्टेशन में किया जागरूक :-

सर्वप्रथम चाइल्डलाइन टीम ने शहर के रेलवे स्टेशन पर रेलवे के कार्मचारियो को चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम के बारे मे स्टेशन मास्टर व अन्य सभी कार्मचारियो को जानकारी तथा चाइल्डलाइन बच्चों की मदद के लिये चाइल्डलाइन से जुडने के बारे मे कहा गया। रेलवे के कर्मचारियों द्वारा चाइल्डलाइन टीम को पूर्ण रूप से सहयोग करने की बात कही गयी।

साथ ही वहा उपस्थित यात्रियो व बच्चो को चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह के बारे मे जानकारी दी तथा मुसीबत मे फसे बच्चो की जानकारी मिलने उनकी मदद के लिये चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर इसकी जानकारी देने के बारे मे कहा गया व उनके साथ मिलकर रेलवे स्टेशन पर चाइल्डलाइन व बाल मजदूरी से सम्बधित पोस्टर लगाये गये।

सार्वजनिक स्थानो पर चाइल्डलाइन के पोस्टर लगाते हुए चाइल्डलाइन टीम सदस्य

बस व ऑटो पर लोगो को किया जागरूक -

चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा बस स्टेंड व ऑटो स्टेंड पर बस व ऑटो चालको व वहा उपस्थित यात्रीयो के साथ चाइल्डलाइन दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया इसमे चाइल्डलाइन टीम सदस्य श्री गौरव आचार्य द्वारा बस व ऑटो चालको को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी देते हुए उनको चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे मे बताया गया।

इसके अलावा बस कन्डेक्टरो को समझाया गया कि यदि कभी आप देखे कि आपकी बस में या किसी अन्य साधन में कोई कम उम्र का बालक एवं बालिका बिना अपने माता-पिता के बस में यात्रा कर रहा हो और आपको लगे कि उसे किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो भी आप तुरंत ही चाइल्डलाइन के नम्बर पर इसकी जानकारी दे।

चाइल्डलाइन टीम द्वारासर्वजनिक स्थानो पर पोस्टर लगाते हुए एवं उपस्थित लोगों को चाइल्डलाइन व दोस्ती सप्ताह प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी गयी

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा बैसहारा व जरूरत मंद बच्चो की मदद के लिये चाइल्डलाइन से जुड़ने के बारे मे कहा गया व सभी चालको द्वारा अपनी बसो मे ले जाकर बसो पर चाइल्डलाइन के पोस्टर व पंम्पलेटस लगाये गये व बसो मे उपस्थित यात्रियो को चाइल्डलाइन के बारे मे जानकारी दी गयी।

पत्रिका

सोयाबीन 2400-2841

भाव रुपए प्रति क्विंटल।

जागरूकता

बच्चों को जानकारी देते चाइल्ड लाइन सदस्य।

दोस्ती सप्ताह में बच्चों को किया जागरूक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

श्योपुर. चाइल्ड लाइन के दोस्ती सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत श्योपुर की टीम ने शनिवार को शहर के रेलवे स्टेशन, बसस्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर लगाए और पर्चे बांटे। साथ ही बच्चों को चाइल्ड लाइन टोल फ्री नंबर 1098 के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। इस दौरान विप्लव शर्मा, मनोज सोनी, गौर आचार्य, राजेश मीणा, सत्येंद्र नरवरिया, शुभम शर्मा, सुमलता आदि मौजूद रहे।

ओपन हाउस प्रोग्राम

ओपनहाउस प्रोग्राम के दौरान चाइल्डलाइन टीम द्वारा उस क्षेत्र के लोगों व बच्चों से मिलकर चाइल्डलाइन व बाल अधिकारों की जानकारी देने के साथउस क्षेत्र के बच्चों की समस्याओं की जानकारी ली जाती है तथा बच्चों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

- माह- अप्रेल 2017

  स्थान- नन्दापुर

बच्चो की समस्याये-उपस्थित लोगों द्वारा बताया गया कि गांव की उजमा नाम की बालिका उम्र लगभग 17 साल, किसी आदमी के साथ भाग गयी है।

ओपन हाउस के दौरान समाधान हेतु प्रयासः- चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिका के परिवार के सदस्य के साथ जा कर बालिका को भगाकर लेजाने की रिपोर्ट दर्ज करवायी गयी।

इस विषय की जानकारी बाल कल्याण समिति को दी गयी तथा इस विषय मे उचित कार्यवही करने के बारे मे कहा गया।

इसके साथ ही टीम सदस्य द्वारा बालिका के घर व पुलिस स्टेशन जाकर समय-समय पर फॉलोअप लिया गया, कुछ दिनो बाद चाइल्डलाइन को पुलिस व परिवार के सदस्यों द्वारा बताया गया कि बालिका घर लौट आयी है।

- *माह- मई 2017*

  स्थान- दीनदयाल बस स्टेड, श्योपुर

बच्चो की समस्यायें -3 बालको राहुल बैरवा उम्र- 8 वर्ष, राजु बैरवा उम्र- 10वर्ष, मोनु बैरवा उम्र- 8वर्ष द्वारा बताया गया कि हम स्कूल मे पढना चाहते है लेकिन हमारे माता पिता हम को स्कूल मे नही भेजते है।

ओपन हाउस के दोरान समाधान हेतु प्रयासः- इस स्थिति को देखते हुए चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो के घर पहुच कर उनके माता-पिता से इस विषय पर बात की तथा उनकी काउन्सलिंग कर उनको बच्चों को स्कूल मे भर्ती करवाने के बारे मे समझाया गया तथा टीम सदस्य द्वारा बच्चो से नये सत्र से स्कूल प्रारंभ होने पर, बच्चों को एडमिशन करवाने के बारे मे कहा गया।

नये सत्र मे स्कूल के प्रारंभ होने पर चाइल्डलाइन टीम बच्चों के घर पहुचकर, बच्चे व उनके माता पिता को साथ लेकर स्कूल पहुंची व स्कूल के प्राचार्य की मदद से बच्चो को स्कूल मे भर्ती करवाया गया।

- *माह- जून 2017*

  स्थान-गांव -इछापुरा, श्योपुर

*बच्चो की समस्याये-*चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो से सम्बधित समस्याए पूछने पर बालिका की माता द्वारा बताया गया कि मेरी बालिका विकलांग है तथा मेरे द्वारा बालिका का विकलांग प्रमाण पत्र बनवाने की कोशिश की गयी लेकिन बालिका का विकलांग प्रमाण पत्र नही बन सका है इस कारण बालिका को किसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ नही मिल पाता है, अतः मै चाइल्डलाइन टीम की मदद से बालिका का विकलांग प्रमाण पत्र बनवाना चहती हूं जिससे कि बालिका को योजनाओ का लाभ मिल सके।

ओपन हाउस के दोरान समाधान हेतु प्रयासः-

चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालिका से मिलकर उसकी स्थिति के बारे मे जानकारी ली तथा बालिका का विकलांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिये आवश्यक डॉक्युमेंट तैयार करवाये गये।

इसके साथ ही बालिका का लोकसेवा केन्द्र मे पंजीयन करवाया गया तथा जिला अस्पताल ले जाकर बालिका की जांच करवाकर बालिका का विकलांग प्रमाण पत्र बनवाया जिससे कि बालिका को जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ मिलने गया।

- *माह- जुलाई 2017*

  स्थान- गांव -ढोढर, श्योपुर

*बच्चो की समस्याये-*छात्र द्वारा बताया गया कि मुझे कक्षा- 11वी की किताब अभी तक नही मिली है।

ओपन हाउस के दौरान समाधान हेतु प्रयासः-

चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस विषय स्कूल में प्रिसींपल के बात की गयी प्रिसींपल का कहना था कि हमारे द्वारा सभी विषय की किताब छात्र-छात्राओ को बाट दी गयी है लेकिन एक विषय की किताब हमारे पास शासन से ही नही आयी है। वह किताब कुछ ही दिनो मे आने वाली है। किताब के आते ही सभी को वह बाट दी जायेगी।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस विषय मे शिक्षा विभाग के जिला कार्यलय से भी बात की गयी व तथा उनको स्थिति के बारे मे जानकारी देते हुए, जल्द स्कूल तक किताब पहुचाने के बारे मे कहा गया।

कुछ दिनो बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा फोन के माध्यम से स्कूल के प्रिसींपल से बात की गयी उनके द्वारा बताया गया कि छात्र-छात्राओ को किताब बाट दी गयी है।

- माह- अगस्त 2017

  स्थान- तहसील- बडोदा, श्योपुर

बच्चो की समस्याये-शिक्षक द्वारा जानकारी दी गयी कि पास के गांव मे एक बालक के माता पिता की मृत्यु हो चुकी।

ओपन हाउस के दौरान समाधान हेतु प्रयासः-

चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बालक के गांव पहुच कर बालक की स्थिति के बारे मे जानकारी ली। जिसमे पता चला कि बालक वर्तमान मे अपने चाचा के साथ रहता है।

चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस विषय की जानकारी बाल कल्याण समिति को दी गयी व बालक के हित मे उचित कार्यवाही करने के बारे मे कहा गया।

ओपन हाउस लगाकर बच्चों को शोषण के प्रति किया जागरूक

भास्कर संवाददाता | श्योपुर

बाल कल्याण समिति एवं चाइल्डलाइन टीम ने मंगलवार को बड़ौदा पहुंचकर हायर सेकंडरी स्कूल में ओपन हाउस प्रोग्राम किया। चाइल्ड लाइन टीम ने इस कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को शोषण के शिकार बच्चों के मददगार बनने के लिए चाइल्ड लाइन से जुड़ने तथा बाल अधिकारों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाई।

टीम समन्वयक विप्लव शर्मा ने बताया कि चाइल्ड लाइन 24 घंटे सक्रिय एक आपातकालीन सेवा है, जो 16 साल तक बच्चों की मदद अपने देशभर में फैले नेटवर्क के जरिए करती है। किसी भी बच्चे के गुम होने , लावारिस मिलने, जबरन काम कराने, बाल विवाह सहित शारीरिक और मानसिक शोषण के शिकार बच्चों के बारे में चाइल्ड लाइन के टोल फ्री नंबर 1098 डायल करके तुरंत सूचना दें। कार्यक्रम के दौरान बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष संगीता अग्रवाल ने बाल अधिकारों के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को शोषण कतई के बर्दाश्त नहीं करने और अपराधी के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए कहा। चाहे बच्चे पर अत्याचार करने वाला व्यक्ति परिवार का ही क्यों न हो। चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा स्कूल के प्रिंसिपल केसी गोयल, चाइल्ड लाइन टीम सदस्य मनोज सोनी गौरव आचार्य, हृदयेश गुर्जर, सत्येंद्र सिंह, शिक्षक हरीश गौतम,भारत सिंह जाट, सुरेश गुप्ता, मंगलेश शर्मा, नरेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

- *माह– सितम्बर 2017*

स्थान– सावडी, तहसील–कराहल, जिला– श्योपुर

बच्चो की समस्यांए –एक समाजसेवी कार्यकर्ताद्वारा जानकारी दी गयी कि एक बालक को स्कूल द्वारा मिलने वाली छात्रवृत्ति नही दी गयी है।

ओपन हाउस के दौरान समाधान हेतु प्रयासः–

चाइल्डलाइन टीम सदस्य श्री सत्येन्द्र सिंह द्वारा बालक के गांव पहुच कर बालक की स्थिति के बारे मे जानकारी ली। व इस विषय मे स्कूल मे प्रिसीपल से बात की गयी।

प्रिसीपल द्वारा इस विषय मे जानकारी देते हुए बताया कि हमारे द्वारा बालक की छात्रवृत्ति डाल दी गयी है लेकिन छात्र द्वारा बैक में खाता नही होने के कारण उनके द्वारा अपने किसी रिश्तेदार का खाता क्रमांक दिया गया है हमारे द्वारा उस खाते मे बालक की छात्रवृत्ति के पूरे रूपये डलवा दिये गये हैं।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बालक के घर पहुचकर इस विषय की जानकारी दी व उस सम्बधित व्यक्ति के खाते से बालक की छात्रवृत्ति के रूपये दिलवाये गये।

चाइल्ड लाइन ने बच्चों को बताया अच्छे-बुरे स्पर्श का फर्क

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्योपुर। चाइल्ड लाइन टीम द्वारा ग्राम सावडी तहसील कराहल में बालिका को अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे में जागरूक करने के लिए अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमें आदिवासी समाज की बालिकाओं को अच्छे-बुरे स्पर्श के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि यदि कोई व्यक्ति आपको गलत नियत से छूता है या आपके साथ किसी प्रकार को अभद्र व्यवहार करता है तो आप इसके बारे में अपने माता-पिता,अपनी टीचर या वह व्यक्ति जिस पर आप विश्वास करते हैं,को जरूर बताएं। साथ ही आप इसकी जानकारी चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर पर अवश्य दें। चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस प्रकार के केसों में बालिकाओं का नाम गोपनीय रखा जाता है। इसके साथ ही गांव की पुरूष व महिलाओं को भी बच्चों की बाते सुनने व उनका विशेष रूप से ख्याल रखने के बारे में कहा गया,जिससे कि बच्चे सुरक्षित रह सकें। इसके साथ ही चाइल्ड लाइन टीम सदस्य द्वारा लोगों को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक बच्चों की मदद करने के बारे में कहा गया। इस दौरान चाइल्डलाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा,गौरव आचार्य,सत्येन्द्र सिंह,राजेश मीणा,सुमनलता श्रीवास्तव व शुभम शर्मा उपस्थित रहै।

4G 7:32 AM 48%

DainikBhaskar.com

1, Oct | Sheopur Bhaskar

PAGE 3

दिलचस्पी नहीं दिखाई। जिले में 178 ग्राम पंचायत ऐसी है जहां एक भी सफाईकर्मी की नियुक्ति नहीं हुई है। सिर्फ 47 ग्राम पंचायत ने ही सफाईकर्मी लगाए थे। इनमें जनसंख्या और क्षेत्रफल के मान से 50 प्रतिशत सफाईकर्मी भी नहीं है।

सबसे बड़े कस्बे तहसील मुख्यालय होने के बावजूद भी ग्राम पंचायत के अधीन होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। उप तहसील मानपुर की भी यही स्थिति है। दरअसल 10 हजार से अधिक आबादी वाले रघुनाथपुर, दांतरदा, सोईकलां, पांडोला, चंद्रपुरा,

के लिए जरूरी संसाधन भी नहीं है। जि ग्रामीण क्षेत्र में बसी लगभग साढ़े तीन ह आबादी को रहने लायक स्वच्छ परि नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण परिवेश फिजा बिगडते के साथ ही जनस्वास्थ्य भी संक्रामक बीमारियों का खतरा रहता

शोषण से बचाने के लिए बच्चों को किया अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में जागरूक

भास्कर संवाददाता | कराहल

चाइल्ड लाइन टीम ने ग्राम सावड़ी पहुंचकर सहरिया बालक-बालिकाओं के बीच अवेयरनेस प्रोग्राम किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को शोषण के प्रति सचेत करते हुए अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में फर्क समझाया। कार्यक्रम में गांव के बच्चे काफी तादाद में शामिल हुए।

चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा के साथ छह सदस्यीय टीम ग्राम सावड़ी पहुंचकर बस्ती में अवेयरनेस प्रोग्राम किया। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों को टीम समन्वयक ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति आपको गलत तरीके से छूता है और आपके विरोध करने के बावजूद भी अभद्र हरकतें करता है तो तुरंत इस बारे में अपने माता -पिता, टीचर या जिस पर आप भरोसा करते है उनको बताएं। कोई भी व्यक्ति आपके शरीर के 4 अंगों को नहीं छू सकता है। बीमारी की दशा में सिर्फ डॉक्टर माता-पिता की मौजूदगी में शरीर के इन निजी अंगों को टच कर सकता है। गांव और आसपास इलाके में किसी भी बच्चे के साथ हो रहे शोषण और दुर्व्यवहार की जानकारी सीधे टोल फ्री नंबर 1098 डायल कर चाइल्ड लाइन को दें। सूचना मिलते ही चाइल्ड लाइन एक्शन लेती है और इसमें सूचना देने वाले बच्चों का नाम गोपनीय रखा जाता है। करीब डेढ़ घंटे चले कार्यक्रम के दौरान गांव के पुरुष और महिलाओं को सलाह दी गई कि अपने बच्चों से बातें करके उनका मन मानस टटोलते रहें। अगर कोई बच्चा अकेला और गुमसुम रहता है तो उसकी वजह जानने का प्रयास करें। ताकि बच्चों के मन में असुरक्षा की भावना न पनप पाए। चाइल्ड लाइन टीम की कार्यप्रणाली से परिचित कराते हुए बताया कि चाइल्ड लाइन 24 घंटे सक्रिय रहने वाले आपातकालीन राष्ट्रीय सेवा है, जो 14 साल तक बच्चों को हर मुसीबत में सहायता देने के साथ ही बाल अधिकारों के संरक्षण का कार्य करती है। सावड़ी पहुंची चाइल्ड लाइन की इस टीम में समन्वयक विप्लव शर्मा, गौरव आचार्य, सत्येन्द्र सिंह, राजेश मीणा, सुमनलता श्रीवास्तव एवं शुभम शर्मा शामिल थे।

रायपरा में बिजल

- माह–अक्टूबर 2017

  स्थान– गांव – कलमी, तहसील–कराहल, जिला– श्योपुर

बच्चो की समस्याए –ग्रामीणों द्वारा जानकारी दी गयी कि तीन बालक अनाथ है बालको के माता पिता की मृत्यु हो चुकी है।

ओपन हाउस के दोरान समाधान हेतु प्रयास :–चाइल्डलाइन टीम सदस्य बच्चो की स्थिति जानने के लिये बच्चों के घर पहुचे वहा बच्चे अपनी दादी के साथ रह रहे थे दादी द्वारा बताया गया कि इनके माता पिता की मृत्यु के बाद मेरे द्वारा ही बच्चो का पालन पोषण किया जा रहा है। मुझे इनका पालन पोषण करने मे परेशानी आती है।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस विषय की जानकारी पत्र के माध्यम से महिला सशक्तिकरण विभाग व बाल कल्याण समिति को दी गयी व इस विषय मे उचित कार्यवाही करने के बारे मे कहा गया।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा बाल कल्याण समिति से इस विषय मे मीटिंग की गयी व इस विषय मे बच्चो के हित मे उचित कार्यवाही करने के बारे मे कहा गया। जिसमे बाल कल्याण समिति द्वारा बताया गया कि इस विषय– जांच की जा रही है।

कुछ महिने बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो की स्थिति के बारे मे जानकारी ली गयी तथा उनकी स्थिति के बारे मे बाल कल्याण समिति को पुनः पत्र मे माध्यम से सूचना दी गयी तथा इस विषय मे जल्द उचित कार्यवाही करने की बात कही गई।

राज एक्सप्रेस
सिटी एक्सप्रेस
शिवपुरी श्योपुर
ग्वालियर शनिवार, 28 अक्टूबर, 2017

चाइल्ड लाइन को मिली 3 अनाथ बच्चों की जानकारी

शिवपुरी श्योपुर
नईदुनिया सिटी
करैरा–बदरवास–कराहल–विजयपुर
www.naidunia.com
ग्वालियर, शनिवार 28 अक्टूबर 2017

कलमी में चाइल्ड लाइन को मिले तीन अनाथ बच्चे

- माह- नवम्बर 2017

  स्थान- गांव - ज्वालापुर, जिला- श्योपुर

बच्चो की समस्याए :- आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि गांव मे कुछ माता पिता एसे है जो कि कई बार कहने पर भी बच्चो का टीकाकरण नही करवाते है जिससे बच्चो मे बिमारियोंका खतरा रहता है।

ओपन आउस के दोरान समाधान हेतु प्रयास :-चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों के माता पिता से मिलकर टीकाकरण से होने वाले लाभ तथा टीका नही लगवाने से होने वाली बीमारियों के बारे मे जानकारी दी गयी। तथा माता पिता की काउन्सलिंग की गयी चाइल्डलाइन टीम सदस्यो द्वारा समझाने पर माता पिता बच्चो का टीकाकरण करवाने के लिये तैयार हो गये।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्य माता पिता को साथ लेकर ए.एन.एम की मदद से बच्चों का टीकाकरण करवाया गया व भविष्य मे भी सही समय पर टीका लगवाने के लिये कहा गया।

- माह- दिसम्बर 2017

  स्थान- गांव -ढेंगदा, तहसील- कराहल, जिला- श्योपुर

बच्चो की समस्याए -समाजसेवी व आंगनवाडी कार्यकर्ता तथा गांव के कई लोगो द्वारा गांव मे 12 अनाथ बालको के बारे में जानकारी दी गई जिनके माता पिता की मृत्यु हो चुकी है।

ओपन आउस के दौरान समाधान हेतु प्रयास :-चाइल्डलाइन टीम सदस्य बच्चो की स्थिति जानने के लिये बच्चों के घर पहुचे। वहा उनकी स्थिति के बारे मे जानकारी ली गयी।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस विषय की जानकारी पत्र के माध्यम से महिला सशक्तिकरण विभाग व बाल कल्याण समिति को दी गयी व इस विषय मे उचित कार्यवाही करने के लिये कहा गया।

इस सम्बध में चाइल्डलाइन टीम द्वारा बाल कल्याण समिति के साथ मीटिंग की गयी व बच्चो के हित मे उचित कार्यवाही करने के बारे मे कहा गया। जिसमे बाल कल्याण समिति द्वारा बताया गया कि इस विषय की जांच की जा रही है।

कुछ महिने बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो की स्थिति के बारे मे जानकारी ली गयी तथा बाल कल्याण समिति से उनके द्वारा की गयी जांच के आधार पर उन बच्चो की सूची मांगी गयी जिनको बाल कल्याण समिति द्वारा उचित लाभ दिया जायेगा।

चाइल्ड लाइन टीम को मिले 12 अनाथ बच्चे

भास्कर संवाददाता | श्योपुर

शहर से सटे ढेंगदा गांव में जब चाइल्ड लाइन की टीम लोगों को बच्चों के अधिकारों के बारे में जानकारी दे रही थी। इसी दौरान टीम को गांव में 12 अनाथ बच्चे मिले। जिस पर टीम के सदस्यों ने कार्रवाई के लिए महिला सशक्तिकरण व बाल कल्याण समिति को सूचना दी।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा चलाई जा रही चाइल्ड लाइन बच्चों के अधिकारों व उनकी सुरक्षा को लेकर काम कर रही है। सोमवार को टीम ढेंगदा पहुंची। जहां ग्रामीणों को टीम ने बच्चों के अधिकारों व सुरक्षा को लेकर जानकारी दी। साथ ही 1098 का उपयोग करने की सलाह दी। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 12 बच्चे ऐसे है, जिनके माता-पिता नहीं है और अब उनकी जिम्मेदारी रिश्तेदार व दादा-दादी उठा रहे है, जो कि सही से नहीं रह पा रहे है। उक्त बच्चों के लिए योजना के तहत सुविधा दी जाए। इस पर टीम ने सभी बच्चों के नाम लिखते हुए सूचना संबंधित विभागों को दी, ताकि बच्चों की काउंसलिंग की जा सके और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

अनाथ बच्चों की जानकारी लेती चाइल्ड लाइन की टीम।

न्यूज गैलरी

ओपन हाउस प्रोग्राम में सामने आए 12 अनाथ बच्चे

श्योपुर । चाइल्ड लाइन टीम को ओपन हाउस प्रोग्राम के तहत 12 अनाथ बच्चे मिले। इन बच्चों के माता पिता नहीं थे वह अपने दादा दादी या रिश्तेदार के साथ रह रहे हैं। इन बच्चों को लेकर जानकारी चाइल्ड लाइन की ओर से महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण समिति को दी जा चुकी है। इस संबंध में उनकी ओर से जल्द ही कार्रवाई करने को कहा गया है। चाइल्ड लाइन टीम के विप्लव शर्मा, मनोज सोनी, गौरव आचार्य, शुभम शर्मा राजेश मीणा ने बताया कि बच्चों को चाइल्डलाइन नंबर की जानकारी देने व उनकी समस्याएं सुनने के लिए ढेंगदा में ओपन हाउस प्रोग्राम रखा गया। जहां चर्चा के दौरान उक्त बच्चे सामने आए।

- *माह-जनवरी 2018*

  स्थान- गांव -कनापुर, जिला- श्योपुर

बच्चो की समस्याए :-1. आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि गांव मे 9 बच्चे है जिनके माता पिता कई बार कहने पर भी बच्चो का टीकाकरण नही करवाते है जिससे बच्चो मे बिमारियां होने का खतरा रहता है।

2. स्कूल की प्रिसींपल द्वारा बताया गया कि स्कूल में बच्चोंके लिये पीने के स्वच्छ पानी व शौचालय की व्यवस्था नही है।

ओपन आउस के दौरान समाधान हेतु प्रयास :-1.चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चो के माता पिता से मिलकर टीकाकरण से होने वाले लाभ तथा टीका नही लगवाने से होने वाली बिमारियो के बारे मे जानकारी दी गयी। तथा माता पिता की काउन्सलिंग की गयी चाइल्डलाइन टीम सदस्यो द्वारा समझाने पर माता पिता बच्चो का टीकाकरण करवाने के लिये तैयार हो गये।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्य माता पिता को साथ लेकर ए.एन.एम की मदद से बच्चो का टीकाकरण कवाया गया व भविष्य मे भी सही समय पर टीका लगवाने के बारे मे कहा गया।

2. सम्बधित विभाग- को पत्र के माध्यम से सूचना दी गयी तथा स्कूल मे जल्द से जल्द शौचालय निर्माण व पानी की व्यवस्था करने के बारे मे कहा गया।

दैनिक भास्कर

प्राचार्य बोलीं- स्कूल में बच्चों के लिए पानी और टॉयलेट की व्यवस्था नहीं

चाइल्डलाइन टीम ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय का किया निरीक्षण

दैनिक जागरण

ग्रामीणों को दी चाइल्डलाइन की जानकारी

श्योपुर : चाइल्डलाइन का ओपन हाउस प्रोग्राम।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम संचालित चाइल्डलाइन टीम द्वारा लोगों व बच्चों को चाइल्डलाइन, व बाल अधिकारों के बारे में जागरूक करने व बच्चों की मदद के लिये लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से इन कार्यक्रमो के अलावा शहर, गांवों व आदिवासी सहरानो में कई अवेयरनेस प्रोग्राम किये गये, जिनकी जानकारी नीचे दी गयी सारणी में उल्लेखित है।

अवेयरनेस- कार्यक्रम

क्र.	*दिनांक*	*स्थान*	*संक्षेप्त विवरण*	*कार्यक्रम के फोटो/ न्यूज कटिंग*
1.	07.04.2017	मेवाती मोहल्लाए श्योपुर	बच्चों व नागरिको को चाइल्डलाइन के बारे में जानकारी देने व 1098 नम्बर का उपयोग सिखाया गया व नगरिको को बाल विवाह, भिक्षावृत्ति व बाल मजदूरी की बुराई के बारे मे जागरूक किया गया।	
2.	17.04.2017	गांव- नन्दापुर, जिला- श्योपुर	आदिवासी समाज के लोगो व बच्चों को चाइल्डलाइन के कार्यो व 1098 नम्बर के उपयोग करना सिखाया गया। कुपोषण एवं बच्चों के स्वस्थ्य से सम्बधित जानकारी दी गयी।	
3	07.05.2017	गांव-ज्वालापुर, खुर्द, श्योपुर	अदिवासी समुदाय की महिलाओं को बाल विवाह एवं बाल योनशोषण के बारे में जानकारी दी गयी व चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर का उपयोग करना सिखाया गया।	
4	19.05.2017	गांव- सोई, जिला- श्योपुर	बाल विवाह के नुकसानो बारे में जानकारी देने के साथ ग्रामीणो को बाल विवाह रोकने की शपत दिलवाई गयी।	

5	11.07.2017	गांव– बगवाजा, तहसील– कराहल, जिला– श्योपुर	प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं को बाल योनशोषण, बाल मजदूरी के नुकसान एवं स्वच्छता के बारे मे जानकारी दी गयी।		
6	05.09.2017	गांव– दलारना, जिला– श्योपुर	आदिवासी समुदाय की महिलाओं को कुपोषण एवं बाल योनशोषण के बारे मे जागरुक किया गया।		
7	04.10.2017	गांव– गुरुनावदा, जिला– श्योपुर	बच्चें को मुसिबत के समय चाइल्डलाइन से मदद किस प्रकार से मदद ली जा सकती है इस बारे मे बताया गया तथा उनकी समस्याओं के बारे मे जानकारी ली गयी– इस दौरान चाइल्डलाइन टीम को 5 अनाथ बच्चों के बारे मे जानकारी मिली।		
8	03.10.2017	गांव– जैदा, जिला– श्योपुर	लापता स्थिति के बच्चें चाइल्डलाइन की सहायता किस ले सकते है इस विषय के बारे मे समझाया गया व स्कूल से सम्बधित समस्याओं के बारे मे जानकारी ली गयी।		
9	07.12.2017	गांव– कलारना, जिला– श्योपुर	प्राथमिक स्कूल में बच्चों को उनके अधिकारो व चाइल्डलाइन, पुलिस, एम्बुलेंस आदि के हेल्पलाइन नम्बर के बारे मे जानकारी दी गयी।		

Few Case Studies

केस आई.डी. - 65488
बालक का नाम - ब्रजेश मीणा
उम्र- 20 वर्ष लगभग

केस आई.डी. - 65489
बालक का नाम- सत्यवीर मीणा
उम्र- 18 वर्ष लगभग

चाइल्डलाइन टीम को जानकारी मिली कि गांव अडूसा जिला- श्योपुर मे दो बालको का विवाह किया जा रहा है तथा बालक की उम्र- 21वर्ष से कम है। इस स्थिति को देखते हुए चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस विषय की जानकारी बाल कल्याण समिति को दी गयी।

दिनांक - 10/04/2017 को पुनः चाइल्डलाइन टीम सदस्य ने केस के सम्बंध में बालकल्याण समिति में जाकर चर्चा कि तो बालकल्याण समिति द्वारा बताया गया कि हमारे द्वारा इस विषय की जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को पत्र के माध्यम से दी गयी है। चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा जल्द ही इस विषय मे कार्यवाही करने के लिये कहा गया।

दिनांक 10/04/17 को चाइल्डलाइन टीम, महिलासशक्तिकरण आधिकारी, परियोजना आधिकारी व बालकल्याण समिति के साथ बाल विवाह के सम्बंध में मीटिंग की गयी तथा मीटिंग मे यह निर्णय लिया गया कि आज दिनांक 10/04/2017 को शाम के समय ही केस का इंटरवेशन करने गांव - अडूसा चला जाये।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्य, महिला सशक्तिकरण अधिकारी, परियोजना अधिकारी, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष व सुपरवाइजर पूरी टीम गांव - अडूसा पहुंची बालको के घर पहुंची वहां पिता उपस्थित नही होने के कारण बालको के चाचा व अन्य परिवार के सदस्यो से इस विषय पर बात की जिसमे परिवार के सदस्यो द्वारा बताया गया कि हम दोनो बालको का विवाह 29/04/2017 को करने जा रहे है।

इस पर टीम द्वारा बालको से सम्बधित आवश्यक डॉक्युमेंट देखे गये तथा बालको के परिवार वालों कि काउंसलिगं की गई तथा बाल विवाह न करने के बारे में समझाया गया तथा बताया गया कि यह एक अपराध है, यदि आप बालको का विवाह 21 वर्ष से पूर्व करते है तो आपके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। बाल विवाह करने पर आपको दो साल की सजा और एक लाख रूपये जुर्माना हो सकता है। अतः आप बालको का विवाह 21 वर्ष के बाद ही करे।

इसी के साथ परिवार के सदस्यो को बालविवाह के नुकसान के बारे मे समझाया गया। यह समझाने पर बालको के चाचा द्वारा बताया गया कि हमारें द्वारा जो विवाह किया जा रहा था। वह हम नहीं करेगें।

दिनांक 22/04/2017 को चाइल्डलाइन टीम द्वारा केस के सम्बंध में बालकल्याण समिति से जानकारी ली तो बालकल्याण समिति अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि इस विषय कि जानकारी सम्बंधित पुलिस थानें में भी दे दी गयी है बाल विवाह होने पर पुलिस द्वारा उचित कार्यावाही की जायेगी।

दिनांक 29/04/2017 को चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालविवाह के सम्बंध में बालकल्याण समिति से जानकारी ली गयी तो बालकल्याण समिति द्वारा बताया गया कि बालक के परिवार वालो को समझाने पर उनके द्वारा बालको का विवाह नही किया गया है।

केस आई.डी. - 67237
बालक का नाम - दशरथ
उम्र- 10 वर्ष लगभग

केस आई.डी. - 67238
बालक का नाम- करण
उम्र- 05 वर्ष लगभग

दिनांक 27.04.2017 चाइल्डलाइन टीम को आउटरीच के दोरान जानकारी मिली कि बालक दशरथ उम्र 10 वर्ष व बालक करण, उम्र-05 वर्षपुत्र स्व. रामस्वरूप निवासी- जिला- लातूर महाराष्ट्र जो कि श्योपुर शहर के मेन मार्केट में स्वयं को हंटर से पीटकर खेल दिखा रहे है तथा भिक्षावृत्ति कर रहे है।

दिनांक 27.04.2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य उस स्थान पर पहुचे वहा टीम सदस्य अभिषेक शर्मा को भीख मांगते हुऐ दो बालक मिले जो अपनी माता शांता बाई के साथ थे टीम सदस्य द्वारा बालको की स्थिति के बारे मे पता करने के लिये बालको का पीछा किया गया तथा देखा कि दोनो बालक स्वयं को हंटर से मार कर भीख मांग रहेहै।टीम सदस्य द्वारा इस बात की जानकारी फोन के माध्यम से बाल कल्याण समिति को दी, समिति द्वारा बालक को समिति के समक्ष लाने के का आदेश दिया गया।

चाइल्डलाइन टीम सदस्य अभिषेक द्वारा अन्य टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य एवं पुलिस डायल 100 की मदद से दोनो बालको को व उनकी माता को बाल कल्याण समिति के ऑफिस ले जाया गया।

इसके पश्चातचाइल्डलाइन टीम व बाल कल्याण समिति सदस्य द्वारा बालको व उनकी माता कीे काउन्सलिंग की गयी जिसमे बालको व उसकी माता द्वारा बताया गया हम स्थाई रूप से जिला– लातूर, महाराण्ट्र में रहते है तथा यहा पर मजदूरी करने के लिये आये है।

चाइल्डलाइन व बाल कल्याण समिति द्वारा समझाया कि बालक से भीख मंगवाना गैर कानूनी है जिस पर आपको सजा भी हो सकती आगे से यदि बालक भीख मांगता हुआ मिला तो आपके विरूद्व कठोर कार्यवाही की जायेगी।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा समझाया गया कि इस प्रकार के खेल से बच्चो को गंभीर चोट भी लग सकती है व बच्चों का ठीक प्रकार से ख्याल रखने के बारे मे कहा गया।

इसके बाद बालक की माता ने बताया कि – मुझे इस बात की जानकारी नही थी, अब हम भविष्य मे कभी भी भीख नही मांगेंगे तथा मै बच्चो का भी ध्यान रखूंर्गी। इस बात को बाल कल्याण समिति द्वारा लिखित रुप से लिया गया।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए बच्चों के हित मे उचित कार्यवाही करने हेतु दोनों बच्चो को बाल कल्याण समिति को सुपुर्द कर दिया गया।

इसके पश्चात मीटिंग कि गई और बालक के हित को ध्यान मे रखते हुए बाल कल्याण समिति द्वारा बालक को उसकी माता को सौप देने का निर्णय लिया गया, इसके बाद दिनांक 27.04.2017 को बालक को सुरक्षित उसकी माता को सौप दिया गया।

कुछ दिन बाद टीम सदस्य द्वारा बच्चों रहने के स्थान पर जाकर देखा गया तथा उस समय बच्चे वही पर अपने परिवार के साथ मिले परिवार के सदस्यों द्वारा बताया गया कि अब हम बच्चों को भीख मांगने नही भेजते है।

नईदुनिया

ग्वालियर, शुक्रवार 28 अप्रैल 2017

माता-पिता के साथ भीख मांगते बच्चे पकड़े

श्योपुर। चाइल्ड लाइन ने पुलिस की मदद से माता-पिता के साथ भीख मांगते बच्चों को पकड़ा और बच्चों को काउंसलिंग के बाद छोड़ दिया गया। चाइल्डलाइन के मनोज सोनी ने बताया कि बाजार में शरीर पर हंटर मारकर भीख मांग रहे लोगों के साथ कुछ बच्चे भी शामिल हैं। ऐसी सूचना मिलने पर चाइल्डलाइन ने मौके पर पहुंचकर पुलिस की मदद से बच्चों को पकड़कर बाल संरक्षण समिति के समक्ष पेश किया। बाल संरक्षण समिति ने माता-पिता को यह समझाइश देने के बाद की वे अपने बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजेंगे। माता-पिता द्वारा माफी मांगने और बाजार में भीख मांगने के दौरान बच्चों को साथ नहीं रखने की बात कहने पर छोड़ा दिया गया। इस दौरान चाइल्डलाइन टीम के समन्वयक विप्लव शर्मा, अभिषेक शर्मा, राजेश मीणा, सलमा खान, सुमनलता आदि

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

भीख मांँगते 2 बच्चे पकड़े

श्योपुर : चाइल्ड लाइन की टीम ने गुरुवार को शहर के गांधी चौक पर भीख मांगते दो बच्चों को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार चाइल्ड लाइन की टीम को सूचना मिली की दो बच्चे शहर मे भीख मांग रहे है. इस सूचना पर से टीम ने मौके पर पहुंच कर बच्चों को भीख मांगते पकड़ लिया। जब बच्चों से पूछा की आप भीख क्यों मांगते हो, तो बच्चों ने बताया कि उनके परिजन हंटर मारकर शहर के इलाकों मे भीख मांगने के लिए भेजते है। चाइल्ड लाइन की टीम ने पुलिस की मदद से बच्चों व परिवारजनों को बाल कल्याण समिति मे पेश किया गया है। जहाँ बाल कल्याण समिति व चाइल्ड लाइन टीम द्वारा बच्चों व माता पिता की काउंसलिंग की गई। एवं बच्चों से भीख न मंगवाने के बारे मे समझाइश दी है। इस दौरान टीम के समन्वयक विप्लव शर्मा, मनोज कुमार सोनी, अभिषेक शर्मा, राजेश

केस आई.डी– 65460

नाम– आकाश मीणा

उम्र– 14 वर्ष

दिनांक 10.04.2017 को चाइल्डलाइन को पुलिस ए.एस.आई. बृजराज यादव के माध्यम से लापता स्थिति मे मिले बालक– आकाश मीणा उम्र– 14 वर्ष की सूचना मिली।

चाइल्डलाइन टीम सदस्य गौरव आचार्य केस के सम्बध मे श्योपुर थाना पहुचे वहा बालक आकाश मीणा के विषय मे जानकारी ली गयी जिसमे उपस्थित ए.एस.आई. व कॉस्टेबल द्वारा बताया गया कि बालक को लोगो द्वारा बस स्टेड से श्योपुर थाने लाया गया है उनके द्वारा बताया गया कि बालक वहा बहुत समय से अकेला बैठा था तथा वहा बस मे बैठकर दूसरे शहर जाने की कोशिश कर रहा था वहा उपस्थित लोगो को सन्देह हुआ कि यह बालक मुसिबत मे है इस लिये वे उसे थाने मे लेकर आ गये।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा इस विषय की जानकारी फोन के माध्यम से बाल कल्याण समिति को दी गयी व समिति के आदेशानुसार बालक को चाइल्डलाइन ऑफिस लाया गया।

चाइल्डलाइन काउन्सलर अनामिका पाराशर द्वारा बालक की काउन्सलिंग कर उसके परिवार के बारे मे पता करने की कोशिश की जिसमे बालक द्वारा अपना नाम आकाश मीणा व निवासी – गांव बिचगावडी तहसील बडोदा, जिला– श्योपुर बताया गया। बालक ने अपने पिता का नाम रामहेत मीणा बताया तथा बालक का कहना था कि मै स्वयं अपनी मर्जी से दिनांक 09.04.2017 को अपने घर से भाग कर आया हूँ तथा मै ग्वालियर जाना चाहता हूँ।

चाइल्डलाइन की काउन्सलर द्वारा बालक से ग्वालियर जाने का कारण पूछा गया तो बालक द्वारा बताया गया कि मै फिल्म हीरो बनना चाहता हूं तथा ग्वालियर मे मेरी मौसी भी रहती है।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम समन्वयक द्वारा बालक के परिवार से सम्पर्क कर उन्हे ऑफिस बुलाया गया तथा टीम सदस्य द्वारा बालक आकाश व बालक के पिता रामहेत मीणा को बाल कल्याण समिति ले जाया गया।

वहा बाल कल्याण समिति द्वारा बालक के पिता को इस तरह की बालक के प्रति की गयी लापरवाही के लिये फटकार लगायी गयी तथा बालक से घर से भागने का कारण, परिवार की स्थिति व परिवार के सदस्यों का उसके प्रति व्यवहार आदि के बारे मे जानकरी ली गयी।

इसके बाद बालकल्याण समिति व चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालक के हित को ध्यान मे रखते हुए बालक व बालक के पिता की काउन्सलिंग कर उनको समझाया गया तथा बालक का विशेष रूप से ध्यान रखने को कहा गया।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए बालक के हित मे उचित कार्यवाही करने के लिये बालक को बाल कल्याण समिति को सुपुर्द कर दिया गया।

बाल कल्याण समिति द्वारा बालक के सर्वोत्तम हितों को ध्यान मे रखते हुए इस विषय पर मीटिंग की गयी व बालक को उसके पिता को सोपने का निर्णय लिया गया। दिनांक 10/04/2017 को बालक आकाश मीणा को उसके पिता रामहेत मीणा को सौंप दिया गया।

दिनांक 19/04/2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य बालक की स्थिति जानने के लिये बालक के घर पहुचे वहा बालक ठीक प्रकार से रह रहा था।

आचरण

घर से भागकर आए बालक को पहुंचाया सुरक्षित घर

दैनिक जागरण

लापता बालक को चाइल्ड लाइन ने सुरक्षित घर पहुँचाया

केस आई.डी-83085	*केस आई.डी.- 83092*
नाम-बलवीर आदिवासी	*नाम-जितेन्द्र आदिवासी*
उम्र- 01 वर्ष	*उम्र- 02 वर्ष*

दिनांक 15/09/2017 को चाइल्डलाइन टीम को आउटरीच के दौरान आंगनवाडी कार्यकर्ता से जानकारी मिली कि दो बालक बलवीर पुत्र रामलखन आदिवासी उम्र- 1वर्ष व बालक जितेन्द्र अदिवासी पुत्र विष्णु आदिवासी उम्र- 2 वर्ष निवासी- बगवाज, तहसील कराहल कुपोषित है, तथा बालकों की स्थिति गंभीर है। बालकों के माता-पिता को कई बार समझाया गया लेकिन बालक के माता-पिता बालक को अस्पलात मे भर्ती नही करवाते है।

चाइल्डलाइन टीम सदस्य मनोज सोनी व सुमनलता श्रीवास्तव केस के सम्बध मे बालकों के घर पहुंचे वहा बालकों के परिवार के सदस्यों के बालकों की स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली जिसमे माता-पिता द्वारा बताया गया कि हमारे बच्चे कमजोर है तथा बच्चों का स्वास्थ्य ठीक नही है।

चाइल्डलाइन टीम सदस्य मनोज सोनी द्वारा माता पिता को समझाया गया कि बालकों को ठीक प्रकार से पोषण नही मिलने के कारण यह कुपोषण का शिकार हो गये है। यदि बालकों को जल्द एन.आर.सी. मे भर्ती नही करवाया गया तो बालकों को कई अन्य बीमारियां हो सकती है तथा बालकों की कुपोषण के कारण मृत्यु भी हो सकती है।

टीम सदस्य द्वारा बताया गया कि बच्चों को एन.आर.सी. मे 14 दिन तक रखा जाता है वहा उसके साथ बालकों की माता के रहने व खाने की व्यवस्था भी होती है। 14 दिन तक बच्चों को पोषण आहार दिया जाता है व प्रति दिन जांच की जाती है, 14 दिन बाद स्वस्थ होने पर बालक को डिस्चार्ज कर दिया जाता है तथा माता को भी 14 दिन की मजदूरी लगभग 1780 रूपये मिलती है।

चाइल्डलाइन टीम सदस्य सुमनलता श्रीवास्तव द्वारा समझाया गया कि अस्पताल मे भर्ती के दौरान बालक से सम्बधित किसी भी प्रकार की समस्यां होने पर चाइल्डलाइन टीम द्वारा पूरा सहयोग किया जायेगा तथा समय-समय पर भर्ती के दौरान भी चाइल्डलाइन टीम द्वारा आपके बालक के स्वस्थ की जानकारी ली जायेगी।

चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बार-बार समझानें पर दोनो बालकों के माता-पिता बालकों को एन.आर.सी वार्ड में भर्ती कराने को तैयार हो गये।

दिनांक 15/09/2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य दोनो बालकों, उनकी माता व आंगनवाडी कार्यकार्ता के साथ जिला अस्पताल पहुंचें वहां टीम सदस्य द्वारा बालकों की जांच करवायी गयी जांच के आधार पर बालक कुपोषित पाये गये। चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर दोनो बालको को एन.आर.सी. मे भर्ती करवा दिया गया।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा भर्ती के दौरान समय-समय पर जिला अस्पताल पहुंचकर दोनो बालको के स्वास्थ्य के बारे मे जानकारी ली गयी जिसमें डॉक्टर द्वारा बताया गया कि बच्चों के स्वस्थ मे सुधार हुआ है तथा बच्चों का वजन भी बढ गया है। यदि बच्चें पूर्ण रूप से स्वस्थ रहते है तो दिनांक 28/09/2017 को बालको को डिस्चार्ज कर दिया जायेगा।

दिनांक 28/09/2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य बालकों के स्वस्थ्य की जानकारी लेने व उन्हे डिस्चार्ज करवाने के लिये अस्पताल पहुंचे वहां डॉक्टर द्वारा बताया गया कि दोनो बालक पूर्ण रूप से स्वस्थ है व बालकों को आज डिस्चार्ज कर दिया जायेगा।

इसके पश्चात टीम सदस्य द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए बालकों को एन.आर.सी. से डिस्चार्ज करवाया गया व माताओं को 14 दिन की मजदूरी की राशि चेक के रूप मे दी गयी।

केस आई.डी.– 71787

नाम– रचना अदिवासी

उम्र– 5 वर्ष

दिनांक 07/06/2017 को चाइल्डलाइन को जानकारी मिली कि बालिका रचना आदिवासी को थेलेसीमिया की बिमारी है तथा बालिका वर्तमान में अस्पलात मे भर्ती है तथा उसेतुरंत B+ ब्लड की जरूरत है।

दिनांक 07/06/2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य गौरव आचार्य केस के सम्बध मे जिला अस्पताल पहुंचे व टीम सदस्य द्वारा बालिका के माता–पिता व कॉलर से बालिका के स्वास्थ्य के बारे मे जानकारी ली जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि बालिका को थेलेसीमिया की बीमारी है इस कारण बालिका को हर महिने रक्त की आवश्यकता होती है व बालिका के शरीर मे होमोग्लोबिन की भी कमी है।

इसके साथ ही चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा बालिका की स्थिति के बारे मे डॉक्टर आर.बी. गोयल से बात की गई तथा जल्द से जल्द बालिका का उपचार करने के बारे मे कहा गया। लेकिन डॉक्टर द्वारा बताया गया कि वर्तमान में ब्लड बैक मे B+ ब्लड उपलब्ध नही है।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा कई समाज सेवियो व सोशल मिडिया के माध्यम से रक्तदान करने वाले व्यक्तियों सें सम्पर्क किया गया। इस दौरान चाइल्डलाइन टीम को B+ ब्लड गुप वाले व्यक्ति लेखराज जाटव के बारे मे जानकारी मिल गयी।

चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा द्वारा इस व्यक्ति से सम्पर्क कर उन्हे रक्तदान करने के बारे मे समझाया गया तथा बताया गया कि आपके रक्तदान करने से बालिका की जान बच सकती है तथा वह स्वस्थ्य हो जायेगी। चाइल्डलाइन टीम द्वारा समझाने पर सम्बधित व्यक्ति बालिका रचना आदिवासी को रक्तदान करने के लिये तैयार हो गया।

दिनांक 07/06/2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य गौरव आचार्य रक्तदान दाता लेखराज जाटव को जिला अस्पताल लेकर पहुचे जहां रक्तदाता ने बालिका रचना के लिये 1यूनिट रक्तदान किया।

दिनांक 13/06/2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य बालिका के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिये बालिका के घर पहुंचे वहा बालिका के माता पिता द्वारा बताया गया कि बालिका स्वस्थ्य है।

नगर से एक साथ प्रकाशित

मध्य स्वदेश

जरूरतमंद के लिए चिकित्सालय पहुंचकर किया रक्तदान

रक्तदान करते युवा।

श्योपुर ब्यूरो

पीलिया की बीमारी से ग्रस्त अभिषेक जांगिड़ उम्र 16 वर्ष निवासी पटवारी कॉलोनी श्योपुर ओ पॉजीटिव व मालीपुरा निवासी रचना आदिवासी 5 वर्ष को थेली सेमिया की बीमारी बी पॉजीटिव रक्त की आवश्यकता है। इसकी सूचना चाइल्ड लाइन टीम को कॉलर कौशल शर्मा को मिली जिस पर टीम द्वारा जिला हॉस्पिटल पहुंचकर समाजसेवियों से संपर्क कर रक्तदान करने के लिए आह्वान किया गया जिसमें नरेश गुर्जर ग्राम बर्धा बुजुर्ग द्वारा बालक अभिषेक के लिए व रचना के लिए लेखराज जाटव ग्राम लाथ द्वारा रक्तदान किया गया। इस दौरान ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. आर. बी.गोयल,चाइल्ड लाइन टीम के विप्लव शर्मा, टीम मेंबर गौरव आचार्य, हरप्रीत सिंह, सोनू जाट, कौशल शर्मा, बिट्टू सरदार, ललित जांगिड, अरविंद कुमार पटेल का सहयोग रहा।

धर्म-समाज-संस्था

आपकी खबरें — समाज, धर्म, क्लब, एसोसिएशन, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, नर्सेज, पुलिस, शिक्षक, चैम्बर ऑफ कॉमर्स

रक्तदान... अनजान जरूरतमंद को दिया खून

श्योपुर| शहर की पटवारी कॉलोनी में रहने वाले 16 वर्षीय अभिषेक जांगिड़ को पीलिया की बीमारी के चलते डॉक्टरों ने ब्लड चढ़ाने की जरूरत बताई, लेकिन ब्लड बैंक में ओ प्लस ग्रुप का ब्लड उपलब्ध नहीं हुआ। जिला अस्पताल में भर्ती थैलीसीमिया की मरीज मालीपुरा निवासी 5 साल की रचना आदिवासी को भी बी प्लस ग्रुप के खून की आवश्यकता पड़ी। बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए कौशल शर्मा ने चाइल्ड लाइन को सूचना देकर मदद मांगी। चाइल्ड लाइन समन्वयक विप्लव शर्मा ने बताया कि करीब तीन घंटे की तलाश में बर्धा बुजुर्ग गांव के नरेश गुर्जर रक्तदान के लिए आगे आए। उन्होंने मरीज अभिषेक के लिए रक्तदान किया। इसी दौरान ग्राम लाथ के लेखराज जाटव ने रचना आदिवासी के लिए रक्तदान किया।

केस आई.डी–72522	केस आई.डी.– 72523	केस आई.डी.– 72524	केस आई.डी.– 72525
नाम–मोनू सुमन	नाम– शनि बैरवा	नाम– राहुल बैरवा	नाम– राजू बैरवा
उम्र–08 साल	उम्र– 07 साल	उम्र– 08 साल	उम्र– 10 साल

ओपनहाउस प्रोग्राम के दौरान कुछ बच्चों द्वारा बताया गया कि हम स्कूलमे पढना चाहते है लेकिन हमारे माता–पिता हमें स्कूल मे भर्ती नही करवाते है।

दिनांक 14.06.2017 को चाइल्डलाइन टीम इस विषय की जानकारी लेने बच्चों के घर मण्डी का सहराना पहुंची जहां उपस्थित बच्चों के माता–पिता व परिवार के सदस्यों से बच्चों को स्कूल नही भेजने का कारण पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि हम मजदूरी करते है, हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है जिस कारण हम बच्चों को नही पढा सकते है।

चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों के माता–पिता की काउन्सलिंग कर उनको शिक्षा के अधिकार के बारे मे जानकारी दी गयी तथा बच्चों को स्कूल मे भर्ती करवाने के बारे मे कहा गया टीम सदस्य के बार–बार समझाने पर, माता–पिता बच्चों को स्कूल मे भर्ती करवाने के लिये तैयार हो गये। टीम सदस्य द्वारा बताया गया कि अगले सत्र जुलाई माह मे चाइल्डालाइन टीम द्वारा इन सभी बच्चों को स्कूल मे भर्ती करवा दिया जायेगा।

टीम सदस्य द्वारा समझाने पर स्कूल के प्रिंसीपल बालक को स्कूल मे भर्ती करने के लिये तैयार हो गये व टीम सदस्य द्वारा बालक का कक्षा–1 मे एडमिशन करवा दिया गया तथा बालक को पढने के लिये किताबे दिलवा दी गयी।

दिनांक 01.07.2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य बच्चों व उनके माता–पिता को साथ लेकर शा.प्रा. विद्यालय पहुचे वहां आवश्यक कार्यवाही करते हुए सभी बच्चों को स्कूल मे भर्ती करवाया गया।

केस आई.डी–83266	केस आई.डी.–83267	केस आई.डी.– 83268	केस आई.डी.– 83269
नाम– द्विवेती आदिवासी	नाम–दिलखुश आदिवासी	नाम– संजू आदिवासी	नाम– राजवी आदिवासी
उम्र–12 साल	उम्र–10 साल	उम्र–08 साल	उम्र– 06 साल

दिनांक 15/09/2017 को बाल कल्याण समिति द्वारा जानकारी दी गयी कि गांव हांसिलपुर थाना–ढोढर जिला श्योपुर मे 3 बालक व 1 बालिका है जिसके माता–पिता की मृत्यु हो चुकी है तथा उसकी देखरेख करने वाला कोई नही है।

दिनांक 15/09/2017 को चाइल्डलाइन टीम सदस्य शुभम शर्मा व राजेश मीणाबच्चों के गांव पहुंचे वहा ग्रामीणों व आगंनवाडी कार्यकर्ता से बच्चों के बारे मे जानकारी ली गयी जिनके द्वारा बताया गया कि ये बच्चे अनाथ है तथा उनकी देखरेख करने वाला कोई नही है। बच्चों को आश्रय की जरूरत है।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्य बच्चों से मिले तथा उनसे बारे मे जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की गयी जिसमें बालिका द्विवेती आदिवासी द्वारा बताया गया कि हमारे माता– पिता की मृत्यु लगभग 2 वर्ष पूर्व हो गयी है तभीघरो मे काम करके अपने भाईयों का पलन पोषण कर रही हूं।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा बाल कल्याण समिति के आदेश से तीनो बालक व बालिका को चाइल्डलाइन ऑफिस लाया गया व बच्चों की काउन्सलिंग की गयी व बच्चों की स्थिति को देखते हुए बाल कल्याण समिति से बच्चों के रहने, पढ्ने व खाने की व्यवस्था करने को कहा गया।

दिनांक 15/09/2017 चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा द्वारा बच्चों के हित मे उचित कार्यवाही करने के लिये उन्हे बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया। बच्चो के हित को ध्यान मे रखते हुए बाल कल्याण समिति द्वारा तीनों बालको को श्योपुर के सी.डब्लू.एस.एन. छात्रावास तथा बालिका द्विवेती को कस्तूरबा बालिका छात्रावास मे भर्ती करवाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा सभी बच्चों को छात्रावास मे भर्ती करवा दिया गया।

श्योपुर पत्रिका
sheopur patrika
ग्वालियर, सोमवार 18 सितंबर 2017
कराहल . विजयपुर . बड़ौदा . वीरपुर

अंततः द्विवेती को मिला सहारा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

श्योपुर. पिछले तीन बरस से अपने तीन छोटे भाइयों के पालन पोषण की जिम्मेदारी उठा रही 12 बरस की द्विवेती को अंततः रविवार को राहत मिल ही गई। चाइल्ड लाइन और बाल कल्याण समिति ने रविवार को इन बच्चों को हांसिलपुर के खैरघटा से यहां लाकर छात्रावास में पहुंचाया गया। जहां पहुंचने के बाद अब इन बच्चों को दो जून की रोटी के लिए रोज करने वाले संघर्ष से निजात मिल गई है। साथ ही पढ़ाई का मौका भी मिल सकेगा।

यहां बता दें कि खैरघटा सहराना निवासी द्विवेती आदिवासी 12 वर्ष के मां बाप की मौत तीन वर्ष पूर्व ही हो गई। जिसके बाद द्विवेती के जिम्मे उसके तीन छोटे भाई दिलखुश 10 वर्ष, संजू 8 वर्ष और राजवीर 6 वर्ष की जिम्मेदारी आ गई। इन तीनों भाइयों की जिम्मेदारी आने के बाद द्विवेती ने 9 वर्ष की उम्र से इन छोटे भाइयों का पालन पोषण शुरू किया। द्विवेती की इस दर्द भरी व्यथा को पत्रिका ने अपने 14 सितंबर के अंक में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया, जिसके बाद गाव में आज पुनः टीम पहुंची और चारों बच्चों को लेकर श्योपुर पहुंची, जहां पर बच्चों की काउन्सलिंग करने के बाद उन्हें छात्रावास में पहुंचाया गया। इस दौरान बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष संगीत अग्रवाल चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा, टीम सदस्य गौरव आचार्य, हिर्देश, राजेश मीणा, शुभम शर्मा, नीलेश, आदि मौजूद रहे।

द्विवेती सहित चारों बच्चों की काउंसलिंग करते बाल कल्याण समिति व चाइल्ड लाइन के पदाधिकारी।

चाइल्ड लाइन की टीम ने श्योपुर लाकर काउंसिलिंग बाद छात्रावास में कराया बच्चों को भर्ती

Missing Child Cases (Child lost and found)

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा -19 लापता स्थिति मे मिले बच्चो के परिवार के बारे मे पता कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए उनको सुरक्षित उनके परिवार तक पहुचाया गया।

Case ID – 64460 Name- Akash Meena Age- 14 Year	*Case ID -66773 Name- Laxraj Suman Age- 6 Year*	*Case ID – 69232 Name- Ajay Batham Age- 8 year*	*Case ID - 73337 Name- Amar jatav Age- 8 Year*
Case ID -740610 Name- Kuttan Balmik Age- 5 Year	*Case ID- 75841 Name- Rahul Meena Age- 14 Year*	*Case ID –77194 Name- Rajsing Jatv Age- 16 Year*	*Case ID - 77195 Name- Ramdulari jatav Age- 12 Year*
Case ID - 77305 Name- Nitesh Lodha Age- 06 Year	*Case ID - 78613 Name- Krishna Gupta Age- 3 Year*	*Case ID - 79811 Name- Shear ali Age- 3 Year*	*Case ID - 89886 Name- Akash Meena Age- 14 Year*
Case ID -90981 Name- Vipin Jatav Age- 14 Year	*Case ID -91794 Name- Dipu Banjara Age- 11 Year*	*Case ID –95273 Name- Sayna Age- 7 Year*	*Case ID -98509 Name- Sohil Khan Age- 4 Year*
Case ID – 99710 Name- Ishu Mahor Age- 14 Year	*Case ID – 102688 Name- Abhishek singh Age- 12 Year*	*Case ID – 104555 Name- Sana Rangreg Age- 3 Year*	

दिये गये केसो मे चाइल्डलाइन को पुलिस (कॉलर) द्वारा जानकारी मिली कि एक लापता बालक/बालिका मिला/मिली है जो कि वर्तमान मे श्योपुर पुलिस थाने (स्थान का नाम) मे है। चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा श्योपुर पुलिस थाने पहुचकर वहा थाने के प्रभारी व पुलिस कर्मी से बच्चे के बारे मे सभी आवश्यक जानकारी ली गयी व आवश्यक कार्यवाही करते हुए बाल कल्याण समिति को लापता बच्चे मिलने की सूचना दी गयी व बच्चे को चाइल्डलाइन ऑफिस लाया गया।

चाइल्डलाइन ऑफिस मे बच्चे की काउन्सलिंग करके उसके परिवार के बारे मे जानने की कोशिश की गयी व बालक से मिली जानकारी के आधार पर चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चे के परिवार के बारे मे पता करने के लिये बच्चे की फोटो स्वयं सेवी को दी गयी व बालक द्वारा उसके मिलने के स्थान व उसके द्वारा बताये गये स्थानो मे ले जाकर वहा उपस्थित लोगो से बालक के परिवार के बारे मे जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की गयी व सोशल मिडिया के द्वारा भी बच्चे के लापता मिलने की सूचना लोगो तक दी गयी।

चाइल्डलाइन टीम द्वारा किये गये प्रयास से बालक के परिवार पता कर लिया गया व टीम सदस्य द्वारा बालक के परिवार के सदस्य को बाल कल्याण समिति के समक्ष लाया गया व चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालक को बाल कल्याण समिति को सौप दिया गया।

बाल कल्याण समिति व चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालक व बालक के माता पिता की काउन्सलिंग की गयी। इसके बाद समिति द्वारा माता–पिता को बालक का विशेष रूप से ध्यान रखने को कहा गया तथा बताया कि यदि इस प्रकार की गलती फिर से होती है तो आपके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। बाल कल्याण समिति द्वारा बालक के हित को ध्यान मे रखते हुए बालक को उसके माता–पिता को सुरक्षित सौप दिया गया। कुछ दिनो बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा बालक के घर पहुचकर बालक की स्थिति की जानकारी भी ली गयी।

Missing Child Cases (Parents asking help)

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –2 बालक/ बालिका जो घर से लापता हुए या भाग गये थे उनके बारे मे पता कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए उनको सुरक्षित उनके परिवार तक पहुचाया गया।

Case ID – 67131 *Name- Ujmal Gurjar* *Age- 17 Year*	*Case ID –90045* *Name- Rajveer Adiwasi* *Age- 10 Year*

PFA - Child Marriage Cases

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा–2 बालको के बाल विवाह के बारे मे जानकारी मिलने पर इस विषये की जानकारी सम्बधित विभागों को दी गयी तथा आवश्यक कार्यवाही कर बाल विवाह को रुकवाया गया।

Case ID – 65488 *Name- Brajesh Meena* *Age- 20 Years*	*Case ID 65489* *Name- Styaveer Meena* *Age- 18 Year*

PFA –Child Beggary Cases

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –10 बच्चो व उनके माता पिता की काउन्सलिंग करके बच्चों का भीख मांगना बन्द करवाया गया।

Case ID - 67237 *Name- Dashrat* *Age- 10 Year*	*Case ID – 67238* *Name- Karan* *Age- 5 Year*	*Case ID - 81471* *Name- Sameer Adiwasi* *Age- 12 Year*	*Case ID- 88768* *Name- Dilkhush Bhopa* *Age- 12 Year*
Case ID - 88770 *Name- Rahul Bhopa* *Age- 11 Year*	*Case ID – 88772* *Name- Krishna Bhopa* *Age- 10 Year*	*Case ID - 88776* *Name- Rani Bhopa* *Age- 06 Year*	*Case ID – 104800* *Name- Mahan nat* *Age- 10 Year*
Case ID – 105567 *Name- Amar Adiwasi* *Age- 10 Year*	*Case ID – 105601* *Name- Preeti Adiwasi* *Age- 7 Year*		

चाइल्डलाइन टीम द्वारा भीख मांगने वाले बच्चो के बारे मे पता कर पुलिस की मदद से चाइल्डलाइन के ऑफिस लाया गया तथा बच्चो की कउन्सलिंग कर भीख मांगने के कारण व उनके परिवार के बारे मे जानकारी ली गयी तथा इस बात की सूचना बाल कल्याण समिति को दी गयी तथा बच्चो व बच्चो के माता पिता को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया व बच्चो व उनके माता पिता की चाइल्डलाइन व बाल कल्याण समिति द्वारा कउन्सलिंग की करवायी गयी। जिसमे माता पिता द्वारा बताया गया कि – भीख मांगने का कारण पता करने व उनको समझाने का प्रयास किया गया।

चाइल्डलाइन टीम व बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चे के माता पिता को समझाया कि बच्चो से भीख मंगवाना गैर कानूनी है जिस पर आपको सजा भी हो सकती आगे से यदि बालक भीख मांगता हुआ दिखाई दिया तो आपके विरुद् कठोर कार्यवाही की जायेगी। इसके बाद बाल कल्याण समिति व चाइल्डलाइन टीम द्वारा मिटिंग कि गई और बालक के हित को ध्यान मे रखते हुए आवश्यक कार्यवाही कर, बाल कल्याण समिति द्वारा बालक को उसकी माता–पिता को सौप देने का निर्णय लिया गया तथा चाइल्डलाइन टीम द्वारा कुछ दिनो तक उस बच्चो के घर जाकर उसके बारे मे जानकारी ली गयी तथा बच्चे का भीख मांगना बन्द करवाया गया।

PFA Cases

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –05 बच्चोंजिनके साथ शारीरिक या मांसिक शोषण किया गया था चाइल्डलाइन टीम द्वारा पुलिस थाने पहुचकर दोषियो के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्जकारवाई गयी व इस विषये की जानकारी महिला सशक्तिकरण एवं बाल कल्याण समिति को दी गयी।

Case ID - 65057 *Name- Laxmi Bathm* *Age- 16 Year*	*Case ID – 77267* *Name- Rahul Meena* *Age- 15 Year*	*Case ID -77269* *Name- Mona Meena* *Age- 13 Year*	*Case ID - 82349* *Name- Anjali Sharma* *Age- 05 Year*
Case ID - 82350 *Name- Dev Sharma* *Age- 06 Year*	*Case ID – 91514* *Name- Kabir khan* *Age- 13 Year*	*Case ID – 106055* *Name- Ashma Khan* *Age- 16 Year*	

Shelter Cases

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –04 अनाथ बच्चे जिनके माता पिता की मृत्यु हो गयी थी तथा रिश्तेदार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह बच्चो का पालन पोषण करने मे असमर्थ थे। इन बच्चो को चाइल्डलाइन टीम द्वारा छात्रावास मे भर्ती करवाकर उनके रहने, खाने व पढने की व्यवस्था करवाई गयी।

Case ID -83266 Name- Diveti Adiwasi Age- 12 Year	Case ID –83267 Name- Dilkhush Adiwasi Age- 10 Year	Case ID -83268 Name- Sanju Adiwasi Age- 10 Year	Case ID -83269 Name- Rajveer Adiwasi Age- 06 Year

Shelter Cases (Running)

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –52 अनाथ बच्चें जिनके माता पिता की मृत्यु हो गयी है तथा रिश्तेदार/ दादा–दादी की आर्थिक व शारीरिक स्थिति कमजोर होने के कारण, बच्चों का पालन पोषण करने मे परेशानी आ रही है। चाइल्डलाइन टीम द्वारा इन सभी बच्चों की जानकारी महिला सशक्तिकरण विभाग एवं बाल कल्याण समिति को दे दी गयी है व समय–समय पर इन केसो का फोलोअप लिया जा रहा है जिससे इन बच्चों को भी लाभ दिलवाया जा सके।

Case ID - 75123 Name- Deepak Mahor Age- 3 Year	Case ID - 75398 Name- Simran Bano Age- 11 Year	Case ID - 81426 Name- Hanuman Bairwa Age- 15 Year	Case ID - 81932 Name- Divya Raigar Age- 14 Year
Case ID - 85003 Name- Nandni Mahor Age- 7 Year	Case ID -85005 Name- Vikky Mahor Age- 6 Year	Case ID - 85004 Name- Kinjta Adiwasi Age- 15 Year	Case ID - 85009 Name- Pooja Mahor Age- 15 Year
Case ID - 85010 Name- Laxmi Mahor Age- 11 Year	Case ID - 88188 Name- Jotish Adiwasi Age- 13 Year	Case ID - 88190 Name- Kajal Adiwasi Age- 10 Year	Case ID -88214 Name- Manju Adiwasi Age- 7 Year
Case ID - 88421 Name- Raja Adiwasi Age- 09 Year	Case ID -90729 Name- Vishnu Banjara Age- 7 Year	Case ID -90817 Name- Ramveer Adiwasi Age- 10 Year	Case ID -90821 Name- Boby Adiwasi Age- 12 Year
Case ID -90947 Name- Kishan Adiwasi Age- 8 Year	Case ID -90949 Name- Devendra Adiwasi Age- 4 Year	Case ID -90951 Name- Ajaya Bairwa Age- 11 Month	Case ID -91218 Name- Badsha Adiwasi Age- 17 Year
Case ID -91221 Name- Pahad Singh Age- 15 Year	Case ID -91222 Name- Chayna Adiwasi Age- 8 Year	Case ID -91552 Name- Sapna Banjara Age- 9 Year	Case ID -91851 Name- Laxmi Mahor Age- 13 Year
Case ID -94192 Name- Gudiya Adiwasi Age- 15 Year	Case ID -94193 Name- Bhagwati Adiwasi Age- 13 Year	Case ID -94194 Name- Kallu Adiwasi Age- 12 Year	Case ID -94195 Name- Brajmohan Adiwasi Age- 10
Case ID -94211 Name- Kishan Adiwasi Age- 10 Year	Case ID -94212 Name- Maya Adiwasi Age- 14 Year	Case ID -94213 Name- Gautam Adiwasi Age- 8 Year	Case ID -94226 Name- Man Mohan Adiwasi Age- 8 Year
Case ID -94229 Name- Budde Adiwasi Age- 15 Year	Case ID -94230 Name- Bindiya Adiwasi Age- 4 Year	Case ID -94232 Name- Ritik Adiwasi Age- 3 Year	Case ID -94462 Name- Syama Adiwasi Age- 10 Year
Case ID -96205 Name- Devki Adiwasi Age- 9 Year	Case ID -96206 Name- Bhaiya Adiwasi Age- 11 Year	Case ID -96207 Name- Shayar Adiwasi Age- 13 Year	Case ID -96781 Name- Ajay Bairwa Age- 8 Year
Case ID -96782 Name- Sonu Rathor Age- 15 Year	Case ID -96783 Name- Sunita Bairwa Age- 10 Year	Case ID -96787 Name- Rajveer Rathor Age- 17 Year	Case ID -96788 Name- Dilkashan Bairwa Age- 12 Year
Case ID -96789 Name- Jitendra Bairwa Age- 15 Year	Case ID – 101308 Name- Kamal meena Age- 12 Year	Case ID – 102482 Name- Harimohan Age- 8 Year	Case ID – 102846 Name- Dharm Singh Age- 9 Year
Case ID – 102926	Case ID – 14466	Case ID – 104467	Case ID – 104470

Name- Anguri Adiwasi Age- 16 Year	Name- Mangal Mavar Age- 13 Year	Name- Rambharat Age- 16 Year	Name- Pankaj Mahor Age- 15Year

Medical Cases– Blood donetion

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा–26 बच्चें जिनको थेलिसीमिया /अन्य बिमारी होने के कारण इन बच्चों को रक्त की तुरन्त आवश्यकता थीइस दौरान ब्लड बैकं मे रक्त नही होने की स्थिति मे चाइल्डलाइन टीम सदस्यों द्वारा की रक्तदान करने वाले लोगो व स्वयं टीम सदस्य द्वारा भी रक्तदान किया गया जिससे बच्चों के स्वस्थ्य मे सुधार हुआ।

Case ID - 71786 Name- Abhishek jandin Age- 15 Year	Case ID - 71787 Name- Rachna Adiwasi Age- 5 Year	Case ID - 72096 Name- Raju Bairwa Age- 15 Year	Case ID - 72406 Name- Harsh Jat Age- 5 Year
Case ID - 74816 Name- Anya Suman Age- Year	Case ID -77115 Name - Sunita Suman Age- 17 Year	Case ID -79867 Name- Anushka Bairwa Age- 1 Year 6 Month	Case ID - 83400 Name- Sanju Suman Age- 1 Year 6 Month
Case ID - 84889 Name- Monika Gurjar Age- 2 Year 6 Month	Case ID - 84891 Name- Varsha Adiwasi Age- 7 Year	Case ID - 84977 Name- Dikki Mahor Age- 3 Year	Case ID - 85227 Name- Khushi Adiwasi Age- 1 Year 06 Month
Case ID -90932 Name- Nandni Adiwasi Age- 5 Year	Case ID - 91453 Name- Kara Adiwasi Age- 3 Year	Case ID - 91455 Name- Anand Adiwasi Age- 1 Year 6 Month	Case ID - 91723 Name- Chanchal Adiwasi Age- 1 Year
Case ID -98609 Name- Anmol Yogi Age- 8 Year	Case ID – 100277 Name- Aman Sen Age- 17 Year	Case ID – 100352 Name- Diggi Mahor Age- 3 Year	Case ID – 100353 Name- Ritika Jat Age- 2 Year
Case ID – 102810 Name- Somya Sharma Age- 14 Year	Case ID – 103683 Name- Tejsv Sharma Age- 1 Year	Case ID – 104279 Name- Sonu Bairwa Age- 15 Year	Case ID – 104299 Name- Mukesh Adiwasi Age- 15 Year
Case ID – 104450 Name- Mufid Khan Age- 2 Year 6 month	Case ID – 104452 Name- Rakesh Suman Age- 17 Year		

Medical Help Cases

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –22 बच्चो जिनको बुखार, शारीरिक चोट, कुत्ते का काटना आदि स्वास्थ्य से सम्बंधित समस्याएं होने पर टीम सदस्य द्वारा बच्चों की जिला अस्पताल में जांच करवाकर उनका उपचार करवाया गया।

Case ID - 64636 Name- Vishal Adiwasi Age- 6 Year	Case ID - 64637 Name- Anjli Adiwasi Age- 3 Year	Case ID - 86696 Name- Arun Mahor Age- 7 Year	Case ID –86739 Name- Chirag Singh Age- 5 Year
Case ID - 92718 Name- Palak Mahor Age- 1 Year 6 Month	Case ID - 95858 Name- Bhanu Prajapati Age- 13 Year	Case ID –96811 Name- Sanjana Adiwasi Age- 10 Year	Case ID – 100688 Name- Reena Adiwasi Age- 13 Year

Case ID – 104550 Name- Laxmi Adiwasi Age- 10 Year	Case ID – 104551 Name- Priyanka Adiwasi Age- 9 Year	Case ID – 104552 Name- Reshma Adiwasi Age- 10 Year	Case ID – 104652 Name- Monu Gurjar Age- 10 Year
Case ID – 104653 Name- Pandu Banjara Age- 14 Year	Case ID – 104741 Name- Monu Adiwasi Age- 1 Year 6 month	Case ID – 105788 Name- Rama Adiwasi Age- 9 Year	Case ID – 105789 Name- Devki Adiwasi Age- 8 Year
Case ID – 106070 Name- Soman Adiwasi Age- 7 Year	Case ID – 106072 Name- Rinku Adiwasi Age- 3 Year	Case ID – 106074 Name- Rabudi Adiwasi Age- 9 Year	Case ID – 106379 Name- Aryan Mahor Age- 1 Year
Case ID – 107239 Name- Vandna Adiwasi Age- 12 Year	Case ID – 107240 Name- Suman Adiwasi Age- 7 Year		

Medical Help (Malnutrition Case)

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –34 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चें जिनके माता पिता बच्चो को एन.आर.सी. मे भर्ती नही करवा रहे थे उन बच्चो के माता पिता की काउन्सलिंग करके बच्चों को जिला अस्पताल के एन.आर. सी. मे भर्ती करवाया गया व भर्ती के दौरान समय–समय पर पहुंचकर कर बच्चो के स्वास्थ्य की जानकरी ली गयी। जिससे बच्चों के स्वस्थ्य मे सुधार हुआ।

Case ID - 64551 Name- Prince Suman Age- 3 Year	Case ID - 64901 Name- Poonam Mahor Age- 1 Year 6 Month	Case ID - 64902 Name- Anushka Bhushan Age- 1 Year 3 Month	Case ID - 65644 Name- Rishika Bairwa Age- 1 Year
Case ID - 69428 Name- Priya Bairwa Age- 8 Moth	Case ID - 69429 Name- Chhutko Adiwasi Age- 6 Month	Case ID - 69868 Name- Surendra Adiwasi Age- 1 Year 6 Month	Case ID - 69870 Name- Devi Adiwasi Age- 1 Year 8 Month
Case ID - 70268 Name- Somat Adiwasi Age- 7 Month	Case ID- 74105 Name- Suneel Suman Age- 02 Year 5 Moth	Case ID- 74106 Name- Sobit Meena Age- 2 Year	Case ID- 74107 Name- Krishna Meena Age- 3 Year
Case ID - 74108 Name- Antima Suman Age- 3 Year	Case ID - 77265 Name- Rahul Jat Age- 9 Month	Case ID - 77266 Name- Sanjay Age- 6 Month	Case ID - 77982 Name- Anmol Adiwasi Age- 11 Month
Case ID - 77983 Name- Krishna Adiwasi Age- 1 Year	Case ID - 77985 Name- Sanjana Adiwasi Age- 9 Month	Case ID - 78578 Name- Kunal Majhi Age- 6 Month	Case ID - 78579 Name- Sheela Bairwa Age- 7 Month
Case ID - 79754 Name- Rajeshwari Mahor Age- 3 Year	Case ID - 79758 Name- Pari Sharma Age- 3 Year	Case ID - 79883 Name- Reena Adiwasi Age- 6 Month	Case ID - 79884 Name- Porti Adiwasi Age- 1 Year 8 Month
Case ID -79886 Name- Rinku Adiwasi Age- 10 Month	Case ID -79887 Name- Muskan Adiwasi Age- 1 Year 2 Month	Case ID -79879 Name- Rachna Adiwasi Age- 4 Year	Case ID -79880 Name- Ramu Adiwasi Age- 10 Month
Case ID - 82022 Name- Preeti Adiwasi Age- 1 Year	Case ID -82023 Name- Arti Adiwasi Age- 1 Year 6 Month	Case ID - 83085 Name- Balveer Adiwasi Age- 1 Year	Case ID -83092 Name- Jitendra Adiwasi Age- 1 Year 10 Month
Case ID -92163 Name- Neeraj Adiwasi Age- 2 Year	Case ID -95475 Name- Depak Adiwasi Age- 3 Year		

Medical Help (Vaccination Cases)

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा –54 बच्चो व उनके माता पिता की काउन्सलिंग करके उनको समझाया गया। डॉक्टर व ए.एन.एम. से जांच करवाकर बच्चो का टीकाकरण करवाया गया।

Case ID - 67812 Name- Depak Adiwasi Age- 6 Month	*Case ID- 67813 Name- Dholu Adiwasi Age- 7 Month*	*Case ID - 68120 Name- Narendra Adiwasi Age- 5 Month*	*Case ID - 68294 Name- Mehraj Khan Age- 9 Month*
Case ID – 69700 Name- Riya Bansal Age- 1 Year 6 month	*Case ID - 69701 Name- Yasika Prajapati Age- 1 Year 7 Month*	*Case ID- 71676 Name- Shivay Sharma Age- 2 Month*	*Case ID- 77417 Name- Nikhil Adiwasi Age- 9 month*
Case ID – 77419 Name- Shiv Adiwasi Age- 10 Month	*Case ID - 77420 Name- Raj Adiwasi Age- 1 Year*	*Case ID - 78985 Name- Kavita Adiwasi Age- 3 Month*	*Case ID - 78986 Name- Shakila Khan Age- 6 Month*
Case ID –80101 Name- Jagya Sharma Age- 6 Month	*Case ID -80102 Name- Guddu Jaga Age- 2 Month*	*Case ID –83089 Name- Rehan Khan Age- 3 Month*	*Case ID -83093 Name- Aran khan Age- 3 Month*
Case ID –85664 Name- Giyarsi Sen Age- 2 Month	*Case ID - 85665 Name- Gudiya Ahmad Age- 1 Month*	*Case ID –85666 Name- Guddo Meena Age- 1 Month*	*Case ID -85714 Name- Gudiya Dikshit Age- 2 Month*
Case ID –85715 Name- Aksan Khan Age- 4 Month	*Case ID -85767 Name- Anaj Khan Age- 06 Month*	*Case ID –92387 Name- Dilraj Suman Age- 3 Month*	*Case ID -92389 Name- Rani Adiwasi Age- 1 Month*
Case ID –92390 Name- Armita Age- 5 Month	*Case ID -93982 Name- Ramdev Adiwasi Age- 5 Month*	*Case ID –93983 Name- Sakha Adiwasi Age- 4 Month*	*Case ID -93984 Name- Chaina Adiwasi Age- 6 Month*
Case ID –93986 Name- Roky Age- 3 Month	*Case ID -94527 Name- Riya Rathod Age- 5 Year*	*Case ID –94533 Name- Uman Jaga Age- 5 Year*	*Case ID -96266 Name- Avantika Soni Age- 6 Month*
Case ID –97838 Name- Devanshi Jangin Age- 2 Month	*Case ID –97840 Name- Kapil Bairwa Age- 5 Month*	*Case ID -97842 Name- Sidhi Jangin Age- 5 Year*	*Case ID -97843 Name- Pappu Meena Age- 4 month*
Case ID -97846 Name- Komal Suman Age- 1 Year 6 Month	*Case ID -97849 Name- Kirti Bairwa Age- 5 Month*	*Case ID -97851 Name- Vidhan Sharma Age- 2 Month*	*Case ID -97852 Name- Ronak Bairwa Age- 7 Month*
Case ID –97853 Name- Arushi Bairwa Age- 4 Month	*Case ID -97856 Name- Afirsh Khan Age- 7 Month*	*Case ID -97857 Name- Ripanshi Bairwa Age- 2 Month*	*Case ID – 103479 Name- Dikhush Adiwasi Age- 5 month*
Case ID – 103480 Name- Amir Adiwasi Age- 4 month	*Case ID – 103482 Name- Kirti Adiwasi Age- 3 month*	*Case ID – 103483 Name- Udeep Adiwasi Age- 7 month*	*Case ID – 103484 Name- Tarawati adiwasi Age- 5 month*
Case ID – 103506 Name- Sachin Adiwasi Age- 7 month	*Case ID – 103449 Name- Sawan Adiwasi Age- 4 Month*	*Case ID – 103644 Name- Salim Khan Age- 9 Month*	*Case ID – 103652 Name- Preerna Sharma Age- 1 Year 6 Month*
Case ID – 104658 Name- Rahul Adiwasi Age- 6 Month	*Case ID – 104669 Name- Rahul Adiwasi Age- 6 month*		

इस प्रकार के केसो मे आंगनवाडी कार्यकर्ता व ए.एन.एम. द्वारा चाइल्डलाइन को इन बच्चो की जानकारी दी गयी जिसमे बताया गया कि कई बार कहने पर भी बच्चो के माता पिता बच्चो का टीकाकरण नही करवाते है जिस कारण बच्चो को कई अन्य गंभीर बीमारियां होने का खतरा होता है।

Sponsorship Cases- School/ Collage Admission

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा - 23 बालक व बालिकाओ जिनके माता-पिता बच्चों को स्कूल मे भर्ती नही करवाते थे चाइल्डलाइन टीम द्वारा माता-पिता की काउन्सलिंग करके बच्चों का स्कूल को स्कूल मे भर्ती करवाया गया।

Case ID - 65763 Name- Simran Bano Age- 14 Year	*Case ID - 72522 Name- Monu Suman Age- 8 Year*	*Case ID - 72523 Name- Seni Bairwa Age- 7 Year*	*Case ID- 72524 Name- Rahul Bairwa Age- 8 Year*
Case ID - 72525 Name- Raju Bairwa Age- 10 Year	*Case ID - 74398 Name- Arbaj Khan Age- 8 Year*	*Case ID - 75045 Name- Karan Rajawat Age- 9 Year*	*Case ID - 75585 Name- Simran Age- 15 Year*
Case ID -75800 Name- Rohit Mahor Age- 8 Year	*Case ID - 75801 Name- Pinky Mahor Age- 6 Year*	*Case ID - 75802 Name- Anshu Mahor Age- 4 Year*	*Case ID -75803 Name- Rajveer Adiwasi Age- 8 Year*
Case ID - 77056 Name- Varsh Shivhare Age- 03 Year	*Case ID - 77864 Name- Kuldeep Suman Age- 17 Year*	*Case ID - 78412 Name- Jubeda Khan Age- 15 Year*	*Case ID -78419 Name- Ronak Adiwasi Age- 6 Year*
Case ID -78422 Name- Madan Rawat Age- 8 Year	*Case ID - 78424 Name- Ramu Vaishnav Age- 6 Year*	*Case ID - 78602 Name- Gavind Gaud Age- 14 Year*	*Case ID - 79486 Name- Sohel Khan Age- 14 Year*
Case ID - 79974 Name- Shobit Hardeniya Age- 15 Year	*Case ID - 87616 Name- Khushagra Sharma Age- 17 Year*		

Sponsorship Cases (Ladli Laxmi Scheme)

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा- 53 बालिकाओ के माता पिता को योजना के बारे मे जानकारी दे कर व उनकी काउन्सलिंगकर बच्चियों को लाडली लक्ष्मी योजना से जुडवाया गया। इस योजना से बालिकाओं को भविष्य मे लाभ पहुंचेगा।

इस योजना के अनुसार बालिका को कुल 1,18,000 रूपय की राशि मिलेगी। जिसमे बालिका के कक्षा -06 मे प्रवेश करने पर - 2000 रूपय/ कक्षा- 09 मे प्रवेश करने पर- 4000 रूपये/ कक्षा-11 मे प्रवेश करने पर 6000 रूपये / कक्षा- 12 मे प्रवेश करने पर- 6000 रूपये एवं 18 वर्ष से पूर्व विवाह न करने व 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर- 1,00,000 राशी सरकार द्वारा दी जाती है।

Case ID - 65140 Name - Sonam Adiwasi Age - 7 Month	*Case ID - 65141 Name- Priyal Adiwasi Age- 5 Month*	*Case ID -65712 Name- Ishu Jat Age- 3 Month*	*Case ID - 65951 Name- Devanshi Dong Age- 2 Month*
Case ID - 66556 Name- Divyansi Sen Age- 8 Month	*Case ID - 66558 Name- Priyansi Sen Age- 6 Month*	*Case ID - 69459 Name - Alya bano Age- 1 Month*	*Case ID - 69647 Name - Payal Bairwa Age - 9 Month*

Case ID - 70730 *Name- Soniya* *Age- 7 Month*	*Case ID - 70851* *Name- Kiran Suman* *Age- 2 Year 6 Month*	*Case ID - 70853* *Name- Nirmala Adiwasi* *Age- 8 Year*	*Case ID - 72097* *Name- Arohi Chaurasiya* *Age- 1 Month*
Case ID- 72098 *Name- Purvanshi Sharma* *Age- 1 Month*	*Case ID - 72099* *Name- Ambhika Soni* *Age- 2 Month*	*Case ID - 72531* *Name- Janav Bano* *Age- 10 Month*	*Case ID -75707* *Name- Pari Bano* *Age- 8 Month*
Case ID - 75710 *Name- Kaynath* *Age- 8 Month*	*Case ID – 75711* *Name- Kumari Anmol* *Age- 9 Month*	*Case ID -76037* *Name- Iram Fatima* *Age- 1 Month*	*Case ID – 76679* *Name- Vanshika Jadon* *Age- 1 Month*
Case ID -76680 *Name- Disha Manjhi* *Age- 1 Month*	*Case ID -76802* *Name- Purvi Sharma* *Age- 1 month*	*Case ID – 79555* *Name- Aisha Bano* *Age- 1 Year 3 month*	*Case ID -79556* *Name- Sima Adiwasi* *Age- 1 Year 3 Month*
Case ID -79760 *Name- Darshika Gautam* *Age- 7 Month*	*Case ID -79569* *Name- Fajila Khan* *Age- 2 Month*	*Case ID -79570* *Name- Nida Khan* *Age- 3 month*	*Case ID -81927* *Name- Tanveer Batham* *Age- 1 Month*
Case ID -81928 *Name- Adishree Mittal* *Age- 4 month*	*Case ID –81976* *Name- Arju Khan* *Age- 1 Month*	*Case ID -82203* *Name- Gudiya Adiwasi* *Age- 2 Month*	*Case ID -82205* *Name- Monika Suman* *Age- 4 Month*
Case ID –82276 *Name- Pragya Mehra* *Age- 2 Month*	*Case ID - 82277* *Name- Anushka Bairwa* *Age- 3 Month*	*Case ID –84998* *Name- Khushi Raigar* *Age- 2 Month*	*Case ID -84999* *Name- Mahira Ansari* *Age- 2 Month*
Case ID –85226 *Name- Neha Lodha* *Age- 2 Month*	*Case ID -85576* *Name- Akiya Bano* *Age- 4 Month*	*Case ID -85578* *Name- Alkija Bano* *Age- 3 Month*	*Case ID -85593* *Name- Arshi Khan* *Age- 2 Month*
Case ID -85594 *Name- Nadim Khan* *Age- 2 Month*	*Case ID -85687* *Name- Mushkan Suman* *Age- 3 Month*	*Case ID -55688* *Name- Priyanshi Suman* *Age- 4 Month*	*Case ID – 100390* *Name- Kanak Shivhare* *Age- 1 Month*
Case ID – 100622 *Name- Jainav Khan* *Age- 7 Month*	*Case ID – 100623* *Name- Priyanshi Dhuliya* *Age- 2 Month*	*Case ID – 102795* *Name- Naina Baiwa* *Age- 3 Month*	*Case ID – 102659* *Name- Areva Bano* *Age- 3 Month*
Case ID – 104660 *Name- Rukshana Gurjar* *Age- 9 Month*	*Case ID – 104670* *Name- Kumkum Gurjar* *Age- 4 Month*	*Case ID – 107138* *Name- Varsha Batham* *Age- 2 Month*	*Case ID – 107139* *Name- Abhika Baiwa* *Age- 8 Month*
Case ID – 107140 *Name- Kajal Baiwa* *Age- 2 Month*			

Handicapped Certificate

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा – 15 शारीरिक एवं मांसिक विकलांग बालक व बालिकाओ के विकलांग प्रमाण पत्र बनवाये गये। जिससे उन्हे विकलांगो से सम्बन्धित जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ प्राप्त होने लगा।

Case ID - 69483 *Name- Bhavna Panchal* *Age- 13 Year*	*Case ID - 69484* *Name- Pankaj Mahor* *Age- 12 Year*	*Case ID - 71358* *Name- Pankaj Mahor* *Age- 15 Year*	*Case ID - 74566* *Name- Pinky Prjapati* *Age- 16 Year*
Case ID - 83895 *Name- Manish Adiwasi*	*Case ID - 85007* *Name- Vishnu Suman*	*Case ID - 93773* *Name- Raju Jataw*	*Case ID – 101322* *Name- Sameer Khan*

Age- 8 Year	*Age- 5 Year*	*Age- 16 Year*	*Age- 12 Year*
Case ID – 102781 *Name- Pawan Bairwa* *Age- 11 Year*	*Case ID – 102847* *Name- Ashish Bairwa* *Age- 12 Year*	*Case ID – 102855* *Name- Jitendra Suman* *Age- 6 Year*	*Case ID – 102857* *Name- Vijay Adiwasi* *Age- 12 Year*
Case ID – 102925 *Name- Lekhraj Adiwasi* *Age- 12 Year*	*Case ID – 103177* *Name- Satbhan Rawat* *Age- 7 Year*	*Case ID – 105063* *Name- Raveendra Suman* *Age- 17 Year*	*Case ID – 105064* *Name- Rachna Suman* *Age- 11 Year*

Mr. Jaisingh Jadon
Director
Childline Sheopur
Mahatma Gandhi Seva Ashram
Pali Road, Sheopur- 476337

Mr. Viplove Sharma
Co-ordinator
Childline Sheopur
Mahatma Gandhi Seva Ashram
Pali Road, Sheopur- 476337